हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची ● मंगलवार ● 16.06.2026 ● वर्ष : 16 ● अंक : 319 ● पृष्ठ : 12 ● मूल्य : 4 रुपये

RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902

झारखण्ड सरकार
GOVERNMENT OF JHARKHAND

झारखण्ड 25 अनंत संभावनाओं की ओर

झारखण्ड
कृषि व्यापार मेला
2026

कृषि उत्सव
कृषि यंत्रों का प्रदर्शन
कृषि विशेषज्ञों से सीधी बात
कृषि व्यावहारिक कार्यशालाएँ
खरीदार-विक्रेता के बीच व्यापारिक संवाद
कृषि तकनीकी प्रदर्शनी
सांस्कृतिक कार्यक्रम
खेती और ग्रामीण व्यवसाय के नए आयाम जानना

झारखण्ड कृषि व्यापार मेला 2026
उद्घाटन समारोह

प्रवेश निःशुल्क
आप सभी **मेला में सादर आमंत्रित हैं**

दिनांक: 16 से 18 जून 2026
समय: पूर्वाह्न 10 बजे
स्थान: मोरहाबादी मैदान, रांची

मुख्य अतिथि

श्री हेमन्त सोरेन
माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

अध्यक्षता

श्रीमती शिल्पी नेहा तिर्की
माननीय मंत्री, कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग, झारखण्ड

माननीय मंत्रीगण, माननीय सांसदगण, माननीय विधायकगण
एवं अन्य गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति

अधिक जानकारी के लिए स्कैन करें

कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग, झारखण्ड

PR- 382440 (Agriculture,Animal Husbandry And Co-opretive Department) 26-27

एक नजर

लिटिल एंजल्स स्कूल में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस पर बच्चों को खिलाई गई एलबेंडाजोल टैबलेट

बड़कागांव : प्रखंड अंतर्गत तलसवार पंचायत के ग्राम कोयलंग करमाटांड़ में संचालित लिटिल एंजल्स पब्लिक स्कूल में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस पर 5 वर्ष से ऊपर के बच्चों को स्वास्थ्य कर्मियों के द्वारा कृमि से मुक्ति पाने हेतू एलबेंडाजोल टैबलेट खिलाया गया। सभी बच्चे दवा खाने के लिए काफी उत्साहित थे। दवा खिलाने के लिए बहु उद्देश्य स्वास्थ्य कर्मी मुकेश कुमार रवि, स्वास्थ्य सहिया शांति तिर्की, सरिता कुमारी की अहम भूमिका रही। जिसकी निगरानी प्राचार्य अजय कुमार के द्वारा किया गया। प्राचार्य अजय कुमार ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि सभी बच्चों को कृमि से मुक्ति पाने हेतू साल में एक बार दवा खाना बहुत जरूरी है नहीं तो पेट में कृमि उत्पन्न हो जाएगा जिससे हमारा स्वास्थ्य बिगड़ सकता है और हम सभी बीमार हो सकतें हैं। मौके पर उपस्थित प्राचार्य अजय कुमार, सहायक शिक्षक ईश्वर कुमार, सुरेश मरांडी, शिक्षिका रेखा कुमारी, नेहा कुमारी, बहुउद्देश्य स्वास्थ्य कर्मी मुकेश कुमार रवि, स्वास्थ्य सहिया शांति तिर्की, सरिता कुमारी सहित बच्चे उपस्थित थे।

बत्तख को बचा रहे दो लोगों को सियार ने काटकर किया घायल

बड़कागांव : बड़कागांव प्रखंड अंतर्गत 26 किलोमीटर दूर अति सुदर ग्रामीण क्षेत्र इसको गांव में सियार ने आदिवासी समुदाय के 2 लोगों को काटकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। नापो के समाजसेवी कांग्रेसी नेता चंदर साव ने दोनों को अपना टैक्सी से बड़कागांव अस्पताल लाकर सामाजिक कार्य किया तथा डॉक्टर से इलाज करवाया। बड़कागांव चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर अविनाश कुमार एवं सहयोगी डॉक्टर किरण के द्वारा इलाज किया गया। घायल 10 वर्षीय सागर उरांव को सियार के काटने से आंख एवं माथे में गहरा जख्म का निशान है। वही 50 वर्षीय झरी भगत को सियार ने पैर में काटकर घायल कर दिया। बताया जाता है कि सोमवार दोपहर तकरीबन 1:00 बजे इसको तालाब के पास बत्तख को खाने के लिए एक सियार आया, इस दौरान बच्चों ने सियार को भगाने का प्रयास किया परंतु सियार ने पलटवार करते हुए लोगों पर हीं हमला कर दिया। जिसमें एक 10 वर्षीय बालक एवं 50 वर्षीय वयस्क को सियार ने काटकर घायल कर दिया । मामले को लेकर डॉक्टर अविनाश कुमार से पूछे जाने पर उन्होंने बताया कि बच्चे के माथे एवं आंख के पास गंभीर जख्म के निशान हैं। बच्चे की सीटी स्कैन के लिए हजारीबाग भेजा हूं ,सभी इलाज बड़कागांव हॉस्पिटल से ही हो रहा है चिंता की कोई बात नहीं है।

वृद्धाश्रम में विधिक जागरूकता शिविर आयोजित

खूंटी : विश्व वरिष्ठ नागरिक दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस के अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार, खूंटी की ओर से सोमवार को पिपराटोली टोली स्थित वृद्धाश्रम में विधिक जागरूकता और आउटरीच शिविर का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकार की जागृति योजना-2025 के अंतर्गत जून माह की निर्धारित थीम वरिष्ठजन अधिकार, सशक्तिकरण और गरिमा के अनुरूप आयोजित किया गया।

उपायुक्त की अध्यक्षता में जिला सीएसआर समिति की हुई बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : उपायुक्त हेमन्त सती की अध्यक्षता में जिला स्तरीय कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न कंपनियों एवं संस्थानों द्वारा सीएसआर मद से जिले में संचालित एवं प्रस्तावित विकासात्मक कार्यों की समीक्षा की गई। बैठक के दौरान उपायुक्त ने सीएसआर के अंतर्गत संचालित योजनाओं एवं उपलब्ध निधि की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि सीएसआर निधि का उपयोग जिले की आवश्यकताओं के अनुरूप शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, कौशल विकास एवं आधारभूत संरचना के सुदृढ़ीकरण में प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। उपायुक्त ने कहा कि सीएसआर का मूल उद्देश्य संबंधित प्रभावित क्षेत्रों में उन्नयन कार्य करना है। उन्होंने कहा कि सीएसआर निधि का प्रयोग बिना उपायुक्त के अनुशंसा पर न हो और अगर विशेष परिस्थिति में अगर कोई कार्य कराया जाना है तो इसकी सूचना प्रशासन को अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराएं। उपायुक्त ने विभिन्न कंपनियों द्वारा प्रस्तावित सीएसआर मद से संचालित कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग की करने का निर्देश दिया। बैठक में एनटीपीसी से बड़कागांव के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में तत्काल 247 एम्बुलेंस सुविधा उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।

इसके अतिरिक्त पेयजल सुविधा के विस्तार के लिए बोरवेल निर्माण, सामुदायिक उपयोग की आधारभूत सुविधाओं का विकास तथा युवाओं के लिए कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रमों को जिला प्रशासन की अनुशंसा के उपरांत ही करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि सीएसआर के माध्यम से जिले के सामाजिक एवं आर्थिक विकास को गति देने का महत्वपूर्ण अवसर प्राप्त होता है। सभी संबंधित संस्थानों को स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप जनहितकारी परियोजनाओं को प्राथमिकता देने तथा जिला प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित कर कार्य करने का निर्देश दिया गया। बैठक में संबंधित विभागों के पदाधिकारी, विभिन्न संस्थानों एवं कंपनियों के प्रतिनिधि तथा जिला प्रशासन के अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में उप विकास आयुक्त रिया सिंह,अनुमंडल पदाधिकारी आदित्य पांडेय, प्रशिक्षु आईएएस भावना अग्रवाल,जिला योजना पदाधिकारी पंकज कुमार तिवारी व विभिन्न कंपनियों के प्रतिनिधि मौजूद थे।

पुलिस का बड़ा एक्शन: एक रात में 23 अपराधी धराए, 73 ठिकानों पर मारा छापा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : जिले में अपराधियों पर नकेल कसने के लिए पुलिस अधीक्षक हजारीबाग के आदेश पर 12/13 जून 2026 की मध्यरात्रि विशेष समकालीन अभियान चलाया गया। इस अभियान में जिले भर में फरार चल रहे अपराधियों, वारंटियों और अभियुक्तों के खिलाफ एक साथ छापेमारी की गई।

31 टीम, 123 जवान, 73 ठिकाने

एसपी के निर्देश पर जिले के सभी पुलिस उपाधीक्षक और पुलिस निरीक्षक के नेतृत्व में थाना प्रभारियों के साथ कुल 31 टीमें गठित की गईं। इन टीमों में लगभग 123 पुलिस पदाधिकारी और जवान शामिल थे। गठित टीमों ने वांछित अपराधियों के लगभग 73 ठिकानों पर ताबड़तोड़ छापेमारी की।

23 अपराधी गिरफ्तार

पूरी रात चले इस अभियान के दौरान पुलिस ने विभिन्न कांडों में फरार चल रहे कुल 23 अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों को आगे की कार्रवाई के लिए संबंधित थाने को सौंप दिया गया है। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि जिले में इस तरह की सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। उन्होंने आम जनता से अपील की कि यदि उनके क्षेत्र में कोई भी आपराधिक तत्व गिरफ्तारी के डर से छिपा हुआ है, तो उसकी सूचना तुरंत नजदीकी थाना को दें। पुलिस द्वारा सूचना का त्वरित सत्यापन कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। इस अभियान से जिले में अपराधियों में हड़कंप मच गया है और आम जनता ने पुलिस की इस कार्रवाई की सराहना की है।

बिजली संकट से मिली राहत, जेएलकेएम केन्द्रीय महासचिव विजय साहू ने किया 100 केवी ट्रांसफार्मर का उद्घाटन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : बड़कागांव प्रखंड सिकरी पंचायत अंतर्गत चमगढ़ा में लंबे समय से बनी हुई बिजली की समस्या के समाधान की दिशा में बड़ी पहल करते हुए जेएलकेएम केन्द्रीय महासचिव विजय साहू साहू के अथक प्रयास से 100 डश्अ क्षमता का नया ट्रांसफार्मर उपलब्ध कराया गया। ट्रांसफार्मर स्थापित होने के बाद केन्द्रीय महासचिव विजय साहू ने विधिवत उद्घाटन किया। गांव में लंबे समय से लो-वोल्टेज और बार-बार बिजली बाधित होने की समस्या से ग्रामीण परेशान थे। बिजली आपूर्ति सुचारू नहीं रहने के कारण घरेलू कार्यों, विद्यार्थियों की पढ़ाई तथा किसानों को भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। ग्रामीणों की मांग और समस्या को गंभीरता से लेते हुए विजय साहू ने संबंधित विभाग से लगातार संपर्क कर नया ट्रांसफार्मर उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ट्रांसफार्मर का उद्घाटन होने के बाद ग्रामीणों में उत्साह का माहौल देखा गया। लोगों ने कहा कि अब गांव की बिजली व्यवस्था में सुधार होगा और लंबे समय से चली आ रही परेशानी से राहत मिलेगी। ग्रामीणों ने जेएलकेएम केन्द्रीय महासचिव विजय साहू की इस पहल की सराहना करते हुए उनके प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर उपस्थित ग्रामीणों को संबोधित करते हुए विजय साहू ने कहा कि जनता की समस्याओं का समाधान करना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विकास और बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए वे लगातार प्रयासरत हैं और आगे भी जनता के हित में कार्य करते रहेंगे। मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे। सभी ने नए ट्रांसफार्मर के लगने पर खुशी जताते हुए उम्मीद व्यक्त की कि अब गांव में बिजली आपूर्ति पहले की अपेक्षा अधिक सुचारू और बेहतर होगी। मौके पर उपस्थित जिला प्रवक्ता ईश्वर कुमार महतो, अनिल कुमार, सजय कुमार, धनराज महतो, भुनेशवर महतो, रजीत कुमार, सुकूल महतो, देवा महतो, विजय महतो, बरुण महतो, मुकेश कुमार, सोतव देवी, बिलासो देवी, एतवरीय देवी, मगरी देवी, एवं ग्रामीण थे।

पुलिस का ट्रैफिक अभियान: पुलिस जीप से गूंजे यातायात नियम, एक दिन में 147 वाहनों का कटा चालान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : शहर की सड़कों को जाम और दुर्घटना मुक्त बनाने के लिए हजारीबाग पुलिस ने कमर कस ली है। पुलिस अधीक्षक के आदेश पर 13 जून को यातायात नियमों को लेकर विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया। पुलिस जीप पर लाउडस्पीकर लगाकर पूरे शहर में माइक से लोगों को ट्रैफिक रूल समझाए गए। साथ ही डिस्ट्रिक्ट मोड़ पर सघन वाहन चेकिंग कर नियम तोड़ने वालों पर कार्रवाई की गई।

चौक-चौराहे पर गूंजा माइक

ऊढ उउफ के नेतृत्व में यातायात थाना प्रभारी, 3 पुलिस पदाधिकारी और 10 गृहरक्षकों की टीम ने शहर के डीवीसी चौक, हिराबाग चौक, डिस्ट्रिक्ट मोड़, पीटीसी चौक, मटवारी चौक, बाबूगांव चौक, कोर्रा चौक, इंद्रपुरी चौक, पानी टंकी, पैगोडा चौक, खाजा चौक, छोटी ग्वालटोली, सांसद मोड़, सुंदरी मार्केट, झंडा चौक और पंच मंदिर चौक तक गश्त की।

जीप से बार-बार एनाउंस किया गया - "नो पार्किंग में गाड़ी न लगाएं, सिर्फ सफेद लाइन के अंदर ही पार्क करें, टोटो-ऑटो स्टैंड पर ही खड़े हों"। लोगों को व्हाइट लाइन के महत्व और गलत पार्किंग से लगने वाले जाम के बारे में बताया गया।

डिस्ट्रिक्ट मोड़ पर कड़ी चेकिंग, 147 चालान

जागरूकता के बाद डिस्ट्रिक्ट मोड़ पर सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। पुलिस ने नियम तोड़ने वाले 147 वाहनों का चालान काटा:

बिना हेलमेट: 103 चालक

ट्रिपल लोडिंग: 29 वाहन

ड्राइविंग के दौरान मोबाइल: 3 चालक

नो पार्किंग में ऑटो/टोटो: 12 वाहन

पुलिस ने दी चेतावनी

यातायात पुलिस ने साफ कहा कि शहर में ट्रैफिक नियमों को लेकर यह अभियान लगातार चलता रहेगा। बिना हेलमेट, ट्रिपल लोड और नो पार्किंग वालों पर अब कोई रियायत नहीं बरती जाएगी।

पुलिस अधीक्षक ने आम लोगों से अपील की - "आपकी एक गलती किसी की जान ले सकती है। हेलमेट पहनें, सीटबेल्ट लगाएं और ट्रैफिक नियम मानें। सुरक्षित रहें, सुरक्षित रखें।"

85 वर्षीय वृद्धा मसोमात मुनिया को नहीं मिल रहा पेंशन और राशन

बड़कागांव : बड़कागांव प्रखंड अंतर्गत बादम गांव की 85 वर्षीय वृद्धा मो० मुनिया देवी सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित हैं। वृद्धा का आरोप है कि उन्हें न तो वृद्धावस्था पेंशन का लाभ मिल रहा है और न ही राशन कार्ड के माध्यम से खाद्यान्न उपलब्ध कराया जा रहा है। ग्रामीणों के अनुसार, मो० मुनिया देवी की उम्र लगभग 85 वर्ष है और वे आर्थिक रूप से काफी कमजोर हैं। वृद्धावस्था में जीवन-यापन के लिए सरकारी सहायता की आवश्यकता होने के बावजूद उन्हें अब तक पेंशन और राशन जैसी मूलभूत सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं। इससे उन्हें काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। मुखिया सुनीता देवी ने कहा कि हमारे यहां से जितना भी पेपर वर्क है वह सब ब्लॉक में जमा कर दिया गया है।

रांची में रक्तदान शिविर: बरही के चार युवाओं ने पेश की मानवता की मिसाल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर इंद्रप्रस्थ, रांची में आयोजित रक्तदान शिविर में बरही के चार रक्तदाताओं ने रक्तदान कर मानवता की मिसाल पेश की। सभी रक्तवीरों को राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन की प्रदेश इकाई की ओर से प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया। रक्तदान करने वालों में राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन के उपाध्यक्ष घनश्याम यादव, बरही के रक्तवीर सुबोध कुमार केशरी, प्रदेश कल्याण सचिव दिलीप गुप्ता और बरही के समाजसेवी अशोक कुमार यादव शामिल रहे। राष्ट्रीय अध्यक्ष अरविंद कुमार ने रक्तवीरों को सम्मानित करते हुए कहा, "रक्तदान महादान है। घनश्याम यादव, सुबोध केशरी, दिलीप गुप्ता और अशोक यादव ने साबित कर दिया कि इंसानियत अभी जिंदा है। आपका एक यूनिट खून तीन जिंदगियां बचा सकता है। राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन ऐसे समाजसेवियों को हमेशा नमन करती है।" राष्ट्रीय महासचिव संजय सुमन ने कहा, "बरही जैसे छोटे शहर से चार लोगों का एक साथ आगे आना प्रेरणादायक है। रक्तदान न सिर्फ मरीज की जान बचाता है, बल्कि रक्तदाता को भी आत्मसंतुष्टि और नई ऊर्जा देता है। हर स्वस्थ नागरिक को साल में एक बार रक्तदान जरूर करना चाहिए।" राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कपिल केशरी ने कहा, "हमारे संगठन का उद्देश्य सिर्फ अधिकार दिलाना नहीं, बल्कि कर्तव्य निभाना भी है। रक्तदान सबसे बड़ा कर्तव्य है। आज बरही के साथियों ने जो पहल की है, वो पूरे झारखंड के युवाओं के लिए उदाहरण बनेगी।"राष्ट्रीय संगठन सचिव राजकुमार यादव एवं राष्ट्रीय विधि सचिव आत्मानंद कुमार पांडेय ने कहा, "रक्त की कोई फैक्ट्री नहीं होती। ये सिर्फ इंसान के शरीर में बनता है। इसलिए घनश्याम जी, सुबोध जी, दिलीप जी और अशोक जी जैसे लोग समाज की रीढ़ हैं। संगठन हमेशा उनके साथ खड़ा है।" प्रदेश अध्यक्ष कृष्णा प्रजापति ने कहा, ₹रांची के इंद्रप्रस्थ शिविर में बरही के चार रक्तवीरों की भागीदारी हम सभी के लिए गर्व की बात है। ये दिखाता है कि मानवाधिकार का मतलब सिर्फ शिकायत करना नहीं, जरूरतमंद की मदद करना भी है।

संक्षिप्त खबरें

विधायक प्रदीप प्रसाद के आवास पर पूर्व विधायकों सहित गणमान्यों की बैठक

हजारीबाग : हजारीबाग विधायक प्रदीप प्रसाद ने आज अपने आवासीय कार्यालय में बड़कागांव के पूर्व विधायक लोकनाथ महतो एवं बगोदर के पूर्व विधायक गौतम सागर राणा सहित कई गणमान्य व्यक्तियों से आत्मीय मुलाकात की। इस अवसर पर क्षेत्र के विकास, जनहित से जुड़े मुद्दों, सामाजिक सरोकारों तथा वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य पर सकारात्मक एवं सार्थक चर्चा हुई। बैठक के दौरान क्षेत्र की समस्याओं के समाधान, विकास कार्यों में जनभागीदारी बढ़ाने तथा समाज के सर्वांगीण विकास के लिए सामूहिक प्रयासों पर विशेष रूप से विचार-विमर्श हुआ। विधायक प्रदीप प्रसाद ने कहा, "जनप्रतिनिधियों एवं समाज के प्रबुद्ध लोगों के अनुभव और सुझाव क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। क्षेत्र की भलाई के लिए हम सबको मिलकर काम करना होगा। उन्होंने सभी उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों के साथ जनहित एवं क्षेत्रीय विकास के मुद्दों पर निरंतर संवाद बनाए रखने की प्रतिबद्धता व्यक्त की और समाज एवं क्षेत्र के व्यापक हित में मिलकर कार्य करने पर सहमति व्यक्त की। बैठक में मौजूद नेताओं ने भी क्षेत्र के विकास को लेकर एकजुटता दिखाते हुए जनसमस्याओं के त्वरित समाधान पर जोर दिया।

टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित, 120 ग्रामीणों की हुई जांच

बरही : टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत बरही प्रखंड की बसरिया पंचायत स्थित पंचायत सचिवालय में स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में ग्रामीणों को विभिन्न स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की गई तथा टीबी के प्रति जागरूकता फैलाने का कार्य किया गया। शिविर के दौरान कुल 120 ग्रामीणों की स्वास्थ्य जांच की गई। इसमें एक्स-रे, उच्च रक्तचाप (ब्लड प्रेशर), शुगर जांच सहित अन्य आवश्यक स्वास्थ्य परीक्षण किए गए। जांच के उपरांत मरीजों को नि:शुल्क दवाइयां भी वितरित की गईं। स्वास्थ्यकर्मियों ने लोगों को टीबी के लक्षण, बचाव और समय पर उपचार के महत्व की जानकारी दी तथा किसी भी प्रकार के लक्षण दिखाई देने पर तत्काल जांच कराने की सलाह दी। कार्यक्रम में डॉ. प्रकाश ज्ञानी, पूर्व मुखिया हरेंद्र गोप, सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचओ) प्रियंका कुमारी, शिवशंकर, सहिया साथी नगीना देवी, सावित्री कुमारी, सहिया मीणा देवी, सबिता देवी, कंचन कुमारी, रूबी देवी, सूरज कुमार, शैलेन्द्र राम, बिजेंद्र कुमार, शमसाद, बीटीटी रीना वर्मा, पंचायत सहायक सिकंदर कुमार एवं खुशबू कुमारी सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मी एवं ग्रामीण उपस्थित रहे। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने कहा कि टीबी मुक्त भारत अभियान को सफल बनाने के लिए गांव-गांव में जांच शिविर आयोजित किए जा रहे हैं, ताकि समय रहते मरीजों की पहचान कर उनका समुचित उपचार सुनिश्चित किया जा सके।

विधायक अमित कुमार यादव ने मसकेडीह का किया दौरा, ग्रामीणों ने किया भव्य स्वागत

चलकुशा : प्रखंड के मसकेडीह गांव की जनता की वर्षों पुरानी और महत्वपूर्ण मांग अब पूरी होने जा रही है। गांव में रेलवे अंडरपास निर्माण को स्वीकृति मिल गई है, जिससे युवाओं एवं बुजुर्गों में खुशी का माहौल है। इस अंडरपास की मांग को लेकर विधायक अमित कुमार यादव लगातार प्रयासरत थे। वहीं, कोडरमा सांसद सह केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी के विशेष प्रयासों से मसकेडीह में रेलवे अंडरपास निर्माण की मंजूरी प्राप्त हुई है। स्वीकृति मिलने के बाद विधायक अमित कुमार यादव ने मसकेडीह गांव का दौरा किया। इस दौरान ग्रामीणों ने उनका गर्मजोशी से बुक्के देकर एवं माला पहनाकर स्वागत किया। ग्रामीणों को संबोधित करते हुए विधायक ने कहा कि रेलवे अंडरपास क्षेत्रवासियों की वर्षों पुरानी मांग थी, जो अब साकार होने जा रही है। उन्होंने बताया कि अंडरपास निर्माण कार्य का शिलान्यास केंद्रीय मंत्री एवं कोडरमा सांसद अन्नपूर्णा देवी की गरिमामयी उपस्थिति में जल्द कराया जाएगा। विधायक ने कहा कि अंडरपास के निर्माण से ग्रामीणों के साथ साथ विधालय जाने वाले छात्र-छात्राएं को आवागमन में सुविधा होगी तथा रेलवे लाइन पार करने के दौरान होने वाली परेशानियों से भी राहत मिलेगी। मौके पर भाजपा मंडल अध्यक्ष वासुदेव यादव, विक्रमादित्य सिंह, तफज्जुल हुसैन, सुबोध चौधरी, मोहसिन कमाल, राजेश कुमार, राजेंद्र साव,अशोक यादव, अफजल अंसारी,हलीम अंसारी, इस्लाम अंसारी, सिकंदर अली,नईम अंसारी सहित सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित थे।

पूर्व विधायक अंबा प्रसाद ने समाधान भवन में लगाया जनता दरबार, 50 अधिक मामले आए

बड़कागांव : बड़कागांव समाधान भवन में प्रत्येक सप्ताह की भांति इस सप्ताह के सोमवार को पूर्व विधायक अंबा प्रसाद के द्वारा जनता दरबार लगाया गया। जिसमें दर्जनों लोग अपनी समस्याओं को लेकर पहुंचे थे। जिनमें से जमीन संबंधी विवाद, झगड़ा संबंधी, कंपनी के द्वारा जमीन का मुआवजा नहीं दिया जाना, विलेज मोबिलाइजर को कई महीनो से तनख्वाह बंद से संबंधित तकरीबन 50 मामले आये। वही सोनू मुंडा के घर के परिवार का देहांत हो जाने से क्रियाकर्म हेतु कुछ सहयोग राशि की मांग जिसके लिए पूर्व विधायक के द्वारा सहयोग प्रदान किया गया। पूर्व विधायक अंबा प्रसाद ने सभी की समस्याओं को धैर्य पूर्वक सुना और संबंधित अधिकारियों जैसे डीसी, एसपी ,सीओ,बीडीओ को कॉल किया और समस्या के समाधान करने का प्रयास किया ' जनता दरबार में उपस्थित लोगों में से वरिष्ठ कांग्रेस नेता विशेश्वर नाथ चौबे, कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष सुरेश महतो, गौतम कुशवाहा , बाबर हुसैन , श्याम भार्गव, आनंद मेहता, दशरथ महतो, पदुम साहू ,त्रिलोकी साहू, शमशेर अंसारी,मोहन साव ,सोनू मुंडा ,उर्मिला देवी ,धनेश्वर पासवान, मोहन करमाली, शमी मोहम्मद, मोहम्मद मुमताज, उमाशंकर कुमार, लीला देवी, नगीना कुमारी, मोहन करनाली आसिफ राजा, समेत दर्जनों लोग जनता दरबार में पहुंचे थे।

हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची ● मंगलवार ● 16.06.2026 ● वर्ष : 16 ● अंक : 319 ● पृष्ठ : 12 ● मूल्य : 4 रुपये

RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902

एक नजर

टीवी अभिनेत्री संचिता उगले ने की आत्महत्या

मुंबई : टेलीविजन जगत की जानी मानी अभिनेत्री संचिता उगले अपने घर में मृत पाई गईं हैं। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार उन्होंने कथित तौर पर आत्महत्या की है। पुलिस मामले की गहन छानबीन कर रही है। घटना के बाद मनोरंजन जगत और उनके प्रशंसकों के बीच शोक की लहर दौड़ गई है। पुलिस के मुताबिक संचिता अपने माता-पिता और बहन के साथ मुंबई महानगर क्षेत्र के नालासोपारा में रहती थीं। घटना के समय वह घर में अकेली थीं। शुरूआती जांच में सामने आया है कि उन्होंने साड़ी के सहारे फांसी लगाई। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आगे की जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले के सभी पहलुओं की पड़ताल की जा रही है और जांच पूरी होने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।

अमेरिका के मिसौरी में विमान हादसा 12 लोगों की मौत

वॉशिंगटन : अमेरिका के मिसौरी राज्य में एक छोटा विमान दुर्घटनाग्रस्त होने से उसमें सवार सभी 12 लोगों की मौत हो गई। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार हादसा रविवार को बटलर मेमोरियल एयरपोर्ट के निकट हुआ। मिसौरी स्टेट हाईवे पेट्रोल ने सोशल मीडिया के माध्यम से जानकारी देते हुए बताया कि विमान दुर्घटना की सूचना मिलते ही आपातकालीन दल मौके पर पहुंच गया। प्रारंभिक रिपोर्टों के आधार पर विमान में सवार सभी 12 लोगों के मारे जाने की आशंका जताई गई है।

पाकिस्तान में आतंकी हमला, 5 की मौत और 8 घायल

इस्लामाबाद : खैबर पख्तूनख्वा और पंजाब की सीमा के पास स्थित झांगी पुलिस चौकी पर सोमवार को एक बड़ा आतंकवादी हमला हुआ, जिसमें 5 पुलिसकर्मियों की दर्दनाक मौत हो गई और 8 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। सुरक्षा बलों से मिली प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, विस्फोटकों से लदे एक संदिग्ध वाहन को पुलिस चौकी से टकराया गया, जिसके बाद एक जोरदार धमाका हुआ। बताया जा रहा है कि इस वाहन में ऊपर से लकड़ियाँ लदी हुई थीं ताकि सुरक्षा एजेंसियों को चकमा दिया जा सके, लेकिन अंदर भारी मात्रा में बारूद छिपाया गया था। यह विस्फोट इतना भयानक था कि पुलिस चौकी की बाहरी दीवार का एक बड़ा हिस्सा पूरी तरह ढह गया और पूरा वाहन मलबे के नीचे दब गया।

खेत में पलटी बस, 3 की मौत, 12 घायल

फतेहाबाद : हरियाणा के फतेहाबाद जिले में सोमवार सुबह एक भीषण सड़क हादसा हो गया, जहां टोहाना आ रही एक तेज रफ्तार प्राइवेट बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खेत में पलट गई। इस दर्दनाक दुर्घटना में एक महिला समेत 3 यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 12 अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हैं। हादसे के बाद गुस्साए ग्रामीणों ने टोहाना-फतेहाबाद रोड पर चक्का जाम कर दिया है, जिससे इलाके में तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने राज्यव्यापी 'नशा मुक्त झारखंड' जागरूकता अभियान का किया शुभारम्भ, कहा

नशा व्यक्ति के सामाजिक जीवन को पूरी तरह से बर्बाद कर देता है

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने झारखंड को पूरी तरह नशा मुक्त बनाने के संकल्प के साथ एक बड़े राज्यव्यापी जागरूकता अभियान की शुरूआत की। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य राज्य में प्रतिबंधित मादक पदार्थों के सेवन, इसकी अवैध तस्करी और इससे होने वाले भयानक दुष्प्रभावों के प्रति आम जनता को सचेत व जागरूक करना है। इस खास अवसर पर मुख्यमंत्री ने झारखंड मंत्रालय (प्रोजेक्ट भवन) परिसर से जन जागरूकता फैलाने वाले विशेष प्रचार-प्रसार वाहनों को हरी झंडी दिखाकर राज्य के सभी जिलों के लिए रवाना किया। ये वाहन गांव-गांव और शहर-शहर जाकर युवाओं को नशे की लत के खिलाफ जागरूक करेंगे।

अधिकारियों और उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि नशीले और प्रतिबंधित पदार्थों का सेवन मनुष्य के स्वास्थ्य पर बहुत ही बुरा असर डालता है। उन्होंने जोर देकर कहा, नशा किसी भी व्यक्ति के शारीरिक, मानसिक, आर्थिक और सामाजिक जीवन को पूरी तरह से बर्बाद कर देता है। यह न केवल नशा करने वाले इंसान को बीमार बनाता है, बल्कि उसके पूरे हंसते-खेलते परिवार और समाज को भी गहरे संकट में धकेल देता है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार इस गंभीर समस्या से निपटने के लिए हर संभव कदम उठा रही है, लेकिन इस लड़ाई में सफलता तभी मिलेगी जब पूरा समाज एकजुट होकर आगे आएगा।

झारखंड मंत्रालय परिसर में आयोजित इस गरिमापूर्ण कार्यक्रम के दौरान राज्य के स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. इरफान अंसारी, मुख्य सचिव अविनाश कुमार, गृह विभाग की अपर मुख्य सचिव वंदना दादेल और पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) तदाशा मिश्रा सहित कई अन्य वरिष्ठ प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

सीएम ने विशेष प्रचार-प्रसार वाहनों को हरी झंडी दिखाकर राज्य के सभी जिलों के लिए किया रवाना

युवाओं को नशे की गिरफ्त से बचाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता

मुख्यमंत्री ने राज्य के नागरिकों, विशेषकर युवा पीढ़ी से भावुक अपील करते हुए कहा कि आज के समय में युवाओं को नशे के जाल से सुरक्षित निकालना राज्य सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकताओं में से एक है। मादक पदार्थों का बढ़ता चलन किसी भी परिवार, समाज और पूरे राज्य की प्रगति के रास्ते में एक बहुत बड़ी और गंभीर चुनौती है। सरकार नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार और इसकी तस्करी करने वालों के खिलाफ पूरी सख्ती से अंकुश लगाने के लिए लगातार बड़े अभियान चला रही है। उन्होंने जनता से अपील की कि वे खुद भी नशे से पूरी तरह दूर रहें और अपने परिवार, दोस्तों व आस-पास के लोगों को भी इसके प्रति लगातार जागरूक करते रहें ताकि सभी एक स्वस्थ और सकारात्मक जीवन शैली अपना सकें।

सीआईडी के बाद अब ईडी के शिकंजे में अभिषेक बनर्जी

सीजीओ कॉम्प्लेक्स में मैराथन पूछताछ

एजेंसी

कोलकाता : पश्चिम बंगाल के बहुचर्चित प्राथमिक स्कूल भर्ती घोटाले में तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और डायमंड हार्बर से सांसद अभिषेक बनर्जी की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। फर्जी हस्ताक्षर के एक मामले में पश्चिम बंगाल सीआईडी द्वारा लंबी पूछताछ किए जाने के ठीक अगले ही दिन प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने उन्हें अपनी जांच के दायरे में ले लिया है। सोमवार को कथित 'नौकरी के बदले कैश' मामले से जुड़ी मनी लॉन्ड्रिंग जांच के सिलसिले में केंद्रीय एजेंसी ने अभिषेक बनर्जी को तलब किया, जिसके बाद वे सुबह करीब 11 बजे कोलकाता के साल्ट लेक स्थित सीजीओ कॉम्प्लेक्स में ईडी कार्यालय पहुंचे। कार्यालय में प्रवेश करते समय उन्होंने मीडिया के सामने किसी भी तरह की टिप्पणी करने से परहेज किया।

ईडी के वरिष्ठ सूत्रों के मुताबिक, जांच अधिकारियों ने अभिषेक बनर्जी से पूछताछ के लिए पहले से ही दो दर्जन से अधिक सवालों की एक विस्तृत सूची तैयार कर रखी थी। इस पूरी पूछताछ प्रक्रिया की पारदर्शिता बनाए रखने के लिए इसकी वीडियो रिकॉर्डिंग भी की जा रही है। जांच एजेंसी का मुख्य फोकस इस कथित घोटाले में हुए वित्तीय लेन-देन की पूरी कड़ियों को जोड़ने पर है। अधिकारी यह

पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि अपराध से अर्जित काले धन का प्रबंधन किसने किया, उसे किन-किन बैंक खातों और मुखौटा संस्थाओं के माध्यम से ट्रांसफर किया गया, और क्या इसके वास्तविक स्रोत को छिपाने के लिए लेन-देन की कई लेयर्स तैयार की गई थीं।

केंद्रीय जांचकर्ता इस मामले में अभिषेक बनर्जी का सामना पहले से जब्त किए गए वित्तीय दस्तावेजों, डिजिटल रिकॉर्ड और मामले के अन्य आरोपियों के बयानों से करवा रहे हैं। ईडी अधिकारियों का कहना है कि पूर्व में प्रस्तुत की गई जानकारी और हालिया तलाशियों के दौरान बरामद नई सामग्रियों के बीच कुछ महत्वपूर्ण विसंगतियां पाई गई हैं, जिन पर तृणमूल नेता से स्पष्टीकरण मांगा जा रहा है। इसके अलावा, फॉरेंसिक विश्लेषण में सामने आए संदिग्ध बिचौलियों और लाभार्थी संस्थाओं की भूमिका को लेकर भी बैंक व संचार डेटा के आधार पर तीखे सवाल पूछे जा रहे हैं।

भारत-स्लोवाकिया संबंधों को मिला व्यापक साझेदारी का दर्जा, दोनों देशों के बीच हुए 11 महत्वपूर्ण समझौते

एजेंसी

नयी दिल्ली : भारत और स्लोवाकिया ने आपसी कूटनीतिक और रणनीतिक रिश्तों को एक नए मुकाम पर ले जाते हुए अपने संबंधों को व्यापक साझेदारी (कंप्रिहेंसिव पार्टनरशिप) का दर्जा देने का ऐतिहासिक फैसला किया है। इसके साथ ही दोनों देशों ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर आतंकवाद के खिलाफ मिलकर लड़ने के लिए एक 'आतंकवाद-विरोधी संयुक्त कार्य समूह' और 'वाणिज्य दूतावास संवाद' की स्थापना करने

की भी बड़ी घोषणा की है। स्लोवाकिया की राजधानी ब्रातिस्लावा में आयोजित इस उच्चस्तरीय बैठक के दौरान दोनों देशों के बीच विभिन्न क्षेत्रों के विकास से जुड़े 11 समझौता ज्ञापनों (एमओयू) और आशय पत्रों पर हस्ताक्षर किए गए।

दोनों देशों द्वारा हस्ताक्षरित इन समझौतों में रक्षा क्षेत्र में सहयोग को बढ़ावा देने वाला एक विशेष आशय पत्र शामिल है। इसके अलावा शिक्षा और तकनीक के क्षेत्र में एक बड़ा कदम उठाते हुए स्लोवाकिया के कोसिसे तकनीकी विश्वविद्यालय में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के क्षेत्र में आईसीसीआर (आईसीसीआर) की पहली चेयर स्थापित करने का निर्णय लिया गया है। दोनों देशों ने श्रम प्रवासन, पर्यटन, विज्ञान, डिजिटल प्रौद्योगिकी, उच्च शिक्षा, अनुसंधान, ऑडियो-विजुअल निर्माण, क्वांटम संचार, महत्वपूर्ण अवसंरचना संरक्षण, प्राकृतिक चिकित्सा और आयुष सहित छात्र विनिमय कार्यक्रमों व छात्रवृत्तियों को बढ़ावा देने के लिए भी कई महत्वपूर्ण समझौतों पर मुहर लगाई है।

झारखंड के सबसे युवा महाधिवक्ता रोहितश्य रॉय ने संभाला पदभार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड के कानूनी और न्यायिक गलियारों में सोमवार को एक बड़ा और ऐतिहासिक बदलाव देखने को मिला। झारखंड हाईकोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता रोहितश्य रॉय ने राज्य के नए महाधिवक्ता के रूप में अपना पदभार ग्रहण कर लिया है। कार्यभार संभालते ही उनके नाम एक बड़ा रिकॉर्ड भी दर्ज हो गया है। महज 45

वर्ष की आयु में इस विधिक पद पर पहुंचने वाले रोहितश्य रॉय झारखंड के इतिहास में अब तक के सबसे युवा महाधिवक्ता बन गए हैं।

एडिशनल एडवोकेट जनरल सचिन कुमार ने भी छोड़ा पद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड के कानूनी और प्रशासनिक गलियारों से इस वक्त की बड़ी खबर आ रही है, जहां राज्य के एडिशनल एडवोकेट जनरल (अपर महाधिवक्ता) सचिन कुमार ने सोमवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने अपना त्यागपत्र नवनियुक्त महाधिवक्ता रोहितश्य रॉय को सौंपते हुए इस फैसले के

पीछे व्यक्तिगत कारणों का हवाला दिया है।

सीएम ने किया डिस्ट्रिक्ट सैंडबॉक्स पहल का शुभारंभ, कहा

आदिवासी इलाकों तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : भारतीय विकास ट्रस्ट (बीवीटी) ने पीएचआईए फाउंडेशन के सहयोग से रांची स्थित होटल बी.एन.आर. चाणक्य में मेडटेक इनोवेशन डे का गरिमामय आयोजन किया। इस विशेष अवसर पर मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने रिमोट का बटन दबाकर डिस्ट्रिक्ट सैंडबॉक्सपहल का विधिवत शुभारंभ किया। यह महत्वाकांक्षी पहल स्वास्थ्य क्षेत्र में नई तकनीकों और अत्याधुनिक नवाचारों के व्यावहारिक परीक्षण, मूल्यांकन तथा व्यापक उपयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुरू की गई है।

भारतीय विकास ट्रस्ट (बीवीटी) और पीएचआईए फाउंडेशन द्वारा संचालित यह डिस्ट्रिक्ट सैंडबॉक्स इनोवेटर्स को वास्तविक सार्वजनिक स्वास्थ्य परिस्थितियों में अपनी चिकित्सा तकनीकों का परीक्षण करने का एक बेहतरीन अवसर प्रदान करेगा। इससे जमीनी स्तर पर ऐसे समाधानों के वास्तविक प्रभाव का सटीक आकलन किया जा सकेगा और

उनके व्यापक व्यावसायिक उपयोग का मार्ग प्रशस्त होगा। इस अनूठी पहल का मुख्य उद्देश्य झारखंड के स्वास्थ्य नवाचार इकोसिस्टम को मजबूत बनाना और विशेष रूप से राज्य के ग्रामीण, जनजातीय तथा वंचित समुदायों के स्वास्थ्य परिणामों में क्रांतिकारी सुधार लाना है।

उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कहा, झारखंड इनोवेटर्स के लिए अपार संभावनाएँ प्रस्तुत करता है, जहां वे स्थानीय जरूरतों और परिस्थितियों के अनुरूप व्यावहारिक समाधान विकसित कर सकते हैं। स्वास्थ्य क्षेत्र आज पूरी दुनिया के लिए एक बड़ी चुनौती है और झारखंड जैसी अनूठी भौगोलिक व सामाजिक परिस्थितियों वाले राज्य में आधुनिक तकनीक और नवाचार की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। राज्य के दूरदराज और आदिवासी इलाकों तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि भविष्य की स्वास्थ्य व्यवस्था पूरी तरह तकनीक-आधारित होगी, जिसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), बायो-इंजीनियरिंग और रियल-टाइम डेटा का उपयोग बढ़ेगा। उन्होंने स्टार्टअप्स व शोधकताओं को राज्य सरकार की ओर से हर संभव सहयोग का भरोसा दिया।

ईरान-अमेरिका में समझौता, शुक्रवार को स्विट्जरलैंड में होगा हस्ताक्षर, खुलेगा होर्मुज

एजेंसी

वाशिंगटन : अमेरिका और ईरान के बीच एक ऐतिहासिक शांति समझौते पर सहमति बन गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस बड़ी कूटनीतिक सफलता की घोषणा करते हुए बताया कि अमेरिका ने ईरानी बंदरगाहों से अपनी नौसैनिक नाकाबंदी पूरी तरह हटा ली है। आगामी शुक्रवार को इस समझौते पर औपचारिक हस्ताक्षर होने के बाद रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य फिर से पूरी तरह खुल जाएगा। हालांकि, राष्ट्रपति ट्रंप ने यह भी स्पष्ट किया कि समझौते का पूरा विस्तृत मसौदा अभी सार्वजनिक नहीं किया गया है।

सीएनएन, अल जजीरा और गल्फ न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, इस समझौते को अमलीजामा पहनाने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तैयारियां तेज हो गई हैं:

तारीख और स्थान: पाकिस्तान के विदेश मंत्री मोहम्मद इशाक डार ने पुष्टि की है कि अमेरिका और ईरान के बीच इस शांति समझौते पर औपचारिक हस्ताक्षर शुक्रवार, 19 जून को स्विट्जरलैंड के जिनेवा शहर में होंगे।

मध्यस्थ देशों की भूमिका: विदेश मंत्री डार ने इस ऐतिहासिक सहमति तक पहुंचने में पर्दे के पीछे से मदद

करने और दोनों पक्षों को मनाने के प्रयासों के लिए सऊदी अरब, कतर और तुर्किये जैसे मित्र देशों का विशेष आभार व्यक्त किया है।

टोल-फ्री होर्मुज: राष्ट्रपति ट्रंप ने एक महत्वपूर्ण टिप्पणी में कहा कि यह ऐतिहासिक समझौता यह सुनिश्चित करेगा कि भविष्य में होर्मुज जलडमरूमध्य हमेशा के लिए टोल-फ्री रहे, जिससे वैश्विक व्यापार और तेल आपूर्ति सुचारू रूप से चलती रहे।

परमाणु कार्यक्रम और रोकी गई धनराशि पर मतभेद बरकरार

भले ही दोनों देश नाकाबंदी हटाने और होर्मुज को खोलने पर सहमत हो गए हों, लेकिन भविष्य के कदमों को लेकर अमेरिका और ईरान के दावों में बड़ा विरोधाभास और मतभेद दिखाई दे रहा है।

ईरान के उप विदेशमंत्री ने स्पष्ट रुख अपनाते हुए कहा है कि उनके परमाणु कार्यक्रम पर आगे की बातचीत तभी शुरू होगी, जब अमेरिका द्वारा फ्रीज (जब्त) की गई ईरान की अरबों डॉलर की धनराशि को जारी किया जाएगा।

दूसरी ओर, एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी ने ईरान के इस दावे को सिरे से खारिज कर दिया है, जिससे साफ है कि परमाणु कार्यक्रम और वित्तीय लेन-देन का पेच अभी भी पूरी तरह अनसुलझा है।

इस अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रम पर इजराइल ने बेहद आक्रामक और सख्त रुख अख्तियार किया है। इजराइल ने अमेरिका-ईरान शांति समझौते पर अपनी गहरी असहमति जताते हुए साफ कहा कि यह समझौता इजराइल के लिए किसी भी रूप में बाध्यकारी नहीं है।

इजराइली नेतृत्व ने जोर देकर कहा कि वे लेबनान में सक्रिय आतंकी संगठन हिज्बुल्लाह से पैदा होने वाले खतरों को जड़ से खत्म करने के अपने संकल्प के साथ कोई भी समझौता स्वीकार नहीं करेंगे।

इसके उलट, राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि इस समझौते के लिए इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को वास्तव में अमेरिका का आभारी होना चाहिए।

ट्रंप के 80वें जन्मदिन पर हुआ एलान

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने 80वें जन्मदिन के अवसर पर अमेरिका में इस ऐतिहासिक ईरान समझौते का एलान किया। इस बड़ी घोषणा के कुछ ही घंटों बाद उन्होंने देश की 250वीं वर्षगांठ के जश्न के सिलसिले में व्हाइट हाउस में एक यूएफसी इवेंट की मेजबानी भी की। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, इस घोषणा के समय का विशेष ध्यान रखा गया था, क्योंकि तेहरान नहीं चाहता था कि यह एलान ईरान में आधी रात के बाद हो।

एक नजर

रजरप्पा में स्वास्थ्य सुविधा को लेकर उठी बड़ी मांग, 24 घंटे एम्बुलेंस की जरूरत

रजरप्पा : विश्व प्रसिद्ध मां छिन्नमस्तिका मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर 24 घंटे एम्बुलेंस और मेडिकल टीम की तैनाती की मांग उठी है। सांसद मनीष जायसवाल के मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी ने यह मांग भीषण गर्मी और बढ़ती भीड़ को देखते हुए की है। उन्होंने कहा कि गर्मी के कारण कई श्रद्धालु बीमार पड़ रहे हैं और बेहोश होने की घटनाएं भी सामने आई हैं। ऐसे में मौके पर त्वरित चिकित्सा सुविधा बेहद जरूरी है। उन्होंने रामगढ़ उपायुक्त से मंदिर परिसर में स्थायी एम्बुलेंस, डॉक्टर और मेडिकल स्टाफ की व्यवस्था करने की अपील की है, ताकि आपात स्थिति में तुरंत इलाज मिल सके। मां छिन्नमस्तिका मंदिर में प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु पहुंचते हैं, ऐसे में स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत करना समय की आवश्यकता बताया जा रहा है।

विधिक जागरूकता शिविर में महिलाओं के अधिकारों पर दी गई जानकारी

कोडरमा : झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार के निर्देश पर सोमवार को मरकच्चो प्रखंड की देवीपुर पंचायत भवन में एक दिवसीय विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह-अध्यक्ष रमाकान्त मिश्रा के मार्गदर्शन में यह शिविर महिलाओं के विरुद्ध अपराध को रोकने के लिए चलाए जा रहे 90 दिवसीय गहन जागरूकता अभियान के तहत आयोजित हुआ। शिविर में मुख्य अतिथि गौतम कुमार ने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देना, उनके अधिकारों की रक्षा करना और समाज के अंतिम व्यक्ति तक नि:शुल्क न्याय पहुंचाना है। वहीं एलएडीसीएस के अधिवक्ता नवल किशोर ने लोगों को बाल विवाह, डायन बिसाही जैसी कुरीतियों के खिलाफ जागरूक करते हुए सरकारी योजनाओं, बाल अधिकारों और साइबर अपराध से बचाव की जानकारी दी। इस दौरान भीषण गर्मी को देखते हुए प्राधिकार की ओर से जरूरतमंदों के बीच ओआरएस (डफ्र) पैकेट और जागरूकता पम्पलेट बांटे गए। मौके पर पीएलवी दिवाकर रौशन, पिंकी देवी, मुकेश प्रसाद सहित सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित थे।

दादी की हत्या मामले में दो पोता गिरफ्तार

खूंटी : रनिया थाना क्षेत्र के बांगुरकुलम झोराटोली में दो पोतों ने 69 वर्षीय वृद्धा (दादी) पुटकी देवी की हत्या कर उनके शव को प्लास्टिक के बोरे में भरकर कोयल नदी किनारे झाड़ियों में छिपा दिया। पुलिस ने मामले में मृतका के दो पोतों सोनू झोरा और जतरू झोरा को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। स्थानीय लोगों से मिली जानकारी के अनुसार, घटना 12 जून की शाम करीब सात बजे की है। उस दिन हाटिंगहोड़े में साप्ताहिक हाट लगी थी, जहां पुटकी देवी का बेटा और बहू गए हुए थे। इसी दौरान घर के आंगन में पुटकी देवी और उनके दोनों पोतों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया। पुलिस के अनुसार, विवाद बढ़ने पर दोनों पोतों ने वृद्धा को धक्का दे दिया, जिससे उनके माथे में गंभीर चोट लग गई। अधिक रक्तस्राव होने के कारण उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद दोनों आरोपितों ने शव को प्लास्टिक के बोरे में भरकर कोयल नदी किनारे गुलर के पेड़ के नीचे झाड़ियों में छिपा दिया और घर के आंगन में गिरे खून के निशानों को मिटाने के लिए गोबर से लीप दिया गया। देर शाम जब पुटकी देवी का बेटा और बहू हाट से लौटे तो वृद्धा घर में नहीं मिलीं। आंगन में खून के निशान तथा उसे गोबर से ढंकने के प्रयास को देखकर उन्हें अनहोनी की आशंका हुई।

राशन वितरण में गड़बड़ी पर सख्त हुआ प्रशासन उपायुक्त ने दिए नियमित निरीक्षण के निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : जिले में सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) को अधिक पारदर्शी, प्रभावी और जनोन्मुखी बनाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। इसी क्रम में उपायुक्त ऋतुराज की अध्यक्षता में समाहरणालय सभाकक्ष में जिला आपूर्ति विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में खाद्यान्न वितरण, लाभुकों की स्थिति, पीडीएस दुकानों की कार्यप्रणाली तथा विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक में जिला आपूर्ति पदाधिकारी निशा कुमारी ने विभागीय योजनाओं, खाद्यान्न वितरण व्यवस्था तथा पूर्व में दिए गए निर्देशों के अनुपालन की जानकारी प्रस्तुत की। उपायुक्त ने कहा कि आम जनता तक सरकारी योजनाओं का लाभ समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से पहुंचाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने सभी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारियों (बीएसओ) को निर्देश दिया कि वे प्रत्येक माह अपने क्षेत्र की जन वितरण प्रणाली दुकानों का भौतिक निरीक्षण करें। साथ ही गोदामों एवं पैक्स का भी नियमित निरीक्षण कर विस्तृत प्रतिवेदन उपलब्ध कराएं, ताकि वितरण व्यवस्था में किसी प्रकार की अनियमितता न रहे।

उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि खराब प्रदर्शन करने वाले अथवा नियमों की अवहेलना करने वाले पीडीएस संचालकों को चिन्हित कर उनके विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) एवं झारखंड राज्य खाद्य सुरक्षा योजना (जेएसएफएसएस) की प्रभावी मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया।

समीक्षा के दौरान लंबे समय से राशन नहीं उठाने वाले कार्डधारियों के मामलों पर भी चर्चा हुई। उपायुक्त ने ऐसे लाभुकों को नोटिस जारी करने तथा संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर उनके राशन कार्ड निरस्त करने का निर्देश दिया। साथ ही प्रतीक्षा सूची में शामिल पात्र परिवारों को योजना का लाभ देने की प्रक्रिया तेज करने को कहा गया।

बैठक में सोना सोबरन धोती-साड़ी वितरण योजना की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने छूटे हुए लाभुकों तक शीघ्र लाभ पहुंचाने के निर्देश दिए। इसके अलावा वित्तीय वर्ष 2025-26 की धान अधिप्राप्ति, पैक्स के माध्यम से धान उठाव तथा किसानों को भुगतान की स्थिति की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए।

बैठक में अपर समाहर्ता मनिद्र भगत, सभी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी तथा जिला आपूर्ति कार्यालय के अन्य अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे।

'प्रहरी' अभियान का सख्त पहरा रामगढ़ पुलिस की व्यापक जांच मुहिम

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : जिले में अपराध नियंत्रण और विधि-व्यवस्था को मजबूत करने के लिए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर सोमवार को रामगढ़ पुलिस ने 'प्रहरी' अभियान के तहत विशेष एंटी क्राइम चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान जिले के सभी थाना और ओपी क्षेत्रों में संवेदनशील स्थानों, मुख्य मार्गों और चौक-चौराहों पर सघन जांच की गई।

अभियान के दौरान पुलिस ने संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की गहन जांच की तथा कई स्थानों पर पूछताछ भी की। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि अवैध गतिविधियों और नियमों के उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

रामगढ़ पुलिस ने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य अपराध पर अंकुश लगाना और आम जनता में सुरक्षा की भावना को मजबूत करना है। ऐसे अभियान आगे भी नियमित रूप से जारी रहेंगे।

मौत के मुहानों पर चला बुलडोजर गैस त्रासदी के बाद जागा प्रशासन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : चपरी काजू बागान स्थित बंद भूमिगत माइंस में जहरीली गैस रिसाव से चार युवकों की दर्दनाक मौत के बाद प्रशासन और सीसीएल प्रबंधन ने अवैध खनन के खिलाफ बड़ा अभियान शुरू कर दिया है। सोमवार को संयुक्त कार्रवाई करते हुए बंद खदान क्षेत्र में संचालित दो अवैध कोयला खनन मुहानों को बुलडोजर चलाकर पूरी तरह ध्वस्त कर दिया गया। इस कार्रवाई को क्षेत्र में अवैध खनन पर अंकुश लगाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

हाल ही में बंद माइंस क्षेत्र में जहरीली गैस के प्रभाव से चार युवकों की मौत ने पूरे इलाके को झकझोर दिया था। घटना के बाद प्रशासनिक महकमे और सीसीएल प्रबंधन की कार्यशैली पर भी सवाल उठे थे। इसी के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के उद्देश्य से विशेष अभियान चलाया गया।

अभियान के दौरान सीसीएल सुरक्षा विभाग, सिरका-अरगड्डा प्रबंधन, माइनिंग विभाग तथा वन विभाग की संयुक्त टीम मौके पर मौजूद रही। अधिकारियों की निगरानी में अवैध खनन स्थलों की डोजरिंग कर सभी प्रवेश मार्गों और मुहानों को पूरी तरह बंद कर दिया गया। कार्रवाई के दौरान पूरे क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था भी कड़ी रखी गई।

अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि बंद खदान क्षेत्रों में अवैध प्रवेश, कोयला उत्खनन और असुरक्षित गतिविधियों को किसी भी परिस्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसे क्षेत्रों की नियमित निगरानी की जाएगी और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कानूनी कार्रवाई होगी।

दिव्यांग बच्चों के लिए 24 जून तक चलेगा विशेष नामांकन अभियान : उपायुक्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : जिला प्रशासन कोडरमा ने जिले के दिव्यांग बच्चों को शिक्षा के अधिकार से जोड़ने के लिए एक बड़ी पहल की है। समाहरणालय सभागार में आयोजित एक उच्च स्तरीय जिला स्तरीय बैठक में उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता ने सख्त निर्देश देते हुए कहा कि जिले का कोई भी दिव्यांग बच्चा विद्यालयी शिक्षा से वंचित नहीं रहना चाहिए। इसके लिए आगामी 15 जून 2026 से 24 जून 2026 तक पूरे जिले में विशेष नामांकन अभियान चलाया जाएगा।

इस अभियान के तहत शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए सभी दिव्यांग बच्चों का शत-प्रतिशत दाखिला सुनिश्चित करने का लक्ष्य रखा गया है। बैठक के दौरान उपायुक्त ने सभी सरकारी और निजी शिक्षण संस्थानों को कड़ा संदेश दिया कि कोई भी विद्यालय किसी बच्चे को उसकी दिव्यांगता का हवाला देकर प्रवेश देने से इंकार नहीं कर सकता है।

उन्होंने कहा कि हमारा मुख्य उद्देश्य हर बच्चे को आत्मनिर्भर बनाना और शिक्षा की मुख्यधारा में लाना है। इसके लिए अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि समाज और अभिभावकों के बीच दिव्यांगता को लेकर फैली भ्रांतियों और हिचक को दूर करने के लिए विशेष जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाएं, ताकि अभिभावक बिना किसी संकोच के अपने बच्चों का दाखिला करा सकें।

इस अभियान को पूरी तरह सफल और पारदर्शी बनाने के लिए 'डहर पोर्टल' की मदद ली जाएगी। विद्यालयों को निर्देश दिया गया है कि वे अपने पोषक क्षेत्र में पोर्टल के माध्यम से किए गए 'शिशु पंजी सर्वेक्षण' के आंकड़ों का मिलान करें और सर्वे में चिन्हित विद्यालय से बाहर के बच्चों का तुरंत नामांकन कराएं। इसके साथ ही, जो बच्चे इस सर्वेक्षण में शामिल होने से छूट गए हैं, उनकी भी अलग से पहचान कर सूची बनाई जाएगी और नजदीकी स्कूल में उनका दाखिला सुनिश्चित किया जाएगा।

सोमवती अमावस्या पर सुहागिनों ने पीपल वृक्ष की परिक्रमा कर मांगी अखंड सौभाग्य की कामना

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

झुमरी तिलैया : झुमरी तिलैया स्थित देवी मंडप के प्रांगण में सोमवती अमावस्या पर श्रद्धा और आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिला। सुबह से ही सुहागिन महिलाओं की भीड़ पीपल वृक्ष के नीचे जुटी रही।महिलाओं ने विधि-विधान से पूजा अर्चना कर पीपल वृक्ष की 108 परिक्रमा लगाई इसके साथ ही अपने पति और पुत्रों की दीघार्यु, सुख-समृद्धि एवं परिवार के कल्याण की कामना की। इस दौरान देवी मंडप के मुख्य पुजारी आचार्य कृष्ण मुरारी पाण्डेय ने कहा कि सोमवती अमावस्या के दिन पीपल पेड़ की पूजा का विशेष महत्त्व है, वहीं सोमवती अमावस्या और अधिकमास का संयोग अत्यंत पुण्यदायी माना जाता है, धार्मिक मान्यताओं के अनुसार माना जाता है कि इस दिन व्रत और पूजा करने से भगवान विष्णु, माता लक्ष्मी और भगवान शिव की कृपा प्राप्त होती है। इससे परिवार में सुख, समृद्धि और वैभव का वास होता है। वहीं मौके पर कृष्ण मुरारी पाण्डेय,बरुण पाण्डेय, लक्ष्मी कांत पाण्डेय, छोटेलाल पाण्डेय, आशीष पाण्डेय, धनंजय पाण्डेय, ऋषि कांत पाण्डेय समेत सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु भी मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

देवरिया में मंडा महोत्सव ने रचा भक्ति और संस्कृति का अनुपम संगम

रामगढ़ : भदानीनगर क्षेत्र के देवरिया बस्ती में भगवान शिव और माता पार्वती के प्रति अटूट श्रद्धा का प्रतीक मंडा पर्व पूरे धार्मिक उत्साह, पारंपरिक रीति-रिवाजों और सांस्कृतिक उल्लास के साथ संपन्न हुआ। तीन दिनों तक चले इस आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर भक्ति और लोक संस्कृति का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया। पर्व के दौरान शिवभक्तों ने लगातार तीन दिनों तक शिवालय में भगवान भोलेनाथ और माता पार्वती की विधिवत पूजा-अर्चना की। पूरे क्षेत्र में भक्तिमय वातावरण बना रहा और श्रद्धालुओं की आस्था देखते ही बन रही थी। रविवार तड़के नदी स्नान के बाद विशेष अनुष्ठान आयोजित किया गया, जिसमें 90 भोक्ता और 92 सोकताइन ने अग्नि पूजन के उपरांत नंगे पांव दहकते अंगारों पर चलकर अपनी अटूट श्रद्धा और विश्वास का परिचय दिया। यह दृश्य उपस्थित श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण और आस्था का केंद्र बना रहा। शनिवार रात्रि में पश्चिम बंगाल के पुरुलिया से आए छऊ नृत्य कलाकारों ने अपनी मनमोहक प्रस्तुति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कलाकारों ने देवी-देवताओं के पारंपरिक मुखौटे धारण कर रामायण और महाभारत की विभिन्न लीलाओं का जीवंत मंचन किया, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा। मंडा पूजा का उद्घाटन बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी ने किया। उन्होंने इस आयोजन को क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत और धार्मिक परंपराओं को जीवंत रखने वाला महत्वपूर्ण पर्व बताया।

बागीटांड़ स्टेडियम में खिलाड़ियों ने लिया संकल्प- नशे को ना, खेल को हाँ

कोडरमा : नशा मुक्ति जागरूकता अभियान के तहत सोमवार को बागीटांड़ स्टेडियम में खेल गतिविधियों के जरिए युवाओं को जागरूक किया गया। इस अवसर पर जिम, बैडमिंटन व अन्य खेलों से जुड़े खिलाड़ियों के बीच एक रस्सा-कशी प्रतियोगिता कराई गई, जिसमें सबने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में खिलाड़ियों को नशे के शारीरिक व मानसिक दुष्प्रभावों की जानकारी देकर स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और खेलों से जुड़े रहने के लिए प्रेरित किया गया। अंत में सभी प्रतिभागियों ने सामूहिक रूप से नशे को ना, खेल को हाँ का संकल्प लिया। इस आयोजन को सफल बनाने में जिला खेल समन्वयक अशोक कुमार तुरी और जिम प्रशिक्षक पुलकित साहु की मुख्य भूमिका रही।

कोडरमा के कॉलेजों को विनोबा भावे विश्वविद्यालय में ही रखने की मांग

कोडरमा : चंद्रवंशी विकास मंच कोडरमा की मासिक बैठक रविवार को कमिटी सदस्य दीपक कुमार सिंह के आवास पर मुख्य संरक्षक रामेश्वर राम रवानी, उमेश राम, बीरेंद्र राम, जय प्रकाश राम, ओम प्रकाश राम की उपस्थिति में अध्यक्ष दीपक कुमार नवीन की अध्यक्षता एवं सचिव महेश भारती के संचालन में संपन्न हुई। बैठक में सर्व प्रथम सभी सदस्य एक साथ राष्ट्रगान से शुरू किया गया। वही बैठक में उपस्थित सदस्यों ने चिंता जाहिर करते हुए कहा कि कोडरमा जिला के एक मात्र अंगीभूत जे जे कॉलेज सहित अन्य डिग्री कॉलेज को विनोबा भावे विश्वविद्यालय हजारीबाग से हटा कर सर जेसी बॉस विश्वविद्यालय गिरिडीह में भेजे जाने का झारखंड सरकार का निर्णय दुर्भाग्यपूर्ण एवं जिले वासियों के साथ अन्याय है।इससे भी बड़ी दुर्भाग्यपूर्ण है कि स्थानीय जनप्रतिनिधि की भी मंशा जनभावना के प्रति नाकारात्मक है जिससे आम जनता में भी भारी आक्रोश है। जिला में छात्र छात्राओं पर आए भारी संकट जिससे उच्च शिक्षा से वंचित एवं अविभावकों पर थोपे गए आर्थिक बोझ के खिलाफ जे जे कॉलेज बचाओ संघर्ष समिति कोडरमा के द्वारा चलाए जा रहे आंदोलन का चंद्रवंशी विकास मंच कोडरमा समर्थन करती है। ओर सरकार से मांग करती है कि जनहित के साथ ही छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की रक्षा के लिए जे जे कॉलेज सहित कोडरमा जिले के तमाम डिग्री कॉलेज को विनोबा भावे विश्वविद्यालय में ही रहने दिया जाय। साथ ही बैठक में कोडरमा में अर्धनिर्मित बाउंड्री वाल को पूर्ण करते हुए भवन निर्माण करने पर जोर दिया गया। बैठक में राजेंद्र वर्मा, मनोज कुमार, अरुण राम, प्रकाश राम, मनोज राम, पवन कुमार, मुकेश कुमार, विजय राम आदि सदस्यों ने भाग लिया।

कोडरमा में नशा मुक्ति जागरूकता अभियान शुरू, उपायुक्त ने रथ को दिखाई हरी झंडी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : राज्य सरकार के निदेर्शानुसार कोडरमा जिले को नशामुक्त बनाने और युवाओं को मादक पदार्थों के चंगुल से बचाने के लिए एक बड़े जागरूकता अभियान का आगाज किया गया है। सोमवार को समाहरणालय परिसर से उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता, उप विकास आयुक्त रवि जैन, अपर समाहर्ता संजय पीएम कुजूर और अनुमंडल पदाधिकारी निर्मल सोरेन ने संयुक्त रूप से विशेष जागरूकता रथों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

जिले में यह विशेष नशा मुक्ति जागरूकता अभियान 15 जून से 26 जून 2026 तक चलाया जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य आम लोगों, खासकर युवाओं को नशे के गंभीर दुष्परिणामों के प्रति सचेत करना और इस लड़ाई में आम जनता की भागीदारी सुनिश्चित करना है। इस मौके पर उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता ने कहा कि नशापान एक गंभीर सामाजिक चुनौती है, जो न सिर्फ व्यक्ति के स्वास्थ्य को बर्बाद करती है, बल्कि पूरे परिवार को आर्थिक, सामाजिक और मानसिक संकट में धकेल देती है। युवाओं को इससे दूर रखना हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे नशे से दूर रहकर शिक्षा, खेलकूद और रचनात्मक गतिविधियों में अपनी ऊर्जा लगाएं और सभी नागरिकों से इस अभियान को एक 'जनआंदोलन' का रूप देने का आह्वान किया।

अभियान के तहत रवाना किए गए तीन विशेष जागरूकता रथ जिले के सभी प्रखंडों, पंचायतों, शहरी क्षेत्रों और स्कूलों-कॉलेजों का भ्रमण करेंगे। 26 जून तक ये रथ हर पंचायत तक पहुंचेंगे और इनके माध्यम से ऑडियो संदेश, प्रचार सामग्री और जनसंवाद के जरिए लोगों को नशे के स्वास्थ्य जोखिमों और नशामुक्त जीवन के फायदों की विस्तृत जानकारी दी जाएगी। इस कार्यक्रम के शुभारंभ के दौरान सहायक निदेशक (सामाजिक सुरक्षा) नीतीश कुमार निशांत, जिला योजना पदाधिकारी अनूप कुजूर, जिला सूचना एवं विज्ञान पदाधिकारी सुभाष यादव और सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश मेहता सहित समाहरणालय के कई अन्य कर्मी और गणमान्य लोग उपस्थित थे।

बीएफसीएल में सुरक्षा का नया अध्याय जीवनरक्षक प्रशिक्षण से मजबूत बन रहे कर्मचारी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : बिहार फाउंड्री एंड कास्टिंग लिमिटेड (बीएफसीएल) के कार्यस्थल सुरक्षा को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में एक सराहनीय पहल की गई है। कंपनी के एनवायरनमेंटल हेल्थ एंड सेफ्टी विभाग द्वारा कर्मचारियों के लिए विशेष फर्स्ट एडर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित, प्रभावी और जीवनरक्षक सहायता प्रदान करने की क्षमता विकसित करना है।

यह विशेष प्रशिक्षण अभियान 10 जून 2026 से प्रारंभ हुआ है और लगभग एक माह तक चरणबद्ध तरीके से संचालित किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विभागों के कर्मचारियों को दुर्घटना या आकस्मिक स्थिति में प्राथमिक उपचार की आवश्यक तकनीकों से अवगत कराया जा रहा है।

प्रशिक्षण सत्रों में प्रतिभागियों को प्राथमिक चिकित्सा, आपात स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया, बेसिक लाइफ सपोर्ट और अन्य जीवनरक्षक प्रक्रियाओं की विस्तृत जानकारी दी जा रही है। विशेषज्ञ प्रशिक्षकों द्वारा न केवल सैद्धांतिक ज्ञान दिया जा रहा है, बल्कि व्यावहारिक अभ्यास भी कराया जा रहा है ताकि कर्मचारी वास्तविक परिस्थितियों में प्रभावी भूमिका निभा सकें।

कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को ऑक्यूपेशनल हेल्थ सेंटर का व्यावहारिक अनुभव भी कराया जा रहा है, जिससे वे चिकित्सा सहायता प्रक्रिया को बेहतर ढंग से समझ सकें। अधिकारियों के अनुसार, इस पहल से कर्मचारियों की आपातकालीन स्थितियों में प्रतिक्रिया क्षमता और आत्मविश्वास में उल्लेखनीय सुधार होगा।

कैबिनेट की बैठक में 25 अहम निर्णयों पर लगी मुहर

सड़क, सिंचाई, खनन और कर्मचारियों को मिली बड़ी सौगात

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन की अध्यक्षता में 15 जून को आयोजित मंत्रिपरिषद की बैठक में राज्य के विकास, बुनियादी ढांचे, कर्मचारियों, सिंचाई, खनन, वन एवं स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। कैबिनेट ने कुल 25 अहम निर्णयों पर मुहर लगाई।

नामकुम-डोरंडा सड़क चौड़ीकरण को मंजूरी

कैबिनेट ने नामकुम से डोरंडा पथ (एमडीआर-002) के 6.70 किलोमीटर लंबे चार लेन चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण कार्य के लिए 162.82 करोड़ रुपये की द्वितीय पुनरीक्षित प्रशासनिक स्वीकृति दी।

कर्मचारियों और पेंशनधारकों के लिए फैसले

राज्य सरकार के विभिन्न कार्यालयों में कार्यरत कंप्यूटर ऑपरेटरों के वेतनमान और संविदा राशि भुगतान को मंजूरी दी गई। सरकारी कर्मचारियों के लिए क्रेडिट सुविधाएं, अग्रिम वेतन, बीमा उत्पाद और अन्य मूल्यवर्धित सेवाओं को भी स्वीकृति मिली। सेवानिवृत्त अभियंता प्रमुख मुरारी भगत को उच्चतर प्रभारी पदों के अनुरूप वेतन एवं अन्य लाभ देने का निर्णय लिया गया।

झारनेट 2.0 परियोजना का विस्तार

Jharkhand State Wide Area Network (JharNet 2.0) परियोजना की अवधि 31 जुलाई 2026 तक बढ़ाई गई। इसके लिए 65.50 करोड़ रुपये खर्च की स्वीकृति भी दी गई।

पलामू की अमानत बराज योजना को बड़ी मंजूरी

पलामू जिले की अमानत बराज योजना के लिए 947.26 करोड़ रुपये के तृतीय पुनरीक्षित प्राक्कलन को प्रशासनिक स्वीकृति दी गई।

वन एवं पर्यावरण से जुड़े फैसले

धनबाद में एनएच-419 चौड़ीकरण परियोजना के लिए क्षतिपूरक वनरोपण हेतु 5.84 एकड़ भूमि वन विभाग को स्थायी हस्तांतरण की मंजूरी दी गई। साथ ही विभिन्न विभागों द्वारा क्षतिपूरक वनरोपण के लिए सरकारी भूमि के निःशुल्क स्थायी हस्तांतरण की शक्तियां उपायुक्तों को सौंपने का निर्णय लिया गया।

वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के कार्यों के क्रियान्वयन के लिए हाइब्रिड मॉडल (विभागीय, पीस वेजेज और ठेकेदार पद्धति) अपनाने को भी मंजूरी मिली।

जंगली जानवरों से नुकसान पर मुआवजा नियमों में संशोधन

राज्य में जंगली जानवरों द्वारा होने वाली क्षति के मामलों में मुआवजा भुगतान संबंधी आदेश में संशोधन को स्वीकृति दी गई।

खनन क्षेत्र में कई अहम मंजूरियां

बोकारो जिले के पर्वतपुर कोल ब्लॉक में 2174.52 एकड़ क्षेत्र के लिए कोयला खनन पट्टा स्वीकृत किया गया। चंदनकियारी अंचल के सीतानाला कोल ब्लॉक में भी कोयला खनन पट्टे को मंजूरी मिली। गोड्डा जिले के जीतपुर कोल ब्लॉक में 497.10 हेक्टेयर क्षेत्र के लिए एम/एस टेरी माइनिंग प्राइवेट लिमिटेड को खनन पट्टा स्वीकृत किया गया।

पूर्वी सिंहभूम जिले के हरियान, बारूनमूति, चडरीबुरू और गुड़ाबांधा एमराल्ड ब्लॉक को आरक्षित करने के लिए केंद्र सरकार की मंजूरी प्राप्त करने का निर्णय लिया गया।

महिला हेल्पलाइन 181 की सेवा जारी रहेगी

मिशन शक्ति (सम्बल) के तहत संचालित महिला हेल्पलाइन 181 की निर्बाध सेवा सुनिश्चित करने के लिए सेवा प्रदाता एजेंसी के अनुबंध विस्तार को मंजूरी दी गई।

गोड्डा और बोकारो में कर्मचारियों की सेवा नियमित

गोड्डा समाहरणालय एवं संबद्ध कार्यालयों में कार्यरत पांच कर्मियों तथा बोकारो समाहरणालय में कार्यरत दो कर्मियों की सेवा नियमितीकरण को मंजूरी दी गई।

बांध सुरक्षा और सिंचाई पर जोर

बांध सुरक्षा अधिनियम 2021 के तहत राज्य के बड़े एवं मध्यम बांधों की निगरानी के लिए स्वतंत्र विशेषज्ञ पैनल के गठन को स्वीकृति दी गई।

रोहितश्य रॉय बने झारखंड के महाधिवक्ता

कैबिनेट ने झारखंड के महाधिवक्ता पद पर अधिवक्ता रोहितश्य रॉय की नियुक्ति को घटनोत्तर स्वीकृति प्रदान की। वहीं अच्युत केशव को वरीय अपर महाधिवक्ता के पद पर पदोन्नत करने का निर्णय लिया गया।

मोटरयान निरीक्षक नियुक्ति का रास्ता साफ

झारखंड हाईकोर्ट के आदेशों के अनुपालन में जेएसएससी विज्ञापन संख्या 18/2016 के तहत अनुशंसित अभ्यर्थियों को मोटरयान निरीक्षक पद पर नियुक्ति देने की मंजूरी दी गई।

कैग रिपोर्ट विधानसभा में होगी पेश

प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के क्रियान्वयन और राज्य वित्त से संबंधित नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (उअऋ) की रिपोर्टों को आगामी विधानसभा सत्र में प्रस्तुत करने की स्वीकृति दी गई।

शिष्टाचार मुलाकात

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवास में झारखंड कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी के० राजू, सांसद डॉ० सैयद नसीर हुसैन, झारखंड कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, विधायक प्रदीप यादव एवं श्री अजय शर्मा ने शिष्टाचार मुलाकात की।

रांची समेत कई जिलों को 5 दिन और करना होगा मानसून का इंतजार

रांची : झारखंड में मानसून ने संताल परगना के रास्ते दस्तक तो दे दी है, लेकिन इसकी आगे बढ़ने की रफ्तार फिलहाल काफी धीमी बनी हुई है। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, संताल में प्रवेश के बाद मानसूनी हवाओं की स्थिति में कोई बड़ा सुधार नहीं देखा गया है। यही वजह है कि राजधानी रांची समेत राज्य के कई अन्य हिस्सों में मुख्य मानसून के पूरी तरह सक्रिय होने में अभी करीब पांच दिनों का समय और लग सकता है। हालांकि, इस दौरान राज्य के अधिकांश इलाकों में बादलों का डेरा रहेगा और प्री-मानसून जैसी बारिश का सिलसिला जारी रहेगा। मौसम विभाग ने राज्य में कहीं-कहीं तेज हवाओं के साथ गर्जन और बिजली गिरने (वज्रपात) की आशंका जताते हुए यलो अलर्ट भी जारी किया है। मौसम में आए इस बदलाव और कुछ इलाकों में हो रही बारिश के कारण राज्य के लोगों को पिछले दिनों की भीषण गर्मी से बड़ी राहत मिली है। बीते चौबीस घंटों के दौरान लातेहार और सिमडेगा जैसे जिलों में अच्छी बारिश रिकॉर्ड की गई। वहीं, राजधानी रांची और उसके आसपास के क्षेत्रों में भी देर रात मौसम ने अचानक करवट ली, जिसके बाद तेज हवाओं और गरज के साथ जोरदार बौछारें पड़ीं। मौसम विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, इस दौरान तिलैया में सबसे ज्यादा 46.5 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई।

संक्षिप्त खबरें

जंगली हाथी का तांडव : कच्चे मकान की दीवार तोड़ी, फसलों को रौंदा, बाल-बाल बचा दंपति

रांची: बेड़ो प्रखंड की घाघरा पंचायत के टिकराटोली गांव में रविवार देर रात एक विशालकाय जंगली हाथी ने जमकर उत्पात मचाया। रात करीब एक से दो बजे के बीच हाथी ने गांव के रहने वाले मंगरा कुजुर के कच्चे मकान की दीवार ढहा दी। जिस समय यह हादसा हुआ, मंगरा कुजुर और उनकी पत्नी सीता कुजुर घर के भीतर फोल्डिंग खटिया पर सो रहे थे। दीवार गिरने से मकान का मलबा सीधे खटिया पर आ गिरा, जिससे दोनों दूर जा गिरे और बाल-बाल बच गए। घर में रखा अनाज और अन्य घरेलू सामान भी मलबे में दबकर पूरी तरह नष्ट हो गया। पीड़ित मंगरा कुजुर ने बताया कि उन्होंने किसी तरह घर से बाहर भागकर अपनी जान बचाई। मकान तोड़ने के बाद हाथी ने गांव में जमकर तबाही मचाई और कई किसानों की फसलों को भारी नुकसान पहुंचाया। हाथी ने मंगरा कुजुर और नाडु कुजुर की मकई व भिंडी की फसल को नष्ट कर दिया, जबकि गौरा कुजुर और लछु कुजुर की मकई की फसल को भी खाकर और रौंदकर बर्बाद कर दिया। देर रात फसलों को रौंदे जाने और हाथी की मौजूदगी से गांव में अफरा-तफरी मच गई। इसके बाद ग्रामीणों ने एकजुट होकर शोर-शराबा किया और कड़ी मशक्कत के बाद हाथी को आबादी वाले क्षेत्र से खदेड़ा। इस घटना के बाद से टिकराटोली गांव में दहशत का माहौल बना हुआ है। जंगली हाथी के डर से लोग शाम ढलते ही अपने घरों में कैद होने को मजबूर हैं। प्रभावित ग्रामीण मंगरा कुजुर ने प्रशासन से मुआवजे की गुहार लगाई है। घटना की जानकारी मिलते ही मुखिया रमेश उरांव, पंचायत अध्यक्ष संदीप कुजुर, लक्ष्मण कुजुर, अमजद खान, पूजा कुजुर, पिंकी कुजुर और पुष्पा कुजुर ने गांव का दौरा किया और नुकसान का जायजा लिया। जनप्रतिनिधियों ने वन विभाग को इस नुकसान से अवगत कराते हुए प्रभावित किसानों को जल्द से जल्द उचित मुआवजा देने और जंगली हाथी को रिहायशी इलाके से दूर खदेड़ने की मांग की है। मुखिया ने पीड़ित परिवारों को हरसंभव प्रशासनिक और व्यक्तिगत मदद देने का भरोसा दिलाया है।

श्री श्याम मंदिर में ज्येष्ठ अमावस्या महास्नान अनुष्ठान संपन्न

रांची : हरमू रोड स्थित श्री श्याम मंदिर में सोमवार को ज्येष्ठ अमावस्या महास्नान अनुष्ठान विधि-विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ संपन्न कराया गया। मंडल अध्यक्ष गोपाल मुरारका, कोषाध्यक्ष मनोज खेतान एवं वरिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य श्याम सुंदर शर्मा के सानिध्य में बाबा श्याम का विशेष महास्नान कराया गया। अनुष्ठान के दौरान सर्वप्रथम बाबा को गंगाजल, दूध, दही, घी और चीनी सहित विभिन्न पवित्र सामग्री के मिश्रण से स्नान कराया गया। इसके बाद रूह इत्र से विशेष सेवा की गई। महास्नान के उपरांत बाबा को नवीन पोशाक धारण कराई गई और कोलकाता तथा बेंगलुरु से मंगाए गए आकर्षक फूलों से भव्य श्रृंगार किया गया। श्रृंगार आरती में मंडल अध्यक्ष गोपाल मुरारका, उपाध्यक्ष श्रवण ढांढनिया, उपाध्यक्ष अशोक लाडिया, महामंत्री गौरव अग्रवाल, कोषाध्यक्ष मनोज खेतान, वरिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य श्याम सुंदर शर्मा, मंदिर के श्याम सेवकों एवं दैनिक भक्तों ने भाग लिया। अमावस्या के अवसर पर दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु भी मंदिर पहुंचे और बाबा श्याम का आशीर्वाद प्राप्त किया। मंडल के महामंत्री गौरव अग्रवाल ने बताया कि ज्येष्ठ अमावस्या के अवसर पर आयोजित महास्नान एवं विशेष श्रृंगार कार्यक्रम श्रद्धा और भक्ति के वातावरण में संपन्न हुआ, जिसमें भक्तों की उल्लेखनीय सहभागिता रही।

मारवाड़ी सत्यनारायण मंदिर और धर्मशाला संस्था के चुनाव में 1,433 मतदाता डालेंगे वोट

रामगढ़ : रामगढ़ में श्री मारवाड़ी सत्यनारायण मंदिर और धर्मशाला संस्था समिति के सत्र 2026-28 के लिए होने वाले चुनाव को लेकर चुनावी सरगर्मियां अपने चरम पर पहुंच गई हैं। 16 जून को होने वाले मतदान से पूर्व धर्मशाला प्रांगण में चुनाव समिति एवं प्रत्याशियों की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। जिसमें चुनाव को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता चुनाव प्रभारी गोविंद पी. मेवाड़ व संचालन श्याम सुंदर परशुरामपुरिया ने किया। इस दौरान चुनाव समिति ने सभी प्रत्याशियों को चुनाव संबंधी नियमों, उपनियमों तथा आचार-संहिता की विस्तृत जानकारी दी और चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखने का आग्रह किया। बैठक को संबोधित करते हुए चुनाव समिति के सदस्यों गोविंद पी मेवाड़, श्याम सुंदर परशुरामपुरिया, रमेश बौदिया, किशोर जाजू एवं उमेश राजगढ़िया ने संस्था की गरिमा और परंपरा को बनाए रखते हुए चुनाव संपन्न कराने की प्रतिबद्धता दोहराई। समिति ने स्पष्ट कहा कि संस्था के हित में सक्षम, स्वच्छ और मजबूत नेतृत्व का चयन लोकतांत्रिक प्रक्रिया के माध्यम से होना चाहिए और इसके लिए सभी पक्षों का सहयोग आवश्यक है। समिति के आह्वान का समर्थन करते हुए सभी प्रत्याशियों ने चुनाव को भाईचारे, सौहार्द और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के वातावरण में संपन्न कराने की सहमति व्यक्त की। उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। इनमें जगदीश प्रसाद गोयल, महावीर खंडेलवाल, गोकुल शर्मा, प्रवीण कुमार अग्रवाल, उपकार कुमार अग्रवाल, सुनील गोयल, विकास साह, विनोद कुमार पंकज, नरेश अग्रवाल, संदीप कुमार अग्रवाल ह्यबबलूह्ल तथा रोहित कुमार पंसारी सहित अन्य प्रत्याशी शामिल हैं। चुनाव प्रक्रिया के अनुसार प्रत्येक मतदाता 17 प्रत्याशियों में से अधिकतम 11 उम्मीदवारों को अपना मत दे सकेगा। सर्वाधिक मत प्राप्त करने वाले 11 प्रत्याशी नई कार्यकारिणी समिति के सदस्य चुने जाएंगे। संस्था के इस महत्वपूर्ण चुनाव में कुल 1,433 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। चुनाव समिति के अनुसार मतदान धर्मशाला परिसर में सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक होगा। मतदान प्रक्रिया को सुचारु और पारदर्शी बनाने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। मतदान समाप्त होने के बाद शाम 6 बजे से मतगणना प्रारंभ की जाएगी। चुनाव समिति का अनुमान है कि मतगणना पूरी होने के बाद रात्रि 9 बजे तक चुनाव परिणाम घोषित कर दिए जाएंगे। परिणामों के साथ ही संस्था को अगले दो वर्षों के लिए नई कार्यकारिणी समिति मिल जाएगी। चुनाव समिति ने सभी मतदाताओं से समय पर मतदान केंद्र पहुंचकर अपने मताधिकार का प्रयोग करने की अपील की है। समिति का कहना है कि अधिकाधिक मतदान से संस्था की लोकतांत्रिक परंपरा और मजबूत होगी तथा चुनी गई समिति को व्यापक जनसमर्थन प्राप्त होगा।

डिजिटल शादी कार्ड के जरिए बड़ी साइबर ठगी, सैकड़ों लोगों के बैंक खाते हुए खाली

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड की राजधानी रांची और आसपास के इलाकों में साइबर अपराधियों ने ठगी का एक बिल्कुल नया और बेहद खतरनाक तरीका अपनाया है। शातिर अपराधियों ने इस बार डिजिटल शादी के निमंत्रण पत्र को अपना हथियार बनाकर सैकड़ों लोगों को निशाना बनाया और उनके बैंक खातों से लाखों रुपये साफ कर दिए। ठगों ने लोगों के मोबाइल पर बेहद आत्मीयता से भरे भावुक संदेश भेजे, जिसमें दो दिलों के मिलन का उत्सव मनाने के लिए सादर आमंत्रित करने की बात कही गई थी।

इस डिजिटल इनविटेशन के साथ अपराधियों ने एक 'एपीके' (एप्लीकेशन पैकेज किट) फाइल भेजी थी। आम लोगों ने इसे अपने किसी करीबी या परिचित का भेजा हुआ असली शादी का कार्ड समझकर जैसे ही डाउनलोड किया, वैसे ही उनका स्मार्टफोन पूरी तरह हैक हो गया। साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों के अनुसार, यह एपीके फाइल वास्तव में कोई फोटो, इमेज या पीडीएफ कार्ड नहीं, बल्कि एक छिपा हुआ खतरनाक वायरस है। डाउनलोड होते ही फोन का पूरा रिमोट कंट्रोल अपराधियों के हाथ में चला गया। इसके बाद ठगों ने पीड़ितों के बैंकिंग ऐप, यूपीआई पासवर्ड और ओटीपी जैसी संवेदनशील जानकारियां हासिल कर अलग-अलग खातों से पैसे उड़ा दिए।

इस सामूहिक ठगी का शिकार केवल रांची के लोग ही नहीं, बल्कि राज्य के अन्य जिलों और बाहरी शहरों में रहने वाले लोग भी हुए हैं। कई पीड़ितों को तो ठगी का पता तब चला जब उनके मोबाइल पर बैंक से पैसे कटने के मैसेज आए। इस घटना के बाद कई लोगों ने साइबर थाना और स्थानीय पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। शुरूआती जांच में पता चला है कि जिन परिचितों के नंबरों से यह मैसेज आए थे, उनके फोन या तो पहले ही हैक हो चुके थे या उनके व्हाट्सएप का क्लोन बनाकर यह वायरस ऑटोमैटिक तरीके से उनके सभी कॉन्टैक्ट्स को भेजा जा रहा था।

मामले की गंभीरता को देखते हुए साइबर पुलिस और सुरक्षा विशेषज्ञों ने आम जनता के लिए चेतावनी जारी की है। पुलिस ने साफ किया है कि शादी के असली निमंत्रण हमेशा जेपीजी, पीएनजी या पीडीएफ फॉर्मेट में होते हैं, इसलिए 'वेडिंग इनविटेशन एपीके' नाम की किसी भी फाइल पर गलती से भी क्लिक न करें। अगर किसी परिचित के नंबर से ऐसा संदिग्ध मैसेज आता है, तो तुरंत उस मैसेज को चैट से डिलीट कर दें और उस परिचित को सामान्य फोन कॉल करके इसकी जानकारी दें कि उनका व्हाट्सएप हैक या क्लोन हो चुका है। इसके साथ ही विशेषज्ञों ने किसी भी अनजान लिंक या फाइल को डाउनलोड न करने और केवल आधिकारिक ऐप स्टोर का ही इस्तेमाल करने की सलाह दी है।

आर्थिक रूप से कमजोर स्कूली बच्चों के बीच वस्त्र वितरित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राजधानी के हरमू हाउसिंग कॉलोनी स्थित कल्याण एवं विकास समिति (सामुदायिक भवन के निकट) आर्थिक रूप से कमजोर स्कूली बच्चों के बीच समाजसेवी दंपत्ति मुकेश पोद्दार व उषा पोद्दार (सोनार गली,अपर बाजार स्थित बालाजी फैशन 'ड्यूक' के संचालक) के सौजन्य से वस्त्र वितरित किया गया।

मौके पर उषा पोद्दार ने कहा कि मानव सेवा सबसे बड़ा धर्म है गरीब व बेसहारा लोगों की सहायता करने से आत्मसंतुष्टि मिलती है। श्रीमती पोद्दार ने कहा कि आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करने और उनका उत्साहवर्धन करने के लिए समय-समय पर समाजसेवियों और सामाजिक संगठनों को भी बढ़-चढ़कर सहभागिता निभानी चाहिए। इस अवसर पर शहर के जाने-माने समाजसेवी तुषार कांति शीट, तापस घोष, ललन कुमार मिश्र, गौतम सहित अन्य मौजूद थे।

पंच परगना सुंडी संघ ने शुरू किया जागरूकता अभियान सामाजिक एकता और संगठन मजबूती पर जोर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : पंच परगना सुंडी संघ रांची ने संगठन की सक्रियता और सामाजिक जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विशेष अभियान की शुरूआत की है। अभियान के तहत 14 जून को राहे प्रखंड के सिल्ली थाना क्षेत्र स्थित सोसो, लाघुप और बसंतपुर गांवों का दौरा किया गया। संघ के सचिव उपेंद्र कुमार साहु और उपाध्यक्ष मनोज कुमार साहु के नेतृत्व में ग्रामीणों के साथ बैठकें आयोजित कर सामाजिक एकता, आपसी सहयोग और संगठन को मजबूत बनाने पर चर्चा की गई।

सोसो गांव में वरिष्ठ समाजसेवी मिलन साहु की अध्यक्षता में तथा बसंतपुर में श्रीधर साहु की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि बंसिया, लाघुप, सोसो और बसंतपुर गांवों को एक मंच, एक छतरी और एक विचार के तहत जोड़ते हुए जल्द ही सभी गांवों की संयुक्त संगम बैठक आयोजित की जाएगी।

बैठक में सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों में पहले की तरह गांवों के बीच आपसी संपर्क और सहभागिता बढ़ाने पर जोर दिया गया। साथ ही यह भी तय किया गया कि समाज के भीतर होने वाले विवादों को कोर्ट-कचहरी के बजाय सामाजिक मध्यस्थता के माध्यम से सुलझाने का प्रयास किया जाएगा, ताकि आपसी सामंजस्य और भाईचारा मजबूत हो सके।

संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि सोसो गांव की बैठक में मिलन साहु, बद्री नाथ साहु, दीपक कुमार साहु, डॉ. सूरज प्रसाद साहु, जगबंधु साहु, मनोज कुमार साहु, प्रकाश साहु, सुगेन साहु, ब्रजेश साहु, प्रो. इन्द्रनाथ साहु, जितेंद्र साहु, विकास कुमार साहु और राजेश कुमार साहु सहित कई लोग शामिल हुए।

पत्थर खदान में डूबने से युवक लापता

रांची : अनगड़ा स्थित एक बंद पत्थर खदान में नहाने गए 22 वर्षीय दीपक मुंडा की डूबने से मौत की आशंका है।

नारायणसोसो बुढ़ासरई निवासी दीपक दोपहर में दोस्तों के साथ नहाने गया था, तभी पैर फिसलने से वह गहरे पानी में चला गया। स्थानीय स्तर पर बचाव के प्रयास विफल रहे। सूचना पाकर थाना प्रभारी गौतम रजवार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। खदान की अत्यधिक गहराई के कारण अब गोताखोरों की मदद से खोजबीन की जाएगी।

ट्रेन की चपेट में आने से अज्ञात महिला घायल, रिम्स रेफर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : किता स्टेशन के समीप एक अज्ञात महिला ट्रेन की चपेट में आने से घायल हो गई। जानकारी के अनुसार अज्ञात महिला किता स्टेशन के समीप रांची जनशताब्दी के चपेट में आ गई जिससे वह रेलवे ट्रैक पर ही गिर पड़ी और घायल हो गई। वही किता रेलवे स्टेशन मास्टर के द्वारा मुरी भेजा गया जहां डॉक्टर जे कच्छप के द्वारा प्राथमिक उपचार करने के बाद बेहतर उपचार के लिए रांची रिम्स रेफर कर दिया गया। समाचार लिखे जाने तक अभी तक महिला की पहचान नहीं हो पाई है।

सरला बिरला विश्वविद्यालय और जोहो कॉरपोरेशन के बीच हुआ समझौता उद्योगोन्मुखी शिक्षा एवं डिजिटल कौशल विकास को मिलेगा बढ़ावा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : सरला बिरला विश्वविद्यालय ने उद्योग-जगत और अकादमिक संस्थानों के बीच सहयोग को मजबूत करने तथा विद्यार्थियों के लिए तकनीक-आधारित शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जोहो कॉर्पोरेशन के साथ एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इस ऐतिहासिक अवसर के बाद जोहो कॉर्पोरेशन के उपाध्यक्ष (वैश्विक गठबंधन) श्री के. पी. नारायणन द्वारा लर्निंग टू लर्न (सीखना कैसे सीखें) विषय पर एक विशेष व्याख्यान भी दिया गया।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के महानिदेशक प्रो. गोपाल पाठक, कुलपति प्रो. सी. जगनाथन, कुलसचिव प्रो. एस. बी. डांडिन, सभी संकायाध्यक्ष (डीन) और वाणिज्य एवं व्यवसाय प्रबंधन विभाग के शिक्षक उपस्थित थे। विशिष्ट अतिथियों में रापगुरु के निदेशक सीए राकेश सिंह भी मुख्य रूप से शामिल रहे।

यह समझौता जोहो कॉर्पोरेशन की जोहो एडुकनेक्ट पहल के अंतर्गत हुआ है, जिसका मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को उद्योग की आधुनिक आवश्यकताओं के अनुरूप डिजिटल एवं एंटरप्राइज एप्लिकेशन संबंधी कौशल प्रदान करना है। इस साझेदारी के माध्यम से सरला बिरला विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को 'जोहो बुक्स' पर विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। यह एक अग्रणी क्लाउड-आधारित अकाउंटिंग (लेखांकन) एवं बिजनेस मैनेजमेंट सॉफ्टवेयर

प्लेटफॉर्म है। यह सहयोग विद्यार्थियों को आधुनिक व्यावसायिक तकनीकों का व्यावहारिक अनुभव कराएगा, जिससे किताबी पढ़ाई और कॉर्पोरेट जगत की उम्मीदों के बीच का अंतर खत्म हो सके। आने वाले दिनों में जोहो के विशेषज्ञों एवं प्रमाणित प्रशिक्षकों द्वारा कई अन्य प्रशिक्षण कार्यक्रमों का संचालन भी किया जाएगा।

इस पहल के तहत विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को 'जोहो बुक्स' के 'स्टूडेंट एडिशन' (छात्र संस्करण) की निःशुल्क सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे वे क्लाउड-आधारित अकाउंटिंग और व्यावसायिक अनुप्रयोगों में व्यावहारिक रूप से पारंगत हो सकेंगे। कार्यक्रम में मूल्यांकन एवं प्रमाणन (सर्टिफिकेशन) की व्यवस्था भी की गई है, जिससे विद्यार्थी अपने हूनेर का प्रामाणिक सर्टिफिकेट हासिल कर सकेंगे। इससे उनकी रोजगार क्षमताओं में वृद्धि होगी और वे लेखांकन, वित्त, उद्यमिता एवं व्यवसाय प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में एक शानदार करियर के लिए तैयार हो सकेंगे। यह साझेदारी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के बीच नवाचार और डिजिटल बदलाव की संस्कृति को भी बढ़ावा देगी।

अपने संबोधन में जोहो कॉर्पोरेशन के उपाध्यक्ष श्री के. पी. नारायणन ने आज के तेजी से बदलते व्यावसायिक और तकनीकी परिवेश में जीवनभर सीखते रहने, परिस्थितियों के अनुकूल ढलने तथा कौशल विकास के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे हमेशा नई चीजें सीखने के लिए जिज्ञासु बने रहें, बदलावों को स्वीकार करें और निरंतर अपने ज्ञान को अपडेट करते रहें, ताकि वे पेशेवर दुनिया की प्रतिस्पर्धा में हमेशा आगे बने रह सकें।

इस बड़े समझौते पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सरला बिरला विश्वविद्यालय के प्रतिकुलाधिपति श्री बिजय कुमार दलान और राज्यसभा सांसद सह निदेशक (योजना एवं विकास) डॉ. प्रदीप कुमार वर्मा ने विश्वविद्यालय परिवार को अपनी शुभकामनाएं और बधाई संदेश भेजा है।

विद्यालय खुलेंगे, पर क्या शिक्षा भी जागेगी?

गर्मी की लंबी छुट्टियों के बाद एक बार फिर विद्यालयों के द्वार खुलने वाले हैं। बच्चों के चेहरों पर नए सत्र की खुशी है, नए बैग, नई किताबें, नई कक्षा और नए सपनों के साथ वे विद्यालय पहुंचेंगे। अभिभावकों की भी अनेक अपेक्षाएँ होंगी कि उनका बच्चा इस वर्ष कुछ नया सीखेगा और अपने भविष्य की ओर एक और कदम आगे बढ़ाएगा। दूसरी ओर प्रशासन द्वारा शिक्षकों के लिए विभिन्न निर्देश, योजनाएँ और दायित्व भी जारी किए जा चुके हैं। इन सबके बीच एक बार फिर पढ़ाई-लिखाई का वातावरण बनने लगेगा।

लेकिन एक महत्वपूर्ण प्रश्न हमारे सामने खड़ा है–क्या वास्तव में वर्तमान शिक्षा व्यवस्था बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में सहायक सिद्ध हो रही है? क्या हम ऐसे विद्यार्थी तैयार कर पा रहे हैं जिनमें ज्ञान के साथ-साथ नैतिकता, संस्कार, संवेदनशीलता और सामाजिक उत्तरदायित्व भी हो?

आज शिक्षा का उद्देश्य केवल परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करना या नौकरी हासिल करना नहीं होना चाहिए। शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य एक अच्छे इंसान का निर्माण करना है। ऐसा नागरिक जो अपने परिवार, समाज और राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों को समझे। दुर्भाग्यवश वर्तमान व्यवस्था में नैतिक शिक्षा और संस्कारों की चर्चा तो होती है, लेकिन व्यवहारिक रूप से उन्हें विकसित करने के लिए पर्याप्त समय और वातावरण नहीं मिल पाता।

इस स्थिति के लिए केवल विद्यालय या शिक्षक जिम्मेदार नहीं हैं। आज शिक्षक लगातार अनेक प्रशासनिक कार्यों, सर्वेक्षणों, ऑनलाइन रिपोर्टों, पोर्टल अपडेट, विभागीय बैठकों और विभिन्न गैर-शैक्षणिक दायित्वों में व्यस्त रहते हैं। परिणामस्वरूप उनका बहुमूल्य समय, जो बच्चों के शिक्षण और व्यक्तित्व निर्माण में लगना चाहिए, अन्य कार्यों में व्यतीत हो जाता है।

जब शिक्षक स्वयं प्रशासनिक दबाव और कार्यभार से तनावग्रस्त रहेगा, तब वह बच्चों को कितना समय और ऊर्जा दे पाएगा? बच्चों की व्यक्तिगत समस्याओं को समझना, उनकी प्रतिभा को पहचानना, उनमें नैतिक मूल्यों का विकास करना और उन्हें जीवनोपयोगी शिक्षा देना तभी संभव है जब शिक्षक को उसके मूल कार्य–शिक्षण–पर केंद्रित रहने का अवसर मिले।

राष्ट्र निर्माण केवल नीतियों और घोषणाओं से नहीं होता, बल्कि कक्षा में बैठे उन बच्चों से होता है जो कल देश का भविष्य बनेंगे। यदि हम वास्तव में एक सशक्त, संस्कारित और नैतिक समाज का निर्माण करना चाहते हैं, तो हमें शिक्षा व्यवस्था को केवल परिणाम और आंकड़ों तक सीमित नहीं रखना होगा। शिक्षकों पर अनावश्यक प्रशासनिक बोझ कम करना होगा और विद्यालयों को ऐसा वातावरण देना होगा जहाँ शिक्षा केवल पाठ्यक्रम तक सीमित न रहे, बल्कि जीवन मूल्यों का भी विकास करे।

नए शैक्षणिक सत्र के प्रारंभ पर हमें स्वयं से यह प्रश्न अवश्य पूछना चाहिए कि क्या हम केवल कक्षाएँ प्रारंभ कर रहे हैं, या वास्तव में ऐसी शिक्षा की शुरूआत कर रहे हैं जो बच्चों को बेहतर इंसान और जिम्मेदार नागरिक बनाए?

विद्यालयों के द्वार तो हर वर्ष खुलते हैं, आवश्यकता इस बात की है कि शिक्षा के वास्तविक उद्देश्य के द्वार भी खुलें। तभी हम आने वाली पीढ़ी को वह भविष्य दे सकेंगे जिसकी कल्पना एक विकसित और संस्कारित राष्ट्र के लिए की जाती है।

शिक्षा में एक नये युग एवं शैक्षिक क्रांति की आहट

ललित गर्ग

आज पूरी दुनिया शिक्षा के एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है जहां ज्ञान का विस्तार तो अभूतपूर्व हुआ है, लेकिन जीवन मूल्यों का क्षरण भी उतनी ही तेजी से दिखाई देता है। विज्ञान और तकनीक ने मानव जीवन को सुविधासंपन्न बनाया है, लेकिन मानसिक तनाव, हिंसा, प्रतिस्पर्धा, नैतिक संकट और मानवीय संवेदनाओं के क्षय जैसी चुनौतियां भी बढ़ी हैं। शिक्षा के क्षेत्र में यह प्रश्न लगातार गूंज रहा है कि क्या वर्तमान शिक्षा व्यवस्था वास्तव में मनुष्य का निर्माण कर रही है या केवल पेशेवर और उपभोक्तावादी समाज का निर्माण कर रही है? ऐसे समय में जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा द्वारा प्रारंभ की गई आचार्य महाश्रमण इंटरनेशनल स्कूल की योजना एक नई आशा, नई दृष्टि और नए शैक्षणिक दर्शन के रूप में सामने आई है। यह केवल विद्यालयों की स्थापना की योजना नहीं है, बल्कि शिक्षा को उसके मूल उद्देश्य से जोड़ने का एक महाअभियान है। महासभा ने देशभर में लगभग सौ विद्यालयों की स्थापना का लक्ष्य निर्धारित किया है। वर्तमान में राजस्थान के श्रीडूंगरगढ़, गंगाशहर और नोखा तथा गुजरात के भुज में विद्यालयों का निर्माण और शैक्षणिक गतिविधियां तीव्र गति से संचालित हैं। इन विद्यालयों की स्थापना के पीछे केवल आधुनिक शिक्षण संस्थान खड़े करने की भावना नहीं है, बल्कि ऐसी शिक्षा संस्कृति विकसित करने का संकल्प है जो ज्ञान के साथ संस्कार, विज्ञान के साथ विवेक और सफलता के साथ संवेदनशीलता का समन्वय स्थापित कर सके।

तेरापंथ धर्मसंघ की शिक्षा-दृष्टि सदैव व्यापक, मानवीय और दूरदर्शी रही है। इस परंपरा में शिक्षा को केवल रोजगार प्राप्ति का माध्यम नहीं माना गया, बल्कि व्यक्ति के समग्र विकास का आधार समझा गया है। तेरापंथ के आचार्यों ने समय-समय पर यह स्पष्ट किया कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य मनुष्य को भीतर से समृद्ध बनाना है। यदि शिक्षा केवल बुद्धि को विकसित करे और हृदय को उपेक्षित छोड़ दे, तो वह अधूरी शिक्षा है। यदि वह ज्ञान तो दे लेकिन चरित्र न बनाए, तो वह समाज के लिए संकट भी उत्पन्न कर सकती है। आचार्य श्री तुलसी ने इस आवश्यकता को बहुत पहले पहचान लिया था। उन्होंने अणुव्रत आंदोलन के माध्यम से नैतिकता को सामाजिक जीवन के केंद्र में स्थापित करने का प्रयास किया। उनका मानना था कि व्यक्ति, समाज और राष्ट्र का वास्तविक विकास नैतिक आधार पर ही संभव है। उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में नैतिक मूल्यों को स्थापित करने के लिए नैतिक पाठमाला और नैतिक शिक्षा परीक्षाओं का अभिनव प्रयोग प्रारंभ किया। उस समय यह केवल एक शैक्षणिक कार्यक्रम नहीं था, बल्कि एक सामाजिक परिवर्तन का अभियान था। लाखों विद्यार्थियों ने इन कार्यक्रमों के माध्यम से सत्य, अहिंसा, अनुशासन, संयम, ईमानदारी और कर्तव्यपरायणता जैसे मूल्यों को अपने जीवन में अपनाने की प्रेरणा प्राप्त की।

आचार्य महाप्रज्ञ ने इस विचारधारा को और अधिक वैज्ञानिक एवं व्यावहारिक रूप प्रदान किया। उन्होंने जीवन विज्ञान के रूप में एक ऐसा शैक्षणिक मॉडल प्रस्तुत किया जिसमें शिक्षा को शरीर, मन, भावना और चेतना के विकास से जोड़ा गया। जीवन विज्ञान ने विद्यार्थियों को केवल परीक्षा में सफल होने की तैयारी नहीं दी, बल्कि तनावमुक्त जीवन, भावनात्मक संतुलन, आत्मानुशासन और सकारात्मक सोच की दिशा भी प्रदान की। आज जब दुनिया मानसिक स्वास्थ्य और भावनात्मक शिक्षा पर गंभीरता से विचार कर रही है, तब यह अनुभव होता है कि जीवन विज्ञान जैसी अवधारणाएं अपने समय से बहुत आगे की सोच थीं। आचार्य महाश्रमण ने इस समूची परंपरा को एक नई ऊंचाई प्रदान की है। उनका व्यक्तित्व ज्ञान, साधना, अनुशासन, अहिंसा और मानवीय संवेदनाओं का अद्भुत समन्वय है। उनकी दृष्टि में शिक्षा केवल मस्तिष्क के विकास तक सीमित नहीं रह सकती। उसे मनुष्य के भीतर छिपी नैतिक, आध्यात्मिक और मानवीय संभावनाओं को भी जागृत करना होगा। इसी कारण उनके नाम पर स्थापित आचार्य महाश्रमण इंटरनेशनल स्कूल केवल आधुनिक शिक्षा प्रदान करने वाले संस्थान नहीं, बल्कि जीवन-दृष्टि देने वाले केंद्र बनने की क्षमता रखते हैं।

आचार्य महाश्रमण इंटरनेशनल स्कूल का मूल मंत्र- "ज्ञान, मूल्य और चरित्र" है जो वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता को अभिव्यक्त करता है। आज अधिकांश शैक्षणिक संस्थानों में ज्ञान और कौशल पर तो पर्याप्त ध्यान दिया जाता है, लेकिन मूल्य और चरित्र का पक्ष अपेक्षाकृत कमजोर दिखाई देता है। परिणामस्वरूप समाज में बौद्धिक प्रगति तो होती है, परंतु नैतिक और मानवीय संकट भी बढ़ते जाते हैं। आचार्य महाश्रमण इंटरनेशनल स्कूल इस असंतुलन को दूर करने का एक सार्थक एवं प्रभावी प्रयास साबित होगा। यहां शिक्षा का लक्ष्य केवल जानकारी देना नहीं, बल्कि ज्ञान को विवेक में और विवेक को चरित्र में रूपांतरित करना है। भारत की नई शिक्षा नीति 2020 भी इसी प्रकार की समग्र शिक्षा की आवश्यकता पर बल देती है। नई शिक्षा नीति में बहुआयामी विकास, जीवन कौशल, भारतीय ज्ञान परंपरा, मूल्य आधारित शिक्षा और समग्र व्यक्तित्व निर्माण को विशेष महत्व दिया गया है। किंतु किसी भी नीति की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि उसे व्यवहार में उतारने वाले संस्थान कितने सक्षम हैं। आचार्य महाश्रमण इंटरनेशनल स्कूल इस दृष्टि से नई शिक्षा नीति के जीवंत और प्रभावी मॉडल बन सकते हैं। यहां आधुनिक पाठ्यक्रम, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, तकनीकी दक्षता और वैश्विक प्रतिस्पर्धा की तैयारी के साथ-साथ नैतिकता, आत्मानुशासन, सह-अस्तित्व और आध्यात्मिक चेतना को भी समान महत्व दिया जाता है।

जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा के अध्यक्ष और प्रख्यात उद्योगपति महेंद्र नाहटा के अनुसार इस परियोजना को महासभा की प्रमुख शैक्षणिक गतिविधि के रूप में विकसित किया है। इन स्कूलों के उद्देश्य एवं उनकी दूरदृष्टि इस योजना को सामान्य विद्यालय परियोजना से कहीं अधिक व्यापक बनाती है। नाहटा का विश्वास है कि आने वाले समय में केवल तकनीकी ज्ञान पर्याप्त नहीं होगा। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, स्वचालन और डिजिटल तकनीक के युग में मशीनें अनेक कार्य कर सकेंगी, लेकिन करुणा, संवेदनशीलता, नैतिक निर्णय, मानवीय संबंध और आत्मिक संतुलन जैसे गुण केवल मनुष्य ही विकसित कर सकता है। इसलिए शिक्षा को मस्तिष्क के साथ-साथ हृदय और आत्मा को भी शिक्षित करना होगा। महेंद्र नाहटा का यह विचार अत्यंत महत्वपूर्ण है कि ये विद्यालय भारत की नई शिक्षा नीति को आध्यात्मिक दृष्टि से समृद्ध करने का माध्यम बन सकते हैं। यहां आध्यात्मिकता का अर्थ किसी धार्मिक संकीर्णता से नहीं है, बल्कि आत्म-जागरूकता, नैतिकता, सहिष्णुता, मानवीय एकता और आंतरिक संतुलन से है। यह दृष्टिकोण आज के वैश्विक समाज की भी आवश्यकता है, क्योंकि विश्व के अनेक विकसित देशों में शिक्षा सुधार की चर्चाओं का केंद्र मानसिक स्वास्थ्य, सामाजिक उत्तरदायित्व और मूल्य आधारित जीवन बनता जा रहा है।

आज शिक्षा के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वह विद्यार्थियों को सफल तो बना रही है, लेकिन संतुष्ट नहीं; बुद्धिमान तो बना रही है, लेकिन संवेदनशील नहीं; सक्षम तो बना रही है, लेकिन चरित्रवान नहीं। परिणामस्वरूप समाज में तनाव, अवसाद, हिंसा, असहिष्णुता और सामाजिक विघटन जैसी समस्याएं बढ़ती जा रही हैं। ऐसे समय में शिक्षा के ऐसे मॉडल की आवश्यकता है जो मनुष्य को केवल प्रतिस्पर्धा के लिए नहीं, बल्कि जीवन के लिए तैयार करे। जो उसे केवल करियर नहीं, बल्कि जीवन का उद्देश्य भी प्रदान करे। जो उसे केवल कमाना नहीं, बल्कि जीना भी सिखाए। आचार्य महाश्रमण इंटरनेशनल स्कूल इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल हैं। यहां विज्ञान और अध्यात्म, आधुनिकता और संस्कृति, तकनीक और नैतिकता, प्रतिस्पर्धा और सहयोग, सफलता और संवेदनशीलता के बीच संतुलन स्थापित करने का प्रयास किया जायेगा। यह दृष्टिकोण भविष्य की शिक्षा का आधार बन सकता है। दुनिया भर में आज ऐसी शिक्षा की खोज हो रही है जो विद्यार्थियों को केवल ज्ञानवान नहीं, बल्कि विवेकवान और उत्तरदायी नागरिक भी बना सके। भारतीय शिक्षा परंपरा सदियों से इसी आदर्श की पक्षधर रही है। प्राचीन गुरुकुलों से लेकर आधुनिक आध्यात्मिक चिंतन तक, भारतीय दृष्टि ने शिक्षा को मनुष्य के समग्र विकास का माध्यम माना है।

यदि आचार्य महाश्रमण इंटरनेशनल स्कूलों की यह योजना अपने निर्धारित स्वरूप में विकसित होकर आगे बढ़ती है, तो यह केवल भारत की शिक्षा व्यवस्था के लिए नहीं, बल्कि विश्व शिक्षा जगत के लिए भी एक प्रेरक मॉडल सिद्ध हो सकती है। जिस प्रकार कुछ देशों ने शिक्षा के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है, उसी प्रकार भारत मूल्य-आधारित समग्र शिक्षा का वैश्विक मॉडल प्रस्तुत कर सकता है। यह मॉडल बताएगा कि शिक्षा केवल ज्ञान का संचय नहीं, बल्कि जीवन का निर्माण है; केवल सूचना का विस्तार नहीं, बल्कि चेतना का विकास है; केवल करियर की तैयारी नहीं, बल्कि चरित्र की साधना है। कवास्तव में आचार्य महाश्रमण इंटरनेशनल स्कूलों की स्थापना को केवल एक शैक्षणिक परियोजना के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। यह आचार्य तुलसी के अणुव्रत आंदोलन, आचार्य महाप्रज्ञ के जीवन विज्ञान और आचार्य महाश्रमण की अहिंसामूलक एवं मानवीय दृष्टि का सृजनात्मक विस्तार है। यह शिक्षा को पुनः उसके मूल उद्देश्य से जोड़ने का प्रयास है। यह एक ऐसे भविष्य की परिकल्पना है जहां विद्यालय केवल डिग्री प्रदान करने वाले संस्थान नहीं होंगे, बल्कि मानवता के श्रेष्ठ भविष्य का निर्माण करने वाले केंद्र होंगे। यदि यह सपना साकार होता है तो न केवल भारत की शिक्षा व्यवस्था को नई दिशा मिलेगी, बल्कि विश्व को भी शिक्षा का एक ऐसा मानवीय, नैतिक और आध्यात्मिक मॉडल प्राप्त होगा जो आने वाली पीढ़ियों को अधिक बुद्धिमान, अधिक संवेदनशील और अधिक मानवीय बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। यही इस महान योजना का वास्तविक महत्व, उद्देश्य और भविष्य है।

सूडोकु नवताल- 7827

✱✱✱✱✲ मध्यम

9		6		3		4		8
	2				9		7	
4			1	6				2
		8			2		3	
1		4				2		5
	3		5			8		
7				9	5			3
	8		6				4	
6		2		7		5		1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7826 का हल

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7

राष्ट्रवादी राजनीति के महानायक और स्वतंत्रता संग्राम के अग्रदूत

वरुण कुमार

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में 16 जून 1925 का दिन अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसी दिन महान स्वतंत्रता सेनानी, प्रख्यात अधिवक्ता, समाज सुधारक तथा राष्ट्रवादी नेता चित्तरंजन दास का निधन हुआ था। उन्हें प्रेम और सम्मान से "देशबंधु" अर्थात "देश का मित्र" कहा जाता था। उन्होंने अपने जीवन, प्रतिभा और संपत्ति को भारत की स्वतंत्रता के लिए समर्पित कर दिया। वे उन नेताओं में से थे जिन्होंने भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। चित्तरंजन दास का जन्म 5 नवम्बर 1870 को तत्कालीन बंगाल प्रेसीडेंसी के विक्रमपुर (वर्तमान बांग्लादेश) में हुआ था। उनके पिता भुवनमोहन दास प्रसिद्ध वकील तथा समाजसेवी थे। परिवार में शिक्षा और राष्ट्रभक्ति का वातावरण था, जिसका प्रभाव बालक चित्तरंजन पर भी पड़ा। कोलकाता में प्राप्त की तथा आगे की पढ़ाई के लिए इंग्लैंड गए। वहाँ उन्होंने भारतीय सिविल सेवा (आईसीएस) की परीक्षा देने का प्रयास किया, किंतु सफलता नहीं मिली। इसके बाद उन्होंने कानून की शिक्षा ग्रहण की और बैरिस्टर बनकर भारत लौट आए।

भारत लौटने के बाद चित्तरंजन दास ने कोलकाता उच्च न्यायालय में वकालत प्रारम्भ की। अपनी असाधारण बुद्धिमत्ता, तर्कशक्ति और कानूनी ज्ञान के कारण वे शीघ्र ही देश के प्रमुख वकीलों में गिने जाने लगे।उनकी सबसे बड़ी कानूनी उपलब्धियों में से एक थी महान क्रांतिकारी अरविन्द घोष का बचाव। 1908 के प्रसिद्ध अलीपुर बम कांड में उन्होंने अरविन्द घोष की ओर से प्रभावशाली पैरवी की और उन्हें दोषमुक्त कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस मुकदमे ने उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्धि दिलाई।

देश की राजनीतिक परिस्थितियों और ब्रिटिश शासन के अत्याचारों ने चित्तरंजन दास को स्वतंत्रता आंदोलन की ओर आकर्षित किया। उन्होंने अपनी सफल वकालत और सुख-सुविधाओं का त्याग कर राष्ट्रसेवा का मार्ग चुना।उन्होंने महात्मा मोहनदास करमचंद गांधी के नेतृत्व में चलाए गए असहयोग आंदोलन का सक्रिय समर्थन किया। विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार, स्वदेशी के प्रचार और राष्ट्रीय शिक्षा के प्रसार में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा।देश की स्वतंत्रता के लिए उन्होंने अपनी विशाल संपत्ति तक दान कर दी। उनका मानना था कि व्यक्तिगत समृद्धि से अधिक महत्वपूर्ण राष्ट्र की स्वतंत्रता है। "देशबंधु" की उपाधि है।जनसेवा और राष्ट्रभक्ति के कारण जनता ने उन्हें "देशबंधु" की उपाधि प्रदान की। यह उपाधि उनके व्यक्तित्व का सटीक परिचय थी। वे गरीबों, श्रमिकों और आम जनता के हितों के लिए सदैव संघर्षरत रहे।उन्होंने बंगाल में राष्ट्रीय चेतना को जागृत करने का कार्य किया और युवाओं को स्वतंत्रता आंदोलन से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

1922 में असहयोग आंदोलन के स्थगन के बाद कांग्रेस के भीतर राजनीतिक रणनीति को लेकर मतभेद उत्पन्न हुए। चित्तरंजन दास और मोतीलाल नेहरू ने मिलकर 1923 में स्वराज पार्टी की स्थापना की।स्वराज पार्टी का उद्देश्य ब्रिटिश शासन की विधान परिषदों में प्रवेश करके उसके कार्यों में बाधा उत्पन्न करना और स्वशासन की मांग को अधिक प्रभावी ढंग से उठाना था। यह रणनीति अत्यंत सफल सिद्ध हुई और पार्टी ने भारतीय राजनीति में महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त किया।चित्तरंजन दास को आधुनिक कोलकाता के निर्माण में भी महत्वपूर्ण योगदान के लिए याद किया जाता है। वे कोलकाता नगर निगम के प्रथम निर्वाचित मेयर बने। उनके नेतृत्व में नगर प्रशासन में अनेक सुधार किए गए तथा जनकल्याणकारी योजनाएँ प्रारम्भ की गईं।उनका प्रशासनिक दृष्टिकोण लोकतांत्रिक और जनोन्मुखी था। वे मानते थे कि स्थानीय स्वशासन राष्ट्रनिर्माण की आधारशिला है।

साहित्य और संस्कृति के संरक्षक

देशबंधु केवल राजनेता और वकील ही नहीं थे, बल्कि साहित्य और संस्कृति के भी महान संरक्षक थे। वे एक संवेदनशील कवि और लेखक थे। उन्होंने बंगाली साहित्य को समृद्ध बनाने में योगदान दिया तथा सांस्कृतिक जागरण को राष्ट्रीय आंदोलन से जोड़ने का प्रयास किया।उनका विश्वास था कि राजनीतिक स्वतंत्रता के साथ-साथ सांस्कृतिक पुनर्जागरण भी आवश्यक है।

लगातार परिश्रम और खराब स्वास्थ्य के कारण 16 जून 1925 को दार्जिलिंग में उनका निधन हो गया। उस समय उनकी आयु मात्र 54 वर्ष थी। उनके निधन से पूरा देश शोक में डूब गया। महात्मा गांधी सहित अनेक राष्ट्रीय नेताओं ने उन्हें स्वतंत्रता आंदोलन का महान योद्धा बताया।देशबंधु चित्तरंजन दास की विरासत आज भी भारतीय लोकतंत्र, राष्ट्रवाद और जनसेवा के आदर्शों में जीवित है। उन्होंने सिद्ध किया कि राष्ट्रहित के लिए व्यक्तिगत सुख-सुविधाओं का त्याग ही सच्ची देशभक्ति है।देशबंधु चित्तरंजन दास भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के उन अमर नायकों में से हैं जिन्होंने अपने ज्ञान, प्रतिभा, संपत्ति और जीवन को राष्ट्र के लिए समर्पित कर दिया। वे एक सफल वकील, दूरदर्शी राजनेता, समाज सुधारक, शिक्षाविद् और महान राष्ट्रभक्त थे। उनका जीवन त्याग, सेवा और देशप्रेम की ऐसी प्रेरक कहानी है जो आने वाली पीढ़ियों को सदैव प्रेरित करती रहेगी।

उनकी पुण्यतिथि पर राष्ट्र उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन करता है। देशबंधु का जीवन संदेश स्पष्ट है–व्यक्ति का सर्वोच्च धर्म राष्ट्र और समाज की सेवा है। भारत के स्वतंत्रता संग्राम में उनका योगदान सदैव स्वर्णाक्षरों में अंकित रहेगा और उनका नाम भारतीय इतिहास में अमर रहेगा।

विश्वगुरु बनने की राह गांवों से होकर जाती है

मिथलेश दास

विकास की असली कसौटी यह नहीं कि महानगर कितने चमक रहे हैं, बल्कि यह है कि जंगलों और सुदूर गाँवों में रहने वाले लोग कितने सम्मान और समृद्धि के साथ जीवन जी रहे हैं। भारत आज वैश्विक मंच पर एक उभरती हुई शक्ति के रूप में अपनी पहचान मजबूत कर रहा है। दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होने की दिशा में देश तेजी से आगे बढ़ रहा है। अंतरिक्ष विज्ञान की उपलब्धियाँ, डिजिटल क्रांति, आधारभूत संरचना का विस्तार और अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में बढ़ती भूमिका भारत की नई तस्वीर प्रस्तुत करते हैं। किंतु किसी भी राष्ट्र की वास्तविक प्रगति केवल उसके महानगरों की ऊँची इमारतों, बढ़ते निवेश या आर्थिक विकास दर से नहीं आँकी जा सकती। विकास का सबसे विश्वसनीय पैमाना यह है कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक उसकी पहुँच कितनी है। यदि देश के जंगलों, पहाड़ों और सुदूर गाँवों में रहने वाले लोग आज भी गरीबी, बेरोजगारी और आर्थिक असुरक्षा से जूझ रहे हों, तो विकास का दावा अधूरा ही माना जाएगा।

झारखंड सहित देश के अनेक आदिवासी बहुल क्षेत्रों की स्थिति इसी विडंबना को उजागर करती है। प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध इन क्षेत्रों के लोग आज भी आर्थिक रूप से अपेक्षाकृत कमजोर हैं। जंगलों से महुआ, आँवला, तेंदू पत्ता, साल बीज, शहद, फल और अन्य वन-उपज एकत्र करने वाले आदिवासी परिवारों की मेहनत का उचित मूल्य उन्हें नहीं मिल पाता। बाजार और उत्पादक के बीच खड़ी बिचौलिया व्यवस्था अधिकांश लाभ अपने हिस्से में समेट लेती है, जबकि वास्तविक उत्पादक न्यूनतम आय पर जीवन यापन करने को विवश रहता है।

यह केवल आर्थिक विषमता का प्रश्न नहीं है, बल्कि उस विकास मॉडल पर भी गंभीर सवाल है जो उत्पादन करने वाले हाथों को सम्मानजनक प्रतिफल देने में असफल रहा है। लंबे समय तक विकास की योजनाएँ ऊपर से नीचे की ओर संचालित होती रहीं, लेकिन अब आवश्यकता नीचे से ऊपर की ओर विकास की नई सोच विकसित करने की है। गाँवों और जंगलों में रहने वाले लोगों को केवल सहायता प्राप्त करने वाले वर्ग के रूप में नहीं, बल्कि विकास प्रक्रिया के साझेदार के रूप में देखने की जरूरत है।

आज जब "आत्मनिर्भर भारत" की अवधारणा राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में है, तब ग्रामीण और आदिवासी अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाना अनिवार्य हो जाता है। आत्मनिर्भरता केवल बड़े उद्योगों, कॉर्पोरेट निवेश और शहरी विकास परियोजनाओं से नहीं आती; यह उन लाखों किसानों, कारीगरों, वन-उपज संग्रहकताओं और छोटे उद्यमियों के श्रम से निर्मित होती है, जो स्थानीय अर्थव्यवस्था की वास्तविक रीढ़ हैं। यदि इन समुदायों को बाजार, तकनीक और उचित मूल्य उपलब्ध कराया जाए, तो वे न केवल अपनी आर्थिक स्थिति सुधार सकते हैं, बल्कि राष्ट्रीय विकास को भी नई दिशा दे सकते हैं।

महात्मा गांधी ने कहा था कि भारत की आत्मा उसके गाँवों में बसती है। यह कथन आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना स्वतंत्रता आंदोलन के दौर में था। यदि गाँव कमजोर होंगे तो शहरों की समृद्धि भी स्थायी नहीं रह सकती। बढ़ता पलायन, बेरोजगारी, सामाजिक असंतुलन और पर्यावरणीय संकट इसी असमान विकास मॉडल के दुष्परिणाम हैं। इसलिए गाँवों को केवल उपभोक्ता नहीं, बल्कि उत्पादन और उद्यमिता के केंद्र के रूप में विकसित करना समय की आवश्यकता है।

झारखंड जैसे राज्यों में ग्रामीण उद्यमिता की अपार संभावनाएँ मौजूद हैं। महुआ, साल, आँवला, बाँस, शहद और अन्य वन-आधारित उत्पादों को आधुनिक प्रसंस्करण, ब्रांडिंग और विपणन से जोड़कर स्थानीय स्तर पर बड़े पैमाने पर रोजगार सृजित किए जा सकते हैं। स्वयं सहायता समूह, सहकारी समितियाँ, किसान उत्पादक संगठन और डिजिटल प्लेटफॉर्म इस दिशा में प्रभावी माध्यम बन सकते हैं। इससे न केवल ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत होगी, बल्कि स्थानीय संसाधनों पर आधारित सतत विकास का मॉडल भी विकसित होगा।

इस परिवर्तन में शहरों में रहने वाले शिक्षित आदिवासी युवाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। वे आधुनिक बाजार, तकनीक और प्रशासनिक तंत्र को बेहतर ढंग से समझते हैं। यदि वे अपने गाँवों और समुदायों से जुड़ाव बनाए रखते हुए स्थानीय उत्पादों के लिए बाजार उपलब्ध कराने की दिशा में पहल करें, तो वे ग्रामीण और शहरी भारत के बीच एक मजबूत सेतु का निर्माण कर सकते हैं।

हालाँकि परिवर्तन की शुरूआत केवल नीतियों और योजनाओं से नहीं होती, बल्कि समाज के व्यवहार से भी होती है। यदि हम स्थानीय उत्पादों को प्राथमिकता दें, आदिवासी विक्रेताओं से खरीदारी करें और ग्रामीण उद्यमियों को प्रोत्साहित करें, तो यह आर्थिक सहयोग के साथ-साथ सामाजिक सम्मान का भी संदेश होगा। हमारी छोटी-सी पहल किसी परिवार की आजीविका, आत्मविश्वास और भविष्य को नई दिशा दे सकती है।

भारत यदि वास्तव में विश्वगुरु बनने का सपना देखता है, तो उसे यह सुनिश्चित करना होगा कि विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे। जंगलों और गाँवों की खुशहाली के बिना समावेशी विकास की कल्पना संभव नहीं है। गाँव के उद्यमियों को समर्थन देना केवल आर्थिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय, आत्मनिर्भरता और राष्ट्र निर्माण का अभियान है। विकास की असली राह दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु जैसे महानगरों से नहीं, बल्कि उन गाँवों से होकर गुजरती है जहाँ आज भी भारत की आत्मा बसती है। जब गाँव समृद्ध होंगे, आदिवासी समुदाय आत्मनिर्भर होंगे और श्रम को उसका सम्मान मिलेगा, तभी भारत सच्चे अर्थों में विश्वगुरु बनने की दिशा में आगे बढ़ सकेगा।

दैनिक पंचांग

16 जून को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	मिथुन	05.15 बजे से
चंद्र	मिथुन में	कर्क	07.29 बजे से
मंगल	मेष में	सिंह	09.45 बजे से
बुध	मिथुन में	कन्या	11.57 बजे से
गुरु	कर्क में	तुला	14.07 बजे से
शुक्र	कर्क में	वृश्चिक	16.22 ब.से
शनि	मीन में	धनु	18.38 बजे से
राहु	कुंभ में	मकर	20.43 बजे से
केतु	सिंह में	कुंभ	22.30 बजे से
राहुकाल 3.00 से 4.30 बजे तक		मीन	00.03 बजे से
		मेष	01.33 बजे से
		वृष	03.13 बजे से

मंगलवार 2026 वर्ष का 167 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** ज्येष्ठ **पक्ष** शुक्ल **तिथि** द्वितीया 00.53 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** आर्द्रा 16.13 बजे को समाप्त। **योग** वृद्धि 00.35 बजे रात्र को समाप्त। **करण** बालव 14.40 बजे तदनन्तर कौलव 00.53 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 0.9 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 23° 20' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872742 **जूलियन दिन** 2461207.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** जिल्हेज **तारीख** 30 **विशेष** चन्द्रदर्शन, सिंधु सम्राट महाराज दाहरसिंह शहीद दिवस।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

जर्जर भवन में एक शिक्षिका के भरोसे चल रहा है राजकीय मध्य विद्यालय जोजोहातु

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

खूंटी : स्वतंत्रता सेनानी सिंगराज सिंह मानकी के नाम से पहचान रखने वाला जोजोहातु गांव का सरकारी स्कूल आज भी जर्जर भवन में एक शिक्षिका के भरोसे चल रहा है। जनजातीय समाज को शिक्षित और सशक्त बनाने के उद्देश्य से सिंगराज सिंह मानकी की ओर से दान की गई जमीन पर स्थापित राजकीय मध्य विद्यालय जोजोहातु वर्तमान में शिक्षकों की भारी कमी और जर्जर भवन की समस्या से जूझ रहा है।

विद्यालय में पहली से आठवीं कक्षा तक की पढ़ाई होती है, लेकिन पूरे विद्यालय का संचालन केवल एक शिक्षिका के भरोसे किया जा रहा है। शिक्षकों की कमी के कारण विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। वहीं विद्यालय भवन की स्थिति भी अत्यंत दयनीय है। भवन जर्जर हो चुका है, जिससे विद्यार्थियों और शिक्षकों को असुविधा के साथ-साथ सुरक्षा संबंधी चिंताओं का भी सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि लोग अपने बच्चों को पढ़ाना तो चाहते हैं, लेकिन विद्यालय में पर्याप्त संसाधन और शिक्षकों की व्यवस्था नहीं होने के कारण उन्हें दूसरे विद्यालयों का रुख करना पड़ता है। इससे स्थानीय बच्चों की शिक्षा भी प्रभावित हो रही है।

स्वतंत्रता सेनानी सिंगराज सिंह मानकी का सपना था कि उनके गांव में बेहतर शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हों तथा ग्रामीणों का समग्र विकास हो। लेकिन आजादी के दशकों बाद भी उनके सपनों का यह विद्यालय बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहा है।

सिंगराज सिंह मानकी के पुत्र गोवर्धन सिंह मानकी ने विद्यालय की स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि पहले विद्यालय में दो शिक्षिकाएं थीं, लेकिन एक के सेवानिवृत्त होने के बाद अब केवल एक शिक्षिका ही पूरे विद्यालय की जिम्मेदारी संभाल रही हैं। उन्होंने बताया कि विद्यालय भवन की जर्जर स्थिति और शिक्षकों की कमी की जानकारी कई बार संबंधित विभाग को दी गई, लेकिन अब तक कोई ठोस पहल नहीं हुई है। ग्रामीणों का मानना है कि यदि विद्यालय में पर्याप्त शिक्षक नियुक्त किए जाएं और नया भवन बनाया जाए तो न केवल स्थानीय बच्चे बेहतर शिक्षा प्राप्त कर सकेंगे, बल्कि आसपास के क्षेत्रों के विद्यार्थी भी यहां अध्ययन के लिए आएंगे। ग्रामीणों ने सरकार और शिक्षा विभाग से विद्यालय की समस्याओं का शीघ्र समाधान करने की मांग की है, ताकि स्वतंत्रता सेनानी के शिक्षा संबंधी सपने को साकार किया जा सके।

गुरु अर्जन देव जी का शहीदी दिवस मनाया गया, विधायक प्रदीप प्रसाद ने दी श्रद्धांजलि

प्रत्युष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : सिख धर्म के पाँचवें गुरु एवं मानवता, सेवा और बलिदान की महान परंपरा के अमर प्रतीक श्री गुरु अर्जन देव जी का पावन शहीदी दिवस सोमवार को शहर के गुरूनानक पैलेस, सरकारी बस स्टैंड के समीप श्रद्धा, भक्ति और सम्मान के साथ मनाया गया। इस अवसर पर हजारीबाग सदर विधायक प्रदीप प्रसाद विशेष रूप से उपस्थित हुए और गुरु जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सिख समाज के श्रद्धालु, सामाजिक कार्यकर्ता, बुद्धिजीवी एवं स्थानीय नागरिक शामिल हुए। पूरे आयोजन स्थल पर भक्ति, श्रद्धा और सेवा का अद्भुत संगम देखने को मिला। श्रद्धालुओं ने गुरु अर्जन देव जी के जीवन, उनके त्याग, तपस्या और बलिदान को स्मरण करते हुए मानवता की सेवा का संकल्प लिया। इस अवसर पर विधायक प्रदीप प्रसाद ने कहा कि

गुरु अर्जन देव जी का जीवन केवल एक धार्मिक व्यक्तित्व की कहानी नहीं, बल्कि सत्य, साहस, सेवा और मानवता की रक्षा के लिए दिए गए सर्वोच्च बलिदान का जीवंत उदाहरण है। उन्होंने कहा कि अत्याचार और अन्याय के सामने कभी न झुकने वाले गुरु अर्जन देव जी ने मानवता और धर्म की रक्षा के लिए अपने प्राणों का उत्सर्ग कर दिया, लेकिन अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं किया।

उन्होंने कहा कि आज के दौर में जब समाज को प्रेम, भाईचारे और आपसी सद्भाव की सबसे अधिक आवश्यकता है, तब गुरु अर्जन देव जी की शिक्षाएं और भी प्रासंगिक हो जाती हैं। उनका जीवन हमें निस्वार्थ सेवा, सहनशीलता, करुणा और समाज के कमजोर वर्गों के प्रति समर्पण का संदेश देता है। शहीदी दिवस के अवसर पर सेवा भावना का परिचय देते हुए राहगीरों एवं आम लोगों के बीच शीतल शरबत का वितरण किया गया। भीषण गर्मी के बीच चलाए गए इस सेवा अभियान में युवाओं और समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। लोगों ने इसे मानव सेवा और गुरु परंपरा के प्रति सम्मान का प्रतीक बताया।

कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने गुरु अर्जन देव जी के योगदान, उनकी आध्यात्मिक विरासत तथा समाज को दिए गए अमूल्य संदेशों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उपस्थित लोगों ने उनके बताए सत्य, सेवा, समर्पण और मानवता के मार्ग पर चलने का संकल्प लेते हुए समाज में प्रेम और सद्भाव का संदेश फैलाने का आह्वान किया। अंत में गुरु अर्जन देव जी की स्मृति में सामूहिक श्रद्धांजलि अर्पित की गई तथा उनके आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम में सिख समाज के गणमान्य सदस्य, सामाजिक कार्यकर्ता, युवा एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

चांडिल कॉलेज में विषय हटाने और पद समाप्त करने के विरोध में छात्रों का प्रदर्शन

प्रत्युष नवबिहार संवाददाता

चांडिल : सोमवार को सिंहभूम कॉलेज चांडिल में ऑल इंडिया डेमोक्रेटिक स्टूडेंट्स ऑर्गेनाइजेशन कि ओर से गृह विज्ञान समाजशास्त्र विषय को हटाने तथा वाणिज्य के एक शिक्षक के पद को खत्म करने के विरोध में Gmail भेजकर प्रदर्शन किया गया । कॉलेज कमेटी के सचिव राजा प्रमाणिक ने बताया कि सिंहभूम कॉलेज चांडिल जो की चांडिल अनुमंडल क्षेत्र का एकमात्र अंगीभूत डिग्री कॉलेज है। जहां पर काफी दूर दराज सुदूर ग्रामीण इलाकों से विद्यार्थी अध्ययन करने के लिए आते है, बहुत तकलीफ के बाद अपना पढ़ाई को जारी रख पाते है। लेकिन बड़ी दुख कि बात है कि विगत दिन जो NEP 2020 के तहत कलस्टर का नियम जारी किया गया है जिसमें हमारे सिंहभूम कॉलेज चांडिल से गृह विज्ञान और समाज शास्त्र विषय की पढ़ाई को हटाने का निर्देश जारी किया गया है, साथ ही वाणिज्य विषय में शिक्षक के एक पद को भी खत्म करने का फरमान जारी किए है। जबकि गृह विज्ञान के विषय में पढ़ाई करने वाले

लगभग 1000 से 1500 विद्यार्थी है जो पर्याप्त है और वाणिज्य विषय में स्नातकोतर तक की पढ़ाई होता है इसके बाबजूद भी शिक्षक के एक पद को खत्म किया जा रहा है । लेकिन वहीं संथाली का काफी संख्या में विद्यार्थी होने के बावजूद भी कोई शिक्षक का पद सृजित नहीं किया गया है। उन्होंने बताया उपरोक्त विषय और पद को यथावत अगर नहीं रखा जाए तो छात्र संगठन आंदोलन करने के लिए मजबूर होंगे। कॉलेज कमेटी के अध्यक्ष कानू टुडू ने कहा कि नई राष्ट्रिय शिक्षा नीति 2020 गरीब माध्यम वर्ग के विद्यार्थियों से शिक्षा छीनने का संयंत्र है और शिक्षा का निजीकरण, व्यापारीकरण, सांप्रदायीकरण को बढ़ावा देने साजिश है इसी के तहत कलस्टर सिस्टम लाकर शिक्षा से वंचित करने का प्रयास कर रहे है ।

संक्षिप्त खबरें

पुलिस ने सहदेव यादव को बरामद कर परिजनों को सौंपा, 20 मई को गुवाहाटी से हुए थे लापता

बरही : बरही थाना पुलिस ने सोमवार को सहदेव यादव पिता जगदीश यादव ग्राम कोल्हुआकला को जम्मू-कश्मीर से बरामद कर उनके परिजनों को सौंप दिया। बरही थाना में पोकलेन आपरेटर सहदेव यादव के लापता होने का सनहा 31 मई को परिजनों ने दर्ज कराया था। पोकलेन आपरेटर सहदेव यादव 20 मई को गुवाहाटी तक पहुंचने के बाद लापता हो गए थे। सनहा दर्ज होने के बाद बरही, हजारीबाग पुलिस उनके परिवार से संपर्क कर उनकी खोजबीन शुरू की। पुलिस को पता चला कि सहदेव यादव जम्मू-कश्मीर में हैं। जम्मू-कश्मीर से उनकी सुरक्षित वापसी के लिए बरही पुलिस जम्मू-कश्मीर गई थी। सोमवार को थानाप्रभारी इंस्पेक्टर विनोद कुमार ने बताया कि बरही थाना में पोकलेन आपरेटर सहदेव यादव पिता जगदीश यादव ग्राम कोल्हुआकला की सुरक्षित वापसी हो गई है। बरही थाना से सहदेव यादव को उनके परिजनों को सुपुर्द किया गया। सहदेव यादव की सुरक्षित वापसी से उनके परिजनों और कोल्हुआकला के ग्रामीणों में हर्ष है।

रथयात्रा की तैयारियों को लेकर जुटे चार प्रखंडों के लोग, भव्य आयोजन का लिया संकल्प

चौपारण : आगामी जुलाई माह में आयोजित होने वाली तीन दिवसीय श्री जगन्नाथ रथयात्रा को सफल और ऐतिहासिक बनाने को लेकर सियरकोनी स्थित बैद्यनाथ नगर श्री जगन्नाथ मंदिर परिसर में रथयात्रा प्रबंधन समिति की वृहद बैठक हुई। बैठक में चौपारण, इटखोरी, मयूरहंड और बरही क्षेत्र से करीब पांच सौ प्रबुद्धजन एवं जनप्रतिनिधि शामिल हुए। बैठक में रथयात्रा की तैयारियों, प्रचार-प्रसार और आयोजन की जिम्मेदारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। समिति के संरक्षक सह विधायक मनोज कुमार यादव ने कहा कि चौपारण की रथयात्रा क्षेत्र की आस्था और सामाजिक एकता का प्रतीक बन चुकी है। उन्होंने आयोजन को सफल बनाने में हरसंभव सहयोग का भरोसा दिया। समिति अध्यक्ष हरिश्चंद्र सिंह ने कहा कि रथयात्रा को सफल बनाने के लिए गांव-गांव संपर्क अभियान चलाया जा रहा है। सचिव राजदेव यादव और संयोजक अभिषेक सिंह ने तीन दिवसीय कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। उपाध्यक्ष संजय सिंह और कोषाध्यक्ष मुनेश्वर गुप्ता ने लोगों से सक्रिय भागीदारी की अपील की। बैठक में चतरा जिला परिषद उपाध्यक्ष बिरजू तिवारी सहित कई जनप्रतिनिधियों और सामाजिक कार्यकताओं ने अपने विचार रखे। अंत में सभी ने चौथी श्री जगन्नाथ रथयात्रा को ऐतिहासिक और भव्य बनाने का संकल्प लिया। बताया गया कि सियरकोनी स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर से मौसीबाड़ी बिगहा तक निकलने वाली इस रथयात्रा में हर वर्ष बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होते हैं। इस बार भी एक लाख से अधिक श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना जताई गई है।

चार माइल के विवेकानंद विद्यालय में कम फीस, बेहतर रिजल्ट: नामांकन पर 50% छूट, हॉस्टल में फ्री नाइट ट्यूशन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : बरही प्रखंड के खोड़ाहार पंचायत अंतर्गत चार माइल में संचालित विवेकानंद विद्यालय ₹कम शुल्क में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा₹ का मिशन लेकर चल रहा है। शिक्षा को सेवा मानने वाले निदेशक रामचंद्र यादव और प्राचार्य बीरेंद्र कुमार के नेतृत्व में स्कूल ने कम समय में ही क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बना ली है। यहां वर्ग प्रथम से दशम तक के बच्चों के लिए बेहतर शिक्षण माहौल है।

50% छूट के साथ खुला नामांकन

नए सेशन के लिए विद्यालय में नामांकन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। विद्यालय प्रबंधन ने अभिभावकों की आर्थिक स्थिति को देखते हुए नामांकन शुल्क में 50% छूट की घोषणा की है। निदेशक रामचंद्र यादव ने कहा, ₹हम शिक्षा को व्यवसाय नहीं सेवा मानते हैं। कोई भी बच्चा पैसे की कमी से पढ़ाई से वंचित न रहे, इसलिए इस सेशन में नामांकन कराने वाले सभी विद्यार्थियों को 50% की छूट दी जा रही है।

▶ ओलंपियाड-प्रतियोगी परीक्षा में बच्चों का डंका, 15 विशेषज्ञ शिक्षक दे रहे गतिविधि आधारित शिक्षा

रिजल्ट ही पहचान

विद्यालय की सबसे बड़ी खासियत इसका शैक्षणिक परिणाम है। यहां के बच्चे ओलंपियाड और विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। कई छात्रों ने जिले-राज्य स्तर पर टॉप किया है। प्राचार्य बीरेंद्र कुमार बताते हैं कि 15 विशेषज्ञ शिक्षकों की टीम गतिविधि आधारित शिक्षण पद्धति से बच्चों को पढ़ाती है, जिससे पढ़ाई बोझ नहीं लगती।

हॉस्टल + फ्री ट्यूशन की डबल सुविधा

कक्षा 1 से 10 तक के बच्चों के लिए स्कूल में रियायती दर पर हॉस्टल की सुविधा उपलब्ध है। हॉस्टल में बच्चों को पौष्टिक भोजन के साथ साफ-सफाई, बिजली-पानी जैसी सभी मूलभूत सुविधाएं मिलती हैं। सबसे खास बात - हॉस्टल में रहने वाले बच्चों के लिए रात में निःशुल्क ट्यूशन की व्यवस्था है, ताकि उनकी पढ़ाई में कोई दिक्कत न हो। आवागमन के लिए स्कूल की अपनी बस सेवा भी चलती है।

खेल और संस्कार पर भी फोकस

पढ़ाई के साथ-साथ बच्चों के सर्वांगीण विकास पर जोर है।

सड़क दुर्घटना एक की मौत एक युवक गंभीर रूप से घायल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरिया : सोमवार की शाम सरिया-बगोदर मुख्य मार्ग पर प्रखंड मुख्यालय के ठीक सामने एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है। यहाँ दो तेज रफ्तार बाइकों (बुलेट और अपाचे) के बीच हुई आमने-सामने की भीषण टक्कर में एक व्यक्ति की जान चली गई, जबकि दूसरा युवक जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहा है। मृतक की पहचान सरिया थाना क्षेत्र के नगर केशवारी निवासी लगभग 50 वर्षीय बासुदेव मंडल (उर्फ धोनी) के रूप में की गई है। वहीं, इस हादसे में अपाचे बाइक पर सवार सरिया के श्रीरामडीह निवासी युवक सचिन कुमार गंभीर रूप से घायल हो गया है।स्थानीय प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बासुदेव मंडल अपनी बुलेट पर सवार होकर सरिया बाजार की दिशा से सरिया ब्लॉक की ओर जा रहे थे। इसी दौरान बगोदर की दिशा से आ रही तेज रफ्तार अपाचे बाइक से उनकी सीधी भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि

दोनों ही बाइकों के परखच्चे उड़ गए और तेज आवाज सुनकर आस-पास के लोग सहम गए। दुर्घटना के तुरंत बाद घटनास्थल पर स्थानीय लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने इंसानियत और तत्परता दिखाते हुए तुरंत दोनों घायलों को संभाला और इलाज के लिए बगोदर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया। अस्पताल पहुँचने पर डॉक्टरों ने बासुदेव मंडल (धोनी) को मृत घोषित कर दिया। वहीं, गंभीर रूप से घायल युवक सचिन कुमार की नाजुक स्थिति को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उसे बेहतर इलाज के लिए तुरंत धनबाद रेफर कर दिया है।

कांग्रेस पार्टी ने मृतक के परिजन को किया आर्थिक सहयोग

पटमदा : भुला पंचायत के बरियाद निवासी लक्ष्मण महतो के निधन की सूचना पाकर उनके श्राद्धकर्म में बोड़ाम प्रखंड कांग्रेस कमेटी के द्वारा उनके घर जाकर शोकाकुल परिवार से मिलकर शोक संवेदना प्रकट किया। कमिटी ने श्राद्धकर्म के लिए सहयोग राशि एवं राशन सामग्री सहयोग की गई । इस दौरान मुख्य रूप से जिला महासचिव सह प्रखंड प्रभारी विश्वजीत जेना , प्रखंड अध्यच डॉ मनोज महतो, जिला महासचिव किसन लाल महतो,वरिष्ठ कांग्रेस नेता खगेंद्र नाथ महतो, थाना अध्यक्ष सुधांशु महतो, तथा संतोष महतो, पदलोचन महतो, सूधांशु मंडल , निरंजन महतो, अबोध महतो, बदन महतो आदि उपस्थित थे।

शकुंतला पैलेस बरही में ब्रह्म विद्या विहंगम योग संत समाज का सत्संग आयोजित

हजारीबाग : सोमवार को शकुंतला पैलेस बरही में ब्रह्म विद्या विहंगम योग संत समाज के तत्वावधान में सत्संग गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता किशोर सिंह ने की, जबकि संचालन डॉ महेश कुशवाहा के द्वारा किया गया। सत्संग की शुरूआत सामूहिक ओंकार ध्वनि से हुई। इसके बाद सामूहिक स्वागत गान और मंगल गान प्रस्तुत किया गया। उद्बोधन एवं आशीर्वचन राजमोहन राजन ने दिया। सामूहिक ज्ञान मुद्रा के बाद सर्वेद पाठ श्रीमती सुनीता देवी ने किया। भजन सिकंदर सिंह, ममता देवी और श्री कृष्णा कुमार गुप्ता ने प्रस्तुत किए।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, राष्ट्रीय ग्रामीण नियोजन कार्यक्रम, राँची

Un-Tied मद अन्तर्गत
अतिअल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना 20/2026–27

1. विज्ञापनदाता का नाम :– कार्यपालक अभियंता, राष्ट्रीय ग्रामीण नियोजन कार्यक्रम,राँची।
2. परिमाण विपत्र, बिक्री की तिथि/स्थान :– दिनांक **22.06.26 को** 2.00 बजे तक। विकास भवन, राँची।
3. निविदा प्राप्त करने की तिथि/स्थान :– दिनांक **23.06.26 को 3.00** बजे अपराह्न तक जिला नियंत्रण कक्ष, राँची।
4. निविदा खोलने की तिथि :– दिनांक **23.06.26 को 3.30** बजे अपराह्न ।
5. कार्य का विवरण।

क्र0 स0/ ग्रुप सं0	प्रखण्ड	योजना का नाम	प्राक्कलित राशि/ प्रशासनिक स्वीकृति की राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य समाप्ति की अवधि	यंत्र सयंत्र का स्वामित्व
1	2	2	4	5	6	7	8
1	काँके	काँके प्रखण्ड के मेसरा पूर्वी पंचायत के रूदिया अम्बेदकर नगर में सुरेश करमाली के घर से रिंग रोड तक पथ निर्माण कार्य।	10,69,500.00	21,500/-	2500/-	तीन माह	कार्य के अनुरूप

नोट :– 1. Tender Fee, अग्रधन की राशि 2 प्रतिशत, पैन, GST Certificate, Up To date GST Return Certificate तथा निबंधन प्रमाण पत्र को स्वअभि प्रमाणित छाया प्रति अनिवार्य रूप से जमा करने के पश्चात ही निविदा पत्र (BOQ) निर्गत किया जायेगा।
2. निविदा डालते समय पथ निर्माण विभाग झारखण्ड राँची के संचिका सं0 प0नि0वि0/विविध 06–33/2007 (अंश – 1) 2146 (5) दिनांक 09.09.2020 के अनुसार Performance Security उपलब्ध करायें।
3. ग्रामीण विकास विभाग/भवन विभाग का निबंधन प्रमाण पत्र का समुचित श्रेणी वाले संवेदक ही भाग ले सकेंगे।

PR.NO.382432 NREP(26-27):D

कार्यपालक अभियंता, एन0आर0ई0पी0 – 1, राँची

तिरुलडीह में सिद्धि विनायक फ्यूल स्टेशन का उद्घाटन, क्षेत्रवासियों में खुशी की लहर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

तिरूलडीह : तिरुलडीह-कुकडू मार्ग स्थित शहीद चौक के समीप नवनिर्मित सिद्धि विनायक फ्यूल स्टेशन का विधिवत उद्घाटन ईचागढ़ विधायक सबिता महतो, कुकडू प्रखंड की प्रखंड विकास पदाधिकारी राजश्री ललिता बाखला तथा प्रखंड प्रमुख प्रतिमा बाला सिंह पातर ने संयुक्त रूप से किया। पेट्रोल पंप के शुभारंभ से क्षेत्र के लोगों में उत्साह का माहौल है। लंबे समय से स्थानीय लोगों द्वारा पेट्रोल पंप की आवश्यकता महसूस की जा रही थी, जो अब पूरी हो गई है।उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए विधायक सबिता महतो ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार

विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि पेट्रोल पंप शुरू होने से लोगों को ईंधन की सुविधा स्थानीय स्तर पर उपलब्ध होगी, साथ ही रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। उन्होंने फ्यूल स्टेशन संचालकों को शुभकामनाएं देते हुए गुणवत्तापूर्ण सेवा देने की अपील की।सिद्धि विनायक फ्यूल स्टेशन के प्रोपराइटर ओंकार नाथ गुप्ता एवं अनूप कुमार गुप्ता हैं। दोनों प्रतिष्ठित व्यवसायिक परिवार से जुड़े हैं। इनके पिता हिरालाल साव लंबे समय से अंबुजा सीमेंट की दुकान का संचालन कर रहे हैं और क्षेत्र के जाने-माने व्यवसायियों में गिने जाते हैं। परिवार द्वारा पेट्रोल पंप की स्थापना को स्थानीय विकास और जनसुविधा की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

कार्यक्रम में आजसू पार्टी के केंद्रीय सचिव हरेलाल महतो भी शामिल हुए। इसके अलावा झामुमो केंद्रीय सचिव काबलू महतो, संजय महतो, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष कृतिबास महतो, उप प्रमुख एकराम अंसारी, पूर्व प्रखंड अध्यक्ष इंद्रजीत महतो समेत कई जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।स्थानीय लोगों ने कहा कि नए पेट्रोल पंप के शुरू होने से अब उन्हें पेट्रोल और डीजल के लिए दूर-दराज के क्षेत्रों में नहीं जाना पड़ेगा। इससे समय और धन दोनों की बचत होगी तथा आसपास के गांवों के हजारों लोगों को सीधा लाभ मिलेगा। उद्घाटन समारोह के दौरान पूरे क्षेत्र में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला।

सिविल सर्जन–सह–मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, रामगढ़
स्वास्थ्य चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग, झारखण्ड
छत्तरमांडू, रामगढ़–email: csramgarh@yahoo.co.in

SHORT TENDER NOTICE

Tender Notice No: 05/DHS/ 2026 **Dated 13/06/2026**

Civil Surgeon-Cum-CMO, Ramgarh invites Tender for Rate contract from eligible bidders having experience in Health Sector for supply of Supplement Medicines & Diagnostics under National Health Mission Program for health facility in Ramgarh district.

Sl	Particulars	Details
1	Name of the work	Rate Contract of medicine
2	Date of Publication of Tender on website	Dt. 13/06/2026
3	Date of Pre-bid Meeting	Dt. 18/06/2026
4	Last date of receipt of Bids on website	Dt. 05/07/2026 by 5pm
5	EMD of Rs. 50,000/-	Submission through Online Payment Gateway
6	Date and Time of Bid opening	Dt. 06/07/2026 on 01.30PM
7	Contact Number	9431390128/7979928513

Note:-Please log on to website https://www.jharkhandtenders.gov.in for detail terms & conditions and downloading tender documents.

Sd/-
Civil Surgeon-cum-CMO
Ramgarh,

PR 382396 Health Med Edu and Family Welfare(26-27)D

एक नजर

चोरी की बाइक के साथ अपराधी गिरफ्तार

पूर्वी सिंहभूम : जमशेदपुर के परसुडीह थाना क्षेत्र में वाहन चोरी के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के दौरान पुलिस ने एक शातिर अपराधी को चोरी की मोटरसाइकिल के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपित का पूर्व में भी आपराधिक रिकॉर्ड रहा है और वह ब्राउन शुगर तस्करी के मामले में जेल जा चुका है। सोमवार को परसुडीह थाना प्रभारी अविनाश कुमार ने बताया कि क्षेत्र में वाहन चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए सघन वाहन जांच अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान पुलिस टीम ने एक संदिग्ध युवक को मोटरसाइकिल के साथ रोककर पूछताछ की। जांच के दौरान जब उससे वाहन के वैध कागजात प्रस्तुत करने को कहा गया तो वह कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सका। पुलिस ने जब मोटरसाइकिल के इंजन और चेसिस नंबर की जांच की तो पता चला कि वाहन चोरी का है। इसके बाद पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए युवक को हिरासत में ले लिया और पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपित की पहचान सोपोडेरा निवासी 23 वर्षीय अरविंद शर्मा उर्फ कैंडी उर्फ छोटू के रूप में हुई है। उसके खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

फायरिंग में युवक के पैर में लगी गोली

पूर्वी सिंहभूम : गोलमुरी थाना क्षेत्र के देबुन बागान चौक के समीप रविवार देर रात हुई फायरिंग की घटना में एक युवक गोली लगने से घायल हो गया। घायल युवक की पहचान टाटा लाइन निवासी दीपक झा के रूप में हुई है। गोली उसके दाहिने पैर में लगी है। घटना के बाद उसे तत्काल इलाज के लिए टाटा मेन हॉस्पिटल (टीएमएच) में भर्ती कराया गया, जहां उसका उपचार चल रहा है। स्थानीय लोगों से मिली जानकारी के अनुसार दीपक झा रविवार रात किसी काम से गोलमुरी क्षेत्र गया हुआ था। इसी दौरान देबुन बागान चौक के पास कुछ युवकों के बीच विवाद हो रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक विवाद के दौरान अचानक फायरिंग शुरू हो गई। इसी बीच चली एक गोली दीपक के पैर में जा लगी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। गोली लगने के बाद दीपक ने अपने परिचितों को घटना की सूचना दी। इसके बाद उसे तुरंत टीएमएच पहुंचाया गया। अस्पताल में चिकित्सकीय जांच के दौरान उसके पैर में गोली लगने की पुष्टि हुई। डॉक्टरों की निगरानी में उसका इलाज जारी है और उसकी स्थिति फिलहाल स्थिर बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलने पर गोलमुरी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। थाना प्रभारी संजय सुमन ने बताया कि फायरिंग की घटना को लेकर विभिन्न पहलुओं से जांच की जा रही है।

जंगली हाथियों के हमले से रेलवे लाइनमैन गंभीर रूप से घायल

पूर्वी सिंहभूम : चाकुलिया वन क्षेत्र में सोमवार सुबह जंगली हाथियों के झुंड ने रेलवे ट्रैक पर कार्य कर रहे एक रेलकर्मी पर हमला कर दिया। इस घटना में रेलवे लाइनमैन गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, पश्चिम बंगाल निवासी 53 वर्षीय संजीव सिन्हा भारतीय रेलवे में लाइनमैन के पद पर कार्यरत हैं। सोमवार सुबह वे चाकुलिया और कोकपाड़ा रेलवे स्टेशन के बीच सुनसुनिया रेलवे फाटक के पास रेलवे ट्रैक के निरीक्षण और मरम्मत कार्य में लगे हुए थे। इसी दौरान जंगल की ओर से करीब 13 जंगली हाथियों का झुंड रेलवे ट्रैक पार करते हुए वहां पहुंच गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हाथियों को अचानक अपने सामने देखकर संजीव सिन्हा संभल नहीं सके। इसी बीच झुंड के एक हाथी ने उन पर हमला कर दिया। बताया जाता है कि हाथी ने उन्हें सूंड से उठाकर जमीन पर पटक दिया, जिससे उनके दोनों पैरों समेत शरीर के कई हिस्सों में गंभीर चोटें आईं।

5एस के 12वें राष्ट्रीय वार्षिक अधिवेशन में बीएसएल की टीमों ने लहराया परचम

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : विगत 12 एवं 13 जून को वाराणसी में क्वालिटी सर्किल फोरम ऑफ इंडिया (क्यूसीएफआई) द्वारा आयोजित 5एस के 12वें राष्ट्रीय वार्षिक अधिवेशन में शामिल बीएसएल की टीमों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कई पुरस्कार अपने नाम किए हैं। इस दो दिवसीय अधिवेशन में देश के विभिन्न उद्योगों एवं संस्थानों की टीमों ने भाग लिया। 5एस के 12वें राष्ट्रीय वार्षिक अधिवेशन में सेल-बोकारो स्टील प्लांट की कुल 15 टीमों ने भाग लिया और नवाचार से जुड़े अपने प्रोजेक्ट प्रस्तुत किए। इन टीमों ने गुणवत्ता सुधार, कार्यकुशलता वृद्धि, संसाधनों के बेहतर उपयोग तथा संगठनात्मक उत्कृष्टता से जुड़े विषयों पर अपने प्रोजेक्ट प्रस्तुत किए जिसके आधार पर बीएसएल की आठ टीमों को पार एक्सीलेंस, पाँच टीमों को एक्सीलेंस तथा दो टीमों को डिस्टिंगुइशड पुरस्कार प्राप्त हुए। पार एक्सीलेंस पुरस्कार जीतने वाली टीमों में पावर इंजीनियरिंग ब्रिगेड विभाग की टीम जिज्ञासा, ईटीएल विभाग की टीम शक्ति, चिकित्सा और स्वास्थ्य सेवाएँ विभाग की टीम क्षितिज एवं जज्बा, सीओ एंड सीसी विभाग की टीम प्रगति, ड्रीम और परिवर्तन तथा ट्रैफिक विभाग की टीम सृजन ज्योति शामिल हैं। एक्सीलेंस पुरस्कार जीतने वाली टीमों में हॉट स्ट्रिप मिल विभाग की टीम रेडियन्स, कोल्ड रोलिंग मिल -3 की टीम सक्षम एवं स्पार्क, डिस्ट्रिब्यूशन नेटवर्क विभाग की टीम ग्रीन पावर तथा चिकित्सा और स्वास्थ्य सेवाएँ विभाग की टीम तेज शामिल हैं। इसके अलावा बीएसएल के सीआरएम-1 एंड 2 की टीम सुचिता तथा सीओ एंड सीसी विभाग की टीम उत्कल ने भी डिस्टिंगुइशड पुरस्कार प्राप्त किए। उल्लेखनीय है कि 5एस के 12वें राष्ट्रीय वार्षिक अधिवेशन के दौरान गुणवत्ता प्रबंधन, नवाचार एवं सतत सुधार की संस्कृति को मजबूत बनाने पर विशेष बल दिया गया। प्रतिभागियों ने अपने प्रोजेक्ट्स के माध्यम से संगठनात्मक विकास एवं कार्यस्थल उत्कृष्टता की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया।

तेनुघाट में मतदाता सूची पुनरीक्षण को लेकर विशेष कैंप आयोजित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

तेनुघाट : तेनुघाट मध्य विद्यालय में पंचायत मुखिया नीलम श्रीवास्तव की उपस्थिति एवं देखरेख में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 के तहत विशेष कैंप का आयोजन किया गया। इस दौरान पंचायत के अंतर्गत आने वाले तीनों बूथों के बीएलओ के साथ मतदाताओं का सत्यापन एवं सूची अद्यतन कार्य किया गया। मुखिया नीलम श्रीवास्तव ने बताया कि बोकारो उपायुक्त अजय नाथ झा एवं भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार जिले भर में प्रत्येक शनिवार और रविवार को विशेष कैंप आयोजित किए जा रहे हैं। 13 जून 2026 को जारी आदेश के अनुसार दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक सभी मतदान केंद्रों पर बीएलओ उपस्थित रहकर अनमैप्ड मतदाताओं की मैपिंग करेंगे। साथ ही मतदान केंद्र के रूप में चिन्हित सभी सरकारी एवं निजी विद्यालयों को निर्धारित समय पर खोलने का निर्देश दिया गया है। मौके पर बीएलओ कंचन सहाय, अमन कुमार झा, बबीता देवी समेत कई लोग मौजूद थे।

सड़क हादसे में युवक की मौत, सड़क जाम

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : परसुडीह थाना क्षेत्र के सलगाझुड़ी में सोमवार सुबह सड़क हादसे में 25 वर्षीय युवक सुमित मुंडा की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद क्षेत्र में भारी आक्रोश फैल गया। गुस्साए परिजनों, ग्रामीणों और भाजपा कार्यकताओं ने शव को सड़क पर रखकर घंटों जाम कर दिया तथा प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इस दौरान दुर्घटना में शामिल डंपर में तोड़फोड़ भी की गई। मृतक सुमित मुंडा सलगाझुड़ी का रहने वाला था और भाजपा महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष सीमा मुंडा का पुत्र था। वह टाटा मोटर्स में ठेका मजदूर के रूप में कार्यरत था। बताया जाता है कि सुमित प्रतिदिन की तरह सोमवार सुबह करीब 5:45 बजे बाइक से ड्यूटी के लिए घर से निकला था। इसी दौरान सलगाझुड़ी मुख्य मार्ग पर पीछे से तेज गति से आ रहे एक डंपर ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी भीषण थी कि डंपर का पिछला पहिया युवक के सिर के ऊपर से गुजर गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। दुर्घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों की भीड़ घटनास्थल पर उमड़ पड़ी। कुछ ही देर में भाजपा कार्यकर्ता और ग्रामीण भी वहां पहुंच गए। युवक की मौत से आक्रोशित लोगों ने सड़क पर शव रखकर आवागमन पूरी तरह बाधित कर दिया। सड़क जाम होने से दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई और पूरे इलाके में यातायात व्यवस्था चरमरा गई। घटना के बाद ग्रामीणों और परिजनों ने मृतक के परिवार को उचित मुआवजा, परिवार के एक सदस्य को नौकरी, दोषी चालक की तत्काल गिरफ्तारी तथा आवासीय क्षेत्र में डंपरों के परिचालन पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की मांग की। सूचना मिलने पर परसुडीह थाना प्रभारी अविनाश कुमार पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया। पुलिस अधिकारियों ने परिजनों और प्रदर्शनकारियों से बातचीत कर उन्हें शांत कराने की कोशिश की। बाद में पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया शुरू की। समाचार लिखे जाने तक प्रशासन, स्थानीय जनप्रतिनिधियों और परिजनों के बीच मुआवजे तथा अन्य मांगों को लेकर वार्ता जारी थी।

हिरणपुर में जाति, आय एवं निवास प्रमाण पत्र बनाने के लिए विशेष शिविर आयोजित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हिरणपुर : पाकुड़ जिले के हिरणपुर प्रखण्ड में आम लोगों को सरकारी सेवाओं का लाभ सुलभ एवं समयबद्ध तरीके से उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रखंड एवं अंचल कार्यालय के तत्वावधान में जाति, आय एवं निवास प्रमाण पत्र निर्गत करने हेतु विशेष शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लेकर अपने आवेदन जमा किए। शिविर के दौरान अधिकारियों एवं कर्मियों द्वारा प्राप्त आवेदनों की जांच की गई तथा आवश्यक दस्तावेजों का सत्यापन किया गया। पात्र आवेदकों के प्रमाण पत्र निर्गत करने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई। शिविर में पहुंचे लोगों को आवेदन प्रक्रिया एवं आवश्यक दस्तावेजों से संबंधित जानकारी भी उपलब्ध कराई गई, जिससे उन्हें किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। अधिकारियों ने बताया कि ऐसे विशेष शिविरों का मुख्य उद्देश्य आम लोगों को कार्यालयों के बार-बार चक्कर लगाने से राहत प्रदान करना तथा उन्हें एक ही स्थान पर आवश्यक प्रमाण पत्र की सुविधा उपलब्ध कराना है। इससे सरकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में भी लोगों को आसानी होगी। प्रखंड विकास पदाधिकारी टुडू दिलीप ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि वे सभी आवश्यक दस्तावेजों के साथ शिविर में पहुंचकर जाति, आय एवं निवास प्रमाण पत्र बनवाएं तथा सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाएं। शिविर के दौरान व्यवस्था बनाए रखने के लिए संबंधित विभागों के कर्मी एवं पदाधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित माहौल में संपन्न हुआ।

दादी की हत्या मामले में दो पोता गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

खूंटी : रनिया थाना क्षेत्र के बांगुरकुलम झोराटोली में दो पोतों ने 69 वर्षीय वृद्धा (दादी) पुटकी देवी की हत्या कर उनके शव को प्लास्टिक के बोरे में भरकर कोयल नदी किनारे झाड़ियों में छिपा दिया। पुलिस ने मामले में मृतका के दो पोतों सोनू झोरा और जतरू झोरा को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। स्थानीय लोगों से मिली जानकारी के अनुसार, घटना 12 जून की शाम करीब सात बजे की है। उस दिन हाटिंगहोड़े में साप्ताहिक हाट लगी थी, जहां पुटकी देवी का बेटा और बहू गए हुए थे। इसी दौरान घर के आंगन में पुटकी देवी और उनके दोनों पोतों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया। पुलिस के अनुसार, विवाद बढ़ने पर दोनों पोतों ने वृद्धा को धक्का दे दिया, जिससे उनके माथे में गंभीर चोट लग गई। अधिक रक्तस्राव होने के कारण उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद दोनों आरोपितों ने शव को प्लास्टिक के बोरे में भरकर कोयल नदी किनारे गुलर के पेड़ के नीचे झाड़ियों में छिपा दिया और घर के आंगन में गिरे खून के निशानों को मिटाने के लिए गोबर से लीप दिया गया। देर शाम जब पुटकी देवी का बेटा और बहू हाट से लौटे तो वृद्धा घर में नहीं मिलीं। आंगन में खून के निशान तथा उसे गोबर से ढंकने के प्रयास को देखकर उन्हें अनहोनी की आशंका हुई। गांव में चर्चा के बाद मामला धीरे-धीरे स्पष्ट होने लगा। इसके बाद मृतका के पुत्र ने 14 जून को रनिया थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई। प्राथमिकी दर्ज होते ही थाना प्रभारी श्यामल कुम्भकार के नेतृत्व में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सोनू झोरा और जतरू झोरा को हिरासत में लिया। पूछताछ के दौरान दोनों ने अपराध स्वीकार कर लिया। आरोपितों की निशानदेही पर पुलिस ने कोयल नदी किनारे झाड़ियों में छिपाकर रखे गए प्लास्टिक के बोरे में बंद पुटकी देवी का शव बरामद किया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

सेहत और रोजगार, गोड्डा को मिला आत्मनिर्भरता का डबल इंजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

गोड्डा : गोड्डा के मोतिया गांव में रहने वाली 60 साल की फदमा देवी के लिए आंखों की रोशनी जाना जीवन रुक जाने जैसा था। आर्थिक तंगी के कारण इलाज असंभव लग रहा था। गांव में लगे आंखों के स्वास्थ्य शिविर में जांच के बाद उन्हें मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए रेफर किया गया। 50 हजार रुपए में होने वाला पूरा इलाज मुफ्त में हुआ। आज फदमा देवी फिर से साफ देख सकती हैं। ऐसा ही मामला लोबांधा गांव के 80 साल के प्रसादी यादव का है। बरसों से जोड़ों के दर्द और दूसरी समस्याओं से जूझ रहे थे। दूर सदर अस्पताल जाना उनके लिए बेहद कठिन था। टल्लउव में नियमित परामर्श और दवाइयों से उनकी स्थिति में सुधार हुआ। आज वे फिर से गांव में सक्रिय जीवन जी पा रहे हैं। ये कहानियां बताती हैं कि कैसे किसी कंपनी के छोटे से प्रयास से लोगों की जिंदगी में बड़े सुधार आ सकते हैं। झारखंड के गोड्डा ज़िले में स्वास्थ्य सेवाओं और रोजगार तक आम लोगों की पहुंच लंबे समय तक एक बड़ी चुनौती रही है। ज़िले की 60 फीसदी से अधिक आबादी गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करती है। दूर दराज गांव, कमजोर स्वास्थ्य ढांचा, डॉक्टरों और नर्सों की कमी और अब भी मौजूद अंधविश्वास - इन सबके बीच अगर कोई बीमार हो जाए तो मुश्किलों का पहाड़ टूट पड़ता है। रोजगार के लिए भी लोगों को भारी मशक्कत का सामना करना पड़ता है। ऐसे हालात में गोड्डा थर्मल पावर प्रोजेक्ट क्षेत्र में अदाणी फाउंडेशन और अदाणी पावर गोड्डा की पहल ने जमीनी स्तर पर बड़ा बदलाव शुरू किया है। आपने लोगों को इलाज के लिए अस्पताल तक जाते सुना होगा लेकिन अस्पताल को लोगों तक आते कम सुना होगा। ऐसा ही कुछ गोड्डा में हो रहा है। इलाज को अस्पताल तक सीमित रखने के बजाय, अदाणी फाउंडेशन ने अस्पताल को ही गांवों तक पहुंचाने का मॉडल अपनाया है। चार मोबाइल हेल्थ केयर यूनिट्स के जरिए गोड्डा और साहिबगंज के कुल 137 गांवों में नियमित चिकित्सा सेवाएं दी जा रही हैं। साल 2025 26 में इन मोबाइल यूनिट्स के माध्यम से 74,116 मरीजों का इलाज किया गया, जिनमें महिलाओं की संख्या पुरुषों से अधिक रही। इन यूनिट्स में नियमित स्वास्थ्य जांच, मुफ्त दवाइयां और गंभीर मरीजों के लिए 24 घंटे एम्बुलेंस सेवा भी शामिल है। खास बात यह है कि कुछ यूनिट्स सीधे अदाणी फाउंडेशन द्वारा संचालित हैं, जबकि अन्य अनुभवी सामाजिक संस्था हेल्पएज इंडिया के सहयोग से चलाई जा रही हैं। इससे सेवाओं की गुणवत्ता और पहुंच दोनों सुनिश्चित हो सकी हैं। सिर्फ सामान्य इलाज ही नहीं, बल्कि एक्सपर्ट डॉक्टरी सहायता भी अब गोड्डा के ग्रामीण इलाकों तक पहुंच रही है। मोतिया स्थित कम्युनिटी सेंटर में हर महीने और पखवाड़े में विशेषज्ञ डॉक्टरों के शिविर लगाए जाते हैं। स्त्री रोग, बाल रोग, हृदय, आंख और हड्डी रोग जैसे विषयों के विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा 108 स्वास्थ्य शिविरों के जरिए 2,415 से अधिक मरीजों को परामर्श, मुफ्त दवाइयां और जांच सुविधाएं दी गईं। इनमें बड़ी संख्या महिलाओं और बच्चों की रही, जो ग्रामीण स्वास्थ्य की वास्तविक जरूरत को दर्शाती है।

संक्षिप्त खबरें

मिथिला अकादमी में 11वीं के विद्यार्थियों का भव्य स्वागत, इंडक्शन प्रोग्राम में सफलता का दिया मंत्र

बोकारो : मिथिला अकादमी पब्लिक स्कूल, बोकारो में आज कक्षा 11वीं में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों, उनके अभिभावकों एवं अध्यापकों के लिए भव्य इंडक्शन प्रोग्राम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को सीनियर सेक्शन के नए शैक्षणिक माहौल, अनुशासन एवं अवसरों से अवगत कराना था। कार्यक्रम का शुभारंभ दीपप्रज्वलन के साथ हुआ। दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन विद्यालय के अध्यक्ष राजेंद्र कुमार, सचिव दिलीप कुमार झा एवं सभी सीनियर शिक्षकों द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। दीप की लो ने ज्ञान के प्रकाश और नई शुरूआत का संदेश दिया। अध्यक्ष राजेंद्र कुमार ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आप अपने जीवन के लिए जो लक्ष्य निर्धारित करते हैं, उसकी प्राप्ति के लिए आपको पूर्ण समर्पण, सजगता, कड़ी मेहनत और निरंतरता की आवश्यकता होगी। 11वीं कक्षा आपके भविष्य की आधारशिला है। यदि आज आप अनुशासित होकर पढ़ाई करेंगे, तो कल सफलता निश्चित रूप से आपके कदम चूमेगी। समय का सदुपयोग करें। विद्यालय प्रशासन और शिक्षकगण हर पल आपके साथ हैं। स्कूल आपको हर कदम पर मार्गदर्शन देगा। सचिव दिलीप कुमार झा ने अभिभावकों से आग्रह किया कि वे बच्चों की पढ़ाई में सहयोग करें और विद्यालय प्रशासन के साथ समन्वय बनाए रखें। उन्होंने कहा कि शिक्षक-अभिभावक-विद्यार्थी का त्रिकोण ही सफलता की कुंजी है। मेहनती छात्र किसी भी परिस्थिति में अपने लक्ष्य की प्राप्ति करते हैं। आज के दौर में मेहनत के अलावा दूसरा कोई अतिरिक्त उपाय नहीं है, बच्चों को पढ़ाई के लिए प्रेरित करें। यदि घर और स्कूल एक साथ चलेंगे, तो हरेक विद्यार्थी सफल होंगे और अपने जीवन के हरेक लक्ष्य को प्राप्त करेंगे उन्होंने यह भी कहा कि विद्यालय हर विद्यार्थी पर व्यक्तिगत ध्यान दे रहा है उन्होंने सभी 11वीं के विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं।

कैंसर को हराकर लौटे डॉ. अरुण मिश्रा ने साझा किया संघर्ष और जीवनशैली का मंत्र

झुमरी तिलैया : रोटरी क्लब कोडरमा की साप्ताहिक सभा के दौरान आयोजित स्पीकर मीटिंग में कैंसर जैसी गंभीर बीमारी को मात देकर स्वस्थ जीवन की ओर लौटे डॉ. अरुण मिश्रा ने अपने संघर्ष, सकारात्मक सोच और स्वस्थ जीवनशैली के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि दृढ़ इच्छाशक्ति, समय पर उपचार और सकारात्मक दृष्टिकोण के बल पर कैंसर जैसी बीमारी से भी सफलतापूर्वक मुकाबला किया जा सकता है।कार्यक्रम के दौरान प्रश्नोत्तर सत्र का भी आयोजन किया गया, जिसमें उपस्थित सदस्यों ने कैंसर, उसके उपचार, मानसिक मजबूती तथा जीवनशैली से जुड़े विभिन्न प्रश्न पूछे। डॉ. मिश्रा ने अपने अनुभवों के आधार पर सभी सवालों के उत्तर दिए। यह सत्र काफी ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायक रहा। कार्यक्रम का संचालन रोटेरियन अजय अग्रवाल ने मॉडरेटर के रूप में किया।इस अवसर पर डॉ. अरुण मिश्रा द्वारा लिखित पुस्तक ह्यथैंक यू कैंसरह्ल की भी चर्चा की गई। पुस्तक में उनके संघर्ष, अनुभव और बीमारी पर विजय की प्रेरक यात्रा को दर्शार्या गया है। कैंसर पर विजय प्राप्त करने के लिए सभा में उपस्थित सभी सदस्यों ने उन्हें शुभकामनाएं दीं तथा उनके साहस और जुझारूपन की सराहना की।रोटरी क्लब के अध्यक्ष संतोष सिन्हा ने कहा कि डॉ. अरुण मिश्रा जैसे व्यक्तित्व समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने अपने जीवन की कठिन लड़ाई में जीत हासिल कर यह साबित किया है कि आत्मविश्वास और संकल्प के सामने बड़ी से बड़ी चुनौती भी छोटी पड़ जाती है। उन्होंने डॉ. मिश्रा को बधाई देते हुए उनके उज्वल और स्वस्थ जीवन की कामना की।सभा के दौरान क्लब के पूर्व अध्यक्ष महेश दारूका को उनके 48वें वैवाहिक वर्षगांठ के अवसर पर सम्मानित कर शुभकामनाएं दी गईं।

पत्थरबासा में हाथियों का हमला, मकान तोड़कर खाया धान

पश्चिमी सिंहभूम : जिले के मनोहरपुर प्रखंड अंतर्गत पत्थरबासा गांव में रविवार देर रात जंगली हाथियों के झुंड ने जमकर उत्पात मचाया। हाथियों ने गांव के निवासी पुरंदर नायक के कच्चे मकान को नुकसान पहुंचाने के साथ घर में रखा लगभग 50 किलो धान भी खा लिया। इस घटना के बाद पूरे गांव में भय और दहशत का माहौल व्याप्त है। ग्रामीणों ने बताया कि देर रात हाथियों का झुंड जंगल से निकलकर गांव में पहुंच गया। हाथी काफी देर तक गांव में घूमते रहे और कई स्थानों पर नुकसान पहुंचाया। इसी दौरान उन्होंने पुरंदर नायक के मिट्टी से बने घर को निशाना बनाया। हाथियों ने दीवार तोड़ दी और घर के भीतर रखे धान को खा गए। अचानक हुई इस घटना से परिवार के सदस्य सहम गए और किसी तरह सुरक्षित स्थान पर पहुंचे। हाथियों के गांव में घुसने की सूचना मिलते ही ग्रामीण एकत्रित हो गए। लोगों ने शोर मचाकर, ढोल-नगाड़े बजाकर और मशाल जलाकर हाथियों को गांव से बाहर निकालने का प्रयास किया। काफी देर तक चले प्रयास के बाद हाथियों का झुंड गांव छोड़कर जंगल की ओर लौट गया। हालांकि इस दौरान किसी व्यक्ति के घायल होने की सूचना नहीं है, लेकिन मकान और खाद्यान्न को नुकसान पहुंचा है। घटना की जानकारी मिलते ही वन विभाग सक्रिय हो गया। पीड़ित पुरंदर नायक की ओर से सूचना देने के बाद सोमवार सुबह वनरक्षी अभिषेक प्रधान गांव पहुंचे और क्षति का निरीक्षण किया। उन्होंने प्रभावित परिवार को मुआवजा प्रक्रिया से संबंधित फॉर्म उपलब्ध कराया और मामले को विभागीय ऑनलाइन पोर्टल पर दर्ज कर लिया। क्षेत्र में लगातार बढ़ रही हाथियों की गतिविधियों से ग्रामीणों की चिंता बढ़ गई है।

नशामुक्त पूर्वी सिंहभूम के लिए जागरूकता रथ रवाना, युवाओं से नशे से दूर रहने का आह्वान

पूर्वी सिंहभूम : राज्य सरकार के निदेर्शानुसार जिले में 10 जून से 25 जून तक चलाए जा रहे विशेष नशामुक्ति अभियान को और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से सोमवार को समाहरणालय परिसर से जागरूकता रथ को रवाना किया गया। उपायुक्त राजीव रंजन और वरीय पुलिस अधीक्षक पीयूष पांडेय ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर इस रथ को जिले के विभिन्न क्षेत्रों के लिए रवाना किया। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त, अपर उपायुक्त, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी सहित कई प्रशासनिक अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों ने नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए जनसहभागिता की आवश्यकता पर बल दिया। जागरूकता रथ जिले के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में भ्रमण कर लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करेगा। अभियान के तहत यह रथ विभिन्न प्रखंडों, पंचायतों, शैक्षणिक संस्थानों, बाजारों और सार्वजनिक स्थलों तक पहुंचेगा। वहां ऑडियो संदेशों, प्रचार सामग्री, पंपलेट वितरण तथा जनसंपर्क कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को नशे से होने वाले शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और आर्थिक नुकसान की जानकारी दी जाएगी। विशेष रूप से युवाओं और विद्यार्थियों को नशे की लत से दूर रहने तथा स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

एक नजर

गलवान घाटी के शहीद कुंदन कुमार ओझा की छठी पुण्यतिथि आज

साहिबगंज : गलवान घाटी में चीनी सैनिकों के साथ हुई वीरतापूर्ण झड़प में देश की रक्षा करते हुए शहीद हुए बिहार रेजीमेंट की 16वीं बटालियन के जवान कुंदन कुमार ओझा की छठी पुण्यतिथि मंगलवार को सदर प्रखंड के डिहारी गांव स्थित उनके पैतृक आवास पर श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई जाएगी। पुण्यतिथि को लेकर गांव में व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। शहीद के भाई मनोज ओझा ने बताया कि इस अवसर पर जिले के कई गणमान्य लोग, जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारी कार्यक्रम में शामिल होकर वीर सपूत को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। कार्यक्रम में जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ-साथ विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं के पहुंचने की संभावना है। श्रद्धांजलि सभा को लेकर शहीद स्मारक परिसर में विशेष व्यवस्था की गई है तथा स्मारक के समीप पंडाल निर्माण का कार्य अंतिम चरण में है। ग्रामीणों एवं युवाओं में भी कार्यक्रम को लेकर उत्साह देखा जा रहा है। गांव के लोगों का कहना है कि शहीद कुंदन कुमार ओझा ने देश की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया था, जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। उनकी वीरता और देशभक्ति आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनी रहेगी। पुण्यतिथि पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी।

ब्राउन शुगर बेचने वालों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई तेज

साहिबगंज : मिर्जाचौकी थाना पुलिस ने क्षेत्र में बढ़ते ब्राउन शुगर के अवैध कारोबार पर शिकंजा कसते हुए रविवार देर रात विशेष कार्रवाई की। पुलिस ने ब्राउन शुगर के कारोबार एवं उसके सेवन से जुड़े कुछ संदिग्ध लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। सूत्रों के अनुसार पूछताछ के दौरान इस अवैध धंधे से जुड़े कुछ अन्य लोगों के नाम भी सामने आए हैं, जिनकी भूमिका की जांच की जा रही है। जानकारी के अनुसार मिर्जाचौकी एवं आसपास के क्षेत्रों में ब्राउन शुगर का कारोबार तेजी से फैल रहा है। सूत्र बताते हैं कि इस नेटवर्क में दर्जन भर से अधिक लोगों की संलिप्तता होने की आशंका है। नशे के इस कारोबार के कारण क्षेत्र की युवा पीढ़ी तेजी से इसकी चपेट में आ रही है, जिससे अभिभावकों और समाज के लोगों में चिंता बढ़ गई है। पुलिस मामले की गहन जांच में जुटी हुई है तथा प्राप्त सूचनाओं के आधार पर आगे की कार्रवाई की तैयारी की जा रही है। हालांकि हिरासत में लिए गए लोगों और पूछताछ से जुड़े तथ्यों की अब तक पुलिस की ओर से आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

दो अलग-अलग मारपीट में चार लोग घायल

साहिबगंज : जिले के राजमहल थाना क्षेत्र अंतर्गत जामनगर में घरेलू विवाद में ससुर और पुत्रवधू हुए मारपीट में दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गया। मिली जानकारी के अनुसार रविवार देर रात लगभग 10.30 बजे रेशमा बीवी (23) और कुलीमुद्दीन हाजी (60) के बीच घरेलू विवाद में कहां सनी होते होते बात मारपीट तक पहुंच गया जिसमें ससुर और पुत्रवधु दोनों गंभीर रूप से घायल हो गया, घटना की सूचना मिलते ही थाना के एएसआई तिर्की और सनातन हेंब्रम दलबल के साथ मौके पर पहुंचकर दोनों को इलाज के लिए अनुमंडल अस्पताल लाया। जहां ड्यूटी में तैनात डॉक्टर सादिक अंसारी में दोनों का प्राथमिक इलाज किया। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। वहीं दूसरी ओर राधानगर थाना क्षेत्र के प्यारपुर गांव में आपसी विवाद में हुई मारपीट में मां और पुत्र घायल हो गया। मिली जानकारी के अनुसार रविवार देर रात लगभग 10.40 बजे फुलटूसी बीवी (35) और उसके पुत्र सोइम (12) का पड़ोसी के साथ हुए विवाद में बात मारपीट तक पहुंच गया। जिसमें दोनों घायल हो गया। जिसे परिजनों के द्वारा इलाज के लिए अस्पताल लाया गया। जहां डॉक्टरों के द्वारा इलाज किया गया। पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है।

फील्ड गेम से मिलता है अनुशासन, शारीरिक मानसिक और बौद्धिक विकास : डीआईजी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : संताल परगना क्षेत्रीय पुलिस खेलकूद प्रतियोगिता का सोमवार को पुलिस लाइन साहिबगंज में दुमका प्रक्षेत्र के डीआईजी अंबर लकड़ा ने कबूतर उड़ाकर तथा क्रिकेट बैट से गेंद खेलकर उद्घाटन किया। इससे पूर्व डीआईजी, उपायुक्त सहित अन्य अधिकारियों ने शहीद स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की। उद्घाटन समारोह में संताल परगना के सभी छह जिलों की टीमों ने मार्चपास्ट कर सलामी दी तथा खिलाड़ियों को खेल भावना और अनुशासन की शपथ दिलाई गई। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए डीआईजी अंबर लकड़ा ने कहा कि खेल केवल प्रतियोगिता नहीं बल्कि अनुशासन, टीम भावना और सकारात्मक सोच का माध्यम है। उन्होंने कहा कि फील्ड गेम अधिक से अधिक खेलने चाहिए, क्योंकि इससे शारीरिक, मानसिक एवं बौद्धिक विकास होता है। उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मियों को व्यस्त ड्यूटी के बावजूद खेल के लिए समय निकालना चाहिए। डीआईजी ने सभी थानों में वॉलीबॉल कोर्ट तथा पुलिस लाइन में खेल मैदान विकसित करने पर जोर देते हुए कहा कि खेल पुलिस बल को अधिक अनुशासित और फिट बनाता है। स्वागत भाषण में पुलिस अधीक्षक सह प्रतियोगिता सचिव अमित कुमार सिंह ने कहा कि संताल परगना क्षेत्रीय पुलिस खेलकूद प्रतियोगिता में पहली बार क्रिकेट को शामिल किया गया है। पहली बार डे-नाइट क्रिकेट मैच का भी आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने सभी खिलाड़ियों से खेल भावना, अनुशासन और बेहतर प्रदर्शन का परिचय देने का आह्वान किया। शाम होते ही पुलिस लाइन मैदान रंग-बिरंगी रोशनी से जगमगा उठा और आतिशबाजी के बीच डे-नाइट क्रिकेट मुकाबले की शुरूआत हुई। प्रतियोगिता के पहले दिन एथलेटिक्स की विभिन्न स्पधाओं में खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। महिला लंबी कूद में साहिबगंज की सेलेस्टिना बेसरा तथा पुरुष लंबी कूद में साहिबगंज के मनोज सोरेन ने स्वर्ण पदक जीता। पुरुष 1500 मीटर दौड़ में जामताड़ा के बबलू हांसदा तथा महिला वर्ग में जामताड़ा की शर्मिला हांसदा विजेता रहीं। 4×400 मीटर पुरुष रिले में जामताड़ा ने स्वर्ण पदक हासिल किया। शॉटपुट पुरुष वर्ग में देवघर के मुन्ना कुमार पासवान तथा महिला वर्ग में जामताड़ा की सुमन लता मुर्मू ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया। फुटबॉल प्रतियोगिता में जामताड़ा और दुमका की टीमों ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर अगले दौर में प्रवेश किया। वहीं क्रिकेट प्रतियोगिता के पहले मैच में गोड्डा ने जीत दर्ज की। समाचार लिखे जाने तक साहिबगंज और गोड्डा के बीच डे-नाइट क्रिकेट मुकाबला जारी था। कार्यक्रम का संचालन भगवती रंजन पांडे ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन एसडीपीओ नितिन खंडेलवाल ने किया। उद्घाटन समारोह में पाकुड़, गोड्डा, देवघर, दुमका, जामताड़ा और साहिबगंज के पुलिस पदाधिकारी, टीम मैनेजर, खिलाड़ी एवं बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी मौजूद थे।

जाति, आय व निवास प्रमाण पत्र, ऑनलाइन आवेदन शिविर का बीडीओ ने किया निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिले में आगामी शैक्षणिक सत्र, विभिन्न सरकारी नियुक्तियों एवं छात्रवृत्ति योजनाओं में आवश्यक प्रमाण पत्रों की बढ़ती मांग को देखते हुए जिला प्रशासन द्वारा पंचायत स्तर पर विशेष शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में सोमवार को बरहरवा प्रखंड के कोटालपोखर पंचायत सचिवालय में जाति, आय एवं निवास प्रमाण पत्र के ऑनलाइन आवेदन प्राप्त करने के लिए विशेष शिविर लगाया गया। शिविर के दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने पहुंचकर अपने आवेदन जमा किए। जिला प्रशासन का उद्देश्य है कि पात्र लोगों को समय पर आवश्यक प्रमाण पत्र उपलब्ध कराया जा सके, ताकि उन्हें शिक्षा, रोजगार एवं विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ लेने में किसी प्रकार की परेशानी न हो। सोमवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) सनी कुमार दास ने कोटालपोखर पंचायत सचिवालय पहुंचकर शिविर का निरीक्षण किया। उन्होंने वहां उपलब्ध सुविधाओं और आवेदन प्रक्रिया की जानकारी ली तथा संबंधित अधिकारियों और पंचायत सहायकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बीडीओ ने कहा कि 16 और 17 जून को मिशन मोड में कार्य करते हुए अधिक से अधिक लोगों के ऑनलाइन आवेदन सुनिश्चित किए जाएं, ताकि कोई भी जरूरतमंद व्यक्ति इस सुविधा से वंचित न रहे। यह विशेष शिविर 15 जून से 17 जून 2026 तक प्रतिदिन सुबह 10:30 बजे से अपराह्न 5:00 बजे तक कोटालपोखर पंचायत भवन में संचालित किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान बीडीओ ने पंचायत सचिवालय में झारखंड सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की भी समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन एवं लाभुकों तक समय पर लाभ पहुंचाने के निर्देश दिए।

विद्यालयों में विशेष आधार अभियान शुरू, बच्चों के नामांकन व बायोमेट्रिक अपडेट पर जोर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : सरकार के सचिव, स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, झारखंड सरकार, रांची एवं उपायुक्त, साहिबगंज के निदेर्शानुसार जिले के विभिन्न विद्यालयों में 15 जून से 29 जून, 2026 तक 5 से 17 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के लिए विशेष आधार नामांकन एवं बायोमेट्रिक अद्यतन अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों का नया आधार नामांकन तथा आवश्यकतानुसार बायोमेट्रिक अद्यतन कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में आज निदेशक, डीआरडीबी-सह-नोडल पदाधिकारी, यूआईडी गौतम कुमार भगत एवं जिला परियोजना पदाधिकारी (यूआईडी) संदीप कुमार द्वारा संयुक्त रूप से जिले के विभिन्न विद्यालयों में संचालित आधार शिविरों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने नामांकन एवं अद्यतन कार्यों की प्रगति की समीक्षा की तथा संबंधित कर्मियों को निर्धारित मानकों एवं समयसीमा के अनुरूप कार्य निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने शिविरों में उपलब्ध व्यवस्थाओं, आधार ऑपरेटरों की कार्यप्रणाली तथा विद्यार्थियों की सुविधा के लिए किए गए प्रबंधों का जायजा लिया। साथ ही यह सुनिश्चित करने पर बल दिया कि कोई भी पात्र छात्र आधार नामांकन अथवा बायोमेट्रिक अद्यतन से वंचित न रहे। उन्होंने अभिभावकों एवं विद्यालय प्रबंधन से अपील की कि वे अपने बच्चों के आधार संबंधी कार्यों को समय पर पूर्ण कराएं, ताकि भविष्य में शैक्षणिक गतिविधियों, छात्रवृत्ति, सरकारी योजनाओं एवं अन्य आवश्यक सेवाओं का लाभ प्राप्त करने में किसी प्रकार की कठिनाई न हो। जिला प्रशासन द्वारा यह अभियान जिला के विभिन्न विद्यालयों में सफलतापूर्वक संचालित किया जा रहा है तथा संबंधित अधिकारियों को नियमित निगरानी एवं समन्वय के निर्देश दिए गए हैं।

राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान की तैयारी तेज पाकुड़ में अर्बन टास्क फोर्स की बैठक आयोजित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : ज़िले में आगामी राष्ट्रीय पल्स पोलियो कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के उद्देश्य से नगर परिषद पाकुड़ के सभागार में नगर परिषद, अध्यक्ष सबरी पाल की अध्यक्षता में अर्बन टास्क फोर्स की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सिविल सर्जन डॉ सुरेंद्र कुमार मिश्रा, कार्यपालक पदाधिकारी अमरेंद्र कुमार चौधरी, जिला आरसीएच पदाधिकारी डॉ. एस.के. झा, जिला शहरी स्वास्थ्य प्रबंधक विनोद कुमार वर्मा, सिटी प्रबंधक मनीष कुमार मिश्रा, लोक स्वास्थ्य प्रबंधक मो० फहीम अख्तर, पल्स पोलियो कार्यक्रम के सुपरवाइजरों तथा विभिन्न सहयोगी संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक में बताया गया कि राष्ट्रीय पल्स पोलियो कार्यक्रम का आयोजन 28 जून से 30 जून 2026 तक किया जाएगा। अभियान के तहत जन्म से पांच वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियोरोधी दवा की दो बूंद पिलाई जाएगी। पाकुड़ नगर क्षेत्र में कुल 11,679 बच्चों को दवा पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए 66 बूथों की स्थापना की गई है तथा 13 सुपरवाइजरों की प्रतिनियुक्ति की गई है, जो अभियान के दौरान सभी टीमों के कार्यों की निगरानी करेंगे। साथ ही नगर परिषद, अध्यक्ष ने कहा कि अभियान की सफलता के लिए नगर परिषद द्वारा हरसंभव सहयोग प्रदान किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सभी वार्ड पार्षद अपने-अपने क्षेत्रों में बूथ दिवस पर बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाकर अभियान का शुभारंभ करेंगे तथा लोगों को अधिकाधिक संख्या में बूथों तक पहुंचने के लिए प्रेरित करेंगे। सिविल सर्जन डॉ सुरेंद्र कुमार मिश्रा ने कहा कि पोलियो उन्मूलन के लक्ष्य को बनाए रखने के लिए यह आवश्यक है कि प्रत्येक पात्र बच्चे को पोलियो की दवा अवश्य पिलाई जाए। उन्होंने जन-जागरूकता गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाने पर बल दिया ताकि कोई भी बच्चा दवा से वंचित न रह जाए।

विस्थापितों की समस्याओं पर समिति ने डीसी को सौंपा ज्ञापन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : जिले के आमड़ापाड़ा प्रखण्ड अंतर्गत पचुवाड़ा नॉर्थ कोल ब्लॉक क्षेत्र के विस्थापित एवं प्रभावित रैयतों की समस्याओं के समाधान और उनके अधिकारों की रक्षा को लेकर गठित अनुश्रवण एवं नियंत्रण कार्य समिति तथा ग्राम सुरक्षा विस्थापित कार्य समिति ने जिला प्रशासन को एक विस्तृत ज्ञापन सौंपकर क्षेत्र की वर्तमान परिस्थितियों से अवगत कराया। समिति के प्रतिनिधियों ने उपायुक्त से मुलाकात कर कहा कि परियोजना क्षेत्र में वर्षों से विस्थापित परिवारों के हितों की सुरक्षा, रोजगार और विकास संबंधी योजनाओं के क्रियान्वयन में समिति लगातार सक्रिय भूमिका निभाती रही है। ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि पचुवाड़ा नॉर्थ कोल ब्लॉक के संचालन के दौरान प्रभावित ग्रामीणों को रोजगार उपलब्ध कराने, वृद्ध एवं विधवा पेंशन, चिकित्सा सहायता, पेयजल व्यवस्था, विद्युत सुविधा, छात्र-छात्राओं के लिए छात्रवृत्ति, स्वास्थ्य शिविर, खेलकूद प्रतियोगिता तथा सामाजिक-सांस्कृतिक कार्यक्रमों के संचालन सहित कई जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने में समिति ने प्रशासन और कंपनी के साथ समन्वय स्थापित कर महत्वपूर्ण कार्य किया है। समिति ने बताया कि जिला प्रशासन के निर्देश पर गठित यह समिति समय-समय पर ग्रामीणों, कंपनी प्रबंधन एवं प्रशासन के बीच संवाद स्थापित कर विभिन्न विवादों और समस्याओं का समाधान कराती रही है।

पाकुड़ में नशा मुक्ति अभियान का आगाज, डीसी ने जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : जिले में निषिद्ध मादक पर्दार्थों के दुरुपयोग के विरुद्ध जनजागरूकता बढ़ाने तथा नशामुक्त समाज के निर्माण के उद्देश्य से सोमवार को समाहरणालय परिसर से विशेष जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। उपायुक्त मेघा भारद्वाज, उप विकास आयुक्त अरविन्द कुमार लाल एवं अनुमंडल पदाधिकारी साईमन मरांडी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी प्रीतिलता मुर्मू, जिला आपूर्ति पदाधिकारी कुमार अभिषेक सिंह, भूमि सुधार उप समाहर्ता अमित कुमार ने संयुक्त रूप से अभियान का शुभारंभ किया। राज्य सरकार के निदेर्शानुसार जिले में 15 जून से 26 जून 2026 तक विशेष नशा मुक्ति जागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य आमजनों, विशेषकर युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना तथा नशामुक्त समाज के निर्माण में जनसहभागिता सुनिश्चित करना है। उपायुक्त मेघा भारद्वाज ने कहा कि नशापान एक गंभीर सामाजिक चुनौती है, जो व्यक्ति के स्वास्थ्य, परिवार की खुशहाली और समाज की प्रगति को प्रभावित करती है। नशे की लत व्यक्ति के साथ- साथ पूरे परिवार को आर्थिक, सामाजिक एवं मानसिक संकट की ओर धकेल देती है। इसलिए युवाओं को नशे से दूर रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि जागरूकता ही नशा मुक्ति का सबसे प्रभावी माध्यम है। इसी उद्देश्य से जिलेभर में विभिन्न जनजागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। अभियान के तहत रवाना किए गए दो जागरूकता रथ निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार जिले के सभी प्रखंडों, पंचायतों, शहरी क्षेत्रों एवं शैक्षणिक संस्थानों का भ्रमण करेंगे तथा 26 जून तक प्रत्येक पंचायत तक पहुंचकर लोगों को जागरूक करेंगे। उपायुक्त ने बताया कि वर्तमान में जागरूकता संदेश हिंदी भाषा में प्रसारित किए जा रहे हैं। वहीं आगामी दिनों में स्थानीय भाषाओं, विशेषकर बंगाली एवं संथाली में भी संदेशों का प्रसारण किया जाएगा, ताकि अधिकाधिक लोगों तक प्रभावी रूप से अभियान का संदेश पहुंच सके। उन्होंने युवाओं से शिक्षा, खेलकूद एवं रचनात्मक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान करते हुए कहा कि नशे से दूर रहकर ही स्वस्थ, सशक्त एवं समृद्ध समाज का निर्माण संभव है। साथ ही उन्होंने सभी नागरिकों से नशा मुक्ति अभियान को जनआंदोलन का स्वरूप देने तथा अपने परिवार एवं समाज को नशे के दुष्प्रभावों से बचाने में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की।

संक्षिप्त खबरें

विशेष प्रमाण-पत्र शिविर से ग्रामीणों को राहत पंचायत स्तर पर हो रहा त्वरित निष्पादन

पाकुड़ : ज़िले की उपायुक्त मेघा भारद्वाज के निदेर्शानुसार जिले के सभी प्रखंडों में 15 जून से 17 जून तक पंचायतवार तीन दिवसीय विशेष प्रमाण-पत्र शिविर का आयोजन किया जा रहा है। आमजनों को उनके अधिकार से जुड़े प्रमाण-पत्र सरल, सुलभ एवं समयबद्ध तरीके से उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आयोजित इस विशेष अभियान को ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक जनसमर्थन प्राप्त हो रहा है। विशेष शिविरों के माध्यम से स्थानीय निवासी, जाति एवं आय प्रमाण-पत्र से संबंधित आवेदनों की प्राप्ति, जांच, सत्यापन एवं त्वरित निष्पादन सुनिश्चित किया जा रहा है। शिविरों में बड़ी संख्या में ग्रामीण पहुंचकर विभिन्न प्रमाण- पत्रों के लिए आवेदन कर रहे हैं तथा सरकारी सेवाओं का लाभ उठा रहे हैं। प्रशासन द्वारा प्राप्त आवेदनों का प्राथमिकता के आधार पर निष्पादन किया जा रहा है। कई मामलों में ऑन-द-स्पॉट जांच एवं सत्यापन कर तत्काल निराकरण भी किया जा रहा है, जिससे आमजनों को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर लगाने से राहत मिल रही है। विशेष शिविरों के माध्यम से नागरिक सेवाओं को पंचायत स्तर तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है, जिससे ग्रामीणों को अपने क्षेत्र में ही सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। उपायुक्त के निदेर्शानुसार जिले के वरीय पदाधिकारियों द्वारा विभिन्न पंचायतों में आयोजित शिविरों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं, आवेदन प्राप्ति, जांच एवं निष्पादन की प्रक्रिया का जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारियों एवं कर्मियों को प्राप्त आवेदनों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। वहीं उपायुक्त मेघा भारद्वाज ने आमजनों से अपील किया कि वे पंचायत स्तर पर आयोजित विशेष प्रमाण-पत्र शिविरों का अधिक से अधिक लाभ उठाएं तथा स्थानीय निवासी, जाति एवं आय प्रमाण-पत्र से संबंधित आवश्यक कार्यों का निष्पादन शिविर के माध्यम से कराएं। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन का उद्देश्य है कि पात्र लाभुकों को प्रमाण-पत्र प्राप्त करने के लिए अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें तथा उन्हें अपने पंचायत क्षेत्र में ही सहज, सुलभ एवं समयबद्ध सेवाएं उपलब्ध हो सकें उन्होंने कहा कि यह विशेष अभियान ग्रामीण क्षेत्रों में सुशासन एवं सेवा वितरण प्रणाली को और अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इस अभियान से विशेष रूप से छात्र-छात्राओं, युवाओं, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के लाभुकों तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त करने वाले पात्र व्यक्तियों को काफी सुविधा मिल रही है। जिला प्रशासन यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि प्रत्येक पात्र नागरिक को आवश्यक प्रमाण-पत्र पारदर्शी, सरल एवं त्वरित प्रक्रिया के माध्यम से उपलब्ध हो।

कृषि विज्ञान केंद्र में प्राकृतिक खेती पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

साहिबगंज : भारत सरकार की नेशनल मिशन ऑन नेचुरल फार्मिंग (एनएमएनएफ) योजना के अंतर्गत कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके), साहिबगंज में एकेएस/सीआरपी दीदियों के लिए आयोजित पाँच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आज सफलतापूर्वक समापन हुआ। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम दिनांक 11 जून, 2026 से 15 जून, 2026 तक आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य प्राकृतिक खेती के सिद्धांतों, तकनीकों एवं व्यवहारिक पहलुओं की जानकारी प्रदान कर ग्रामीण स्तर पर इसके व्यापक प्रसार को सुनिश्चित करना था प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को प्राकृतिक खेती की अवधारणा, जीवामृत एवं घनजीवामृत निर्माण, बीजामृत उपचार, प्राकृतिक कीट एवं रोग प्रबंधन, मृदा स्वास्थ्य संरक्षण, पोषण वाटिका विकास तथा कम लागत में टिकाऊ कृषि उत्पादन से संबंधित विभिन्न विषयों पर विस्तारपूर्वक प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही, किसानों की आय वृद्धि एवं पर्यावरण संरक्षण में प्राकृतिक खेती की भूमिका पर भी चर्चा की गई। इस अवसर पर कृषि विज्ञान केंद्र, साहिबगंज की प्रधान कृषि वैज्ञानिक डॉ. सुप्रिया सिंह, वरिय कृषि वैज्ञानिक डॉ. संजीव कुमार, जिला उद्यान पदाधिकारी अमितेश रंजन एवं प्रशिक्षक सह कृषि समन्वयक निकेश कुमार उपस्थित रहे। सभी विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों को प्राकृतिक खेती के विभिन्न आयामों की जानकारी देते हुए इसे ग्राम स्तर तक पहुंचाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञों ने कहा कि प्राकृतिक खेती न केवल खेती की लागत को कम करती है, बल्कि मृदा की उर्वरता, पर्यावरण संरक्षण तथा मानव स्वास्थ्य के लिए भी अत्यंत लाभकारी है। प्रशिक्षण प्राप्त एकेएस/सीआरपी दीदियाँ अपने-अपने क्षेत्रों में किसानों को जागरूक कर प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी प्रशिक्षण के सफल आयोजन पर प्रतिभागियों ने कृषि विज्ञान केंद्र, साहिबगंज के प्रति आभार व्यक्त किया तथा प्राकृतिक खेती को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

वृद्धजनों के सम्मान और सुरक्षा का संकल्प डीएलएसए ने चलाया जागरूकता अभियान

साहिबगंज : झारखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निदेर्शानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहेबगंज अखिल कुमार के मार्गदर्शन में विश्व वृद्धजन दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस के अवसर पर वृद्धजनों के अधिकारों की सुरक्षा एवं उनके प्रति सम्मानजनक व्यवहार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन स्नेह स्पर्श वृद्धा आश्रम, साहेबगंज में किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित वृद्धजनों एवं अन्य लोगों को संबोधित करते हुए बताया गया कि वृद्धजन समाज की अमूल्य धरोहर हैं। उनके सम्मान, सुरक्षा एवं गरिमापूर्ण जीवन की रक्षा करना प्रत्येक नागरिक का नैतिक एवं सामाजिक दायित्व है। प्रत्येक वर्ष 15 जून को मनाया जाने वाला विश्व वृद्धजन दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस वृद्धजनों के साथ होने वाले दुर्व्यवहार, उपेक्षा एवं शोषण के विरुद्ध जन-जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से मनाया जाता है जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहेबगंज के सचिव विश्वनाथ भगत ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान लीगल एड डिफेंस काउंसिल एवं पारा लीगल वॉलिंटियर्स-न्याय मित्रों द्वारा वृद्धजनों को उनके संवैधानिक एवं विधिक अधिकारों, वरिष्ठ नागरिकों के संरक्षण से संबंधित कानूनों तथा निःशुल्क विधिक सहायता योजनाओं के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम में परिवार एवं समाज में वृद्धजनों के प्रति संवेदनशीलता, सम्मान एवं सहयोग की भावना विकसित करने पर विशेष बल दिया गया। उपस्थित लोगों को बताया गया कि वृद्धजनों के साथ किसी भी प्रकार का शारीरिक, मानसिक, आर्थिक अथवा भावनात्मक शोषण मानवाधिकारों का उल्लंघन है।

घर की बालकनी में लगा दिए ये 4 पौधे, तो खुशबू से महक उठेगा आपका पूरा घर

घर को खूबसूरत बनाने के लिए लोग बहुत मेहनत करते हैं और अब आप अपने घर को खुशबू से भी महका सकते हैं। जी हां, अगर आप चाहते हैं कि आपका घर न केवल देखने में सुंदर हो बल्कि उसमें खुशबू भी फैले तो आपको अपनी बालकनी में कुछ खास पौधे लगाने चाहिए। इन खुशबूदार पौधों से ना केवल आपके घर की खूबसूरती बढ़ेगी, बल्कि इनकी महक से आपका मन भी प्रसन्न रहेगा। आइए जानते हैं, ऐसे चार खुशबूदार पौधों के बारे में जिन्हें आप अपनी बालकनी में लगा सकते हैं।

मोगरे का पौधा

अगर आप अपनी बालकनी में मोगरे का पौधा लगाते हैं, तो इसके फूलों की खुशबू पूरे घर में फैल जाएगी। मोगरे के फूलों की सुगंध इतनी प्यारी और मधुर होती है कि यह किसी को भी आकर्षित कर सकती है। मोगरे का पौधा बालकनी में लगाने से आपके घर के हर कोने में उसकी खुशबू पहुंच जाएगी, चाहे वह मेन दरवाजा हो या पीछे का दरवाजा। इसकी खुशबू आपके घर को एक अलग ही माहौल देगी।

चमेली का पौधा

चमेली के फूलों की खुशबू बहुत ही मनमोहक होती है। जब आप अपनी बालकनी में चमेली का पौधा लगाते हैं, तो यह आपके पूरे घर को महकाने में मदद करता है। चमेली के फूलों की महक आपके दिन को बेहतर बना सकती है और आपको ताजगी का अहसास करवा सकती है। इसे आप किसी सुंदर गमले में लगाकर अपनी बालकनी के किनारे पर रख सकते हैं। इस पौधे के फूलों से आपके घर में एक नई ऊर्जा और खुशबू का अहसास होगा।

रजनीगंधा का पौधा

रजनीगंधा के फूलों की खुशबू खासतौर पर रात के समय और भी ज्यादा तेज हो जाती है। रात के समय इसकी सुगंध इतनी ताजगी से भरी होती है कि आपको एक आरामदायक और चैन की नींद आती है। रजनीगंधा का पौधा बालकनी में रखने के साथ-साथ आप इसे घर के अंदर भी रख सकते हैं। इस पौधे को छायादार जगह पर भी लगाया जा सकता है, और यह कम रोशनी में भी अच्छी तरह से पनपता है। इसकी खुशबू आपके घर के वातावरण को शांति और सुखमय बना सकती है।

गुलाब का पौधा

गुलाब के फूलों की खुशबू बहुत ही लुभावनी होती है। गुलाब का पौधा आपके घर की बालकनी में लगाए तो यह न केवल आपके घर को महकाएगा, बल्कि घर की सुंदरता भी बढ़ाएगा। गुलाब के विभिन्न रंगों के फूल आपकी बालकनी को और भी खूबसूरत बना सकते हैं। गुलाब के फूलों की महक से पूरा घर महक उठेगा और यह आपकी हर एक सांस में समा जाएगी। गुलाब का पौधा किसी भी प्रकार के मौसम में बहुत अच्छे से पनपता है और यह आपके घर को ताजगी से भर सकता है।

खुशबू का मानसिक और शारीरिक प्रभाव

इन पौधों की खुशबू आपके मूड को भी फ्रेश कर सकती है। इनकी महक से आपका मानसिक तनाव कम हो सकता है और एक सुखद माहौल बन सकता है। जब आप इन पौधों के बीच बैठते हैं तो यह न केवल आपके घर को खुशबूदार बनाएंगे, बल्कि यह आपके जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार भी करेंगे। यह पौधे आपके घर में न केवल ताजगी और खूबसूरती लाते हैं, बल्कि आपके मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को भी लाभ पहुंचाते हैं।

आप इन चार पौधों को अपनी बालकनी में लगाकर घर को न केवल खूबसूरत बना सकते हैं, बल्कि इनकी खुशबू से आपका मन भी शांत रहेगा। तो अपनी बालकनी में इन पौधों को लगाकर अपने घर को खुशबूदार बनाएं और हर दिन एक ताजगी का अनुभव करें।

अनारकली सूट में दिखना है स्टनिंग तो अपनाएं ये फैशन हैक्स

अनारकली सूट के साथ दुपट्टा कैरी करते समय थोड़ा स्मार्टली प्ले करें। मसलन, अगर अनारकली पर हैवी एंब्रायडरी है, दुपट्टा लाइट रखें। वहीं, अगर अनारकली सिंपल या एक रंग की है, तो उस पर बनारसी, फुलकारी, गोटा-पट्टी या मिरर वर्क वाला दुपट्टा बहुत अच्छा लगता है।

जब भी किसी वेडिंग फंक्शन या फैमिली पार्टी के लिए तैयार होने की बात होती है तो अक्सर हम सभी एथनिक वियर पहनना पसंद करती है। इन एथनिक वियर में अनारकली सूट भी एक बेहतरीन एथनिक वियर ऑप्शन माना जाता है। यह एक ऐसा आउटफिट है, जो आपको एलीगेंट लेकिन रॉयल लुक देता है और शायद यही वजह है कि हर लड़की की वार्डरोब में अनारकली सूट होता ही है। यूं तो अनारकली सूट को ऐसे ही कैरी किया जा सकता है। लेकिन अगर इसके साथ कुछ आसान फैशन हैक्स को अपनाया जाए तो आप एक ही सूट को हर बार एक अलग तरह से कैरी कर सकती हैं। इतना ही नहीं, सिंपल सा अनारकली सूट भी आपके लुक को काफी एन्हॉन्स कर सकता है। अनारकली सूट को स्टाइल करते समय बस आपको कुछ छोटे-छोटे टिप्स पर ध्यान देने की जरूरत है, जिसके बारे में आज हम आपको इस लेख में बता रहे हैं-

दुपट्टे को यूं करें स्टाइल

अनारकली सूट के साथ दुपट्टा कैरी करते समय थोड़ा स्मार्टली प्ले करें। मसलन, अगर अनारकली पर हैवी एंब्रायडरी है, दुपट्टा लाइट रखें। वहीं, अगर अनारकली सिंपल या एक रंग की है, तो उस पर बनारसी, फुलकारी, गोटा-पट्टी या मिरर वर्क वाला दुपट्टा बहुत अच्छा लगता है। आप दुपट्टे को एक तरफ कंधे पर पिन कर दो और दूसरी तरफ ढीला छोड़ दो। इससे एक रॉयल लुक मिलता है। या फिर अगर आप चाहें तो कमर पर बेल्ट लगाकर दुपट्टा फिक्स किया जा सकता है। यह ना केवल स्टाइलिश लगता है, बल्कि दुपट्टे को मैनेजर करना भी आसान हो जाता है।

फुटवियर पर करें फोकस

जब आप अनारकली सूट पहन रही हैं तो उसके साथ हील्स को जरूर पहनें। फ्लैट्स से अनारकली में आपकी हाइट कम महसूस हो सकती है। अगर आप पेंसिल हील्स पहनने में कंफर्टेबल नहीं है तो ऐसे में ब्लॉक हील्स, मोजड़ी हील्स या कोल्हापुरी वेजेस पहने जा सकते हैं। वहीं, अगर आपको इसे लंबे टाइम तक पहनना है, तो कुशन वाले प्लेटफॉर्म हील्स को चुना जा सकता है। यह आपको कंफर्ट और ग्रेस दोनों देगा।

समझदारी से स्टाइल करें ज्वेलरी

अनारकली सूट के साथ एक्सेसरीज को थोड़ा स्मार्टली कैरी करना चाहिए। मसलन, अगर अनारकली सूट की नेकलाइन हाई है तो ऐसे में नेकपीस पहनने से बचें। इसकी जगह बस आप बड़े झुमके या चांदबालियां स्टाइल कर लें। वहीं, अगर नेकलाइन डीप है, तो सिंपल पेंडेंट और छोटे स्टड्स भी काफी अच्छे लगते हैं। इसके अलावा, दोनों हाथों को चूड़ियों से भरने की गलती ना करें। एक हाथ में स्टेटमेंट कड़ा रखो, दूसरे में वॉच।

अब मलाई से घी बनाना नहीं झंझट वाला काम, जानिए 2 मिनट की आसान ट्रिक

आज के समय में खाने-पीने की चीजों में मिलावट आम बात हो गई है। बाजार में मिलने वाला घी कितना शुद्ध है ये जानना मुश्किल हो गया है। इसलिए लोग अब कोशिश करते हैं कि जो चीज घर पर बन सके, उसे घर में ही तैयार करें। खासकर महिलाएं जो शुद्धता को लेकर ज्यादा सजग होती हैं वो मलाई से घर का घी बनाना पसंद करती हैं। हालांकि कई लोगों को लगता है कि मलाई से घी निकालना एक लंबा और झंझट भरा काम है। लेकिन अगर सही तरीका अपनाया जाए तो ये काम न सिर्फ आसान बल्कि बहुत जल्दी हो सकता है। हाल ही में एक ऐसी ट्रिक सामने आई है, जिससे सिर्फ 2 मिनट में घी निकाला जा सकता है वो भी बिना ज्यादा झंझट के।

कैसी मलाई लेनी चाहिए घी बनाने के लिए?

घी बनाने के लिए मलाई का सही होना सबसे जरूरी है। गीता चौधरी बताती हैं कि आपको 5 से 6 दिन पुरानी मलाई लेनी चाहिए। इससे ज्यादा पुरानी मलाई का इस्तेमाल ना करें, क्योंकि इससे घी की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है। आप चाहें तो हर दिन दूध उबालकर थोड़ा ठंडा करके फ्रिज में रखें, जिससे ऊपर एक अच्छी परत मलाई की जम जाती है। यही सबसे बढ़िया तरीका है ताजा मलाई इकट्ठा करने का।

मलाई को गर्म करने का सही तरीका

जब आपके पास पर्याप्त मलाई इकट्ठा हो जाए, तो उसे एक गहरे बर्तन में निकाल लें। अब इस मलाई को एक चम्मच से अच्छे से मिला लें ताकि जो भी गांठें बनी हों वो हट जाएं। इसके बाद, मलाई को हल्का सा गर्म करें बिलकुल उतना जितना दही जमाने के लिए दूध गर्म किया जाता है। इसका मकसद है मलाई को थोड़ा मुलायम और तैयार करना।

अब लगाएं दही जमाने वाली ट्रिक

इस स्टेप को खास मानती हैं। वे कहती हैं गर्म की गई मलाई में अब थोड़ा छाछ या जामन मिलाएं। जामन मिलाते वक्त ध्यान रखें कि मलाई ज्यादा गर्म ना हो सिर्फ इतनी गर्म हो कि आपकी उंगली उसमें आराम से जा सके। गीता ने बताया कि उन्होंने लगभग 2.5 चम्मच छाछ डाली थी। अगर आपकी छाछ खट्टी है, तो 2 चम्मच ही काफी होगी। अब इस बर्तन को 5-6 घंटे या पूरी रात के लिए ढक कर रख दें। इससे यह दही की तरह जम जाएगी।

2 मिनट में मक्खन कैसे निकालें?

जब मलाई दही की तरह जम जाए, तब आपको ज्यादा मेहनत नहीं करनी। जमने के बाद इस दही में ठंडा पानी और बर्फ डाल दें। अब लकड़ी की मथनी (या रवी/चरणी) से इसे मथें। ध्यान रहे, आपको मिक्सर चलाने की कोई जरूरत नहीं पड़ेगी। सिर्फ 2 मिनट मथने के बाद, मक्खन और छाछ अलग हो जाएंगे। यह तरीका खास तौर पर गर्मियों के मौसम में बेहद फायदेमंद है क्योंकि इसमें ना ज्यादा वक्त लगता है, ना ही आपको किचन की गर्मी में पसीना बहाना पड़ता है।

अब घी बनाने की बारी

मक्खन तैयार हो जाने के बाद अब आखिरी स्टेप घी निकालने की है। मक्खन को एक गहरे बर्तन में डालें और धीमी आंच पर गर्म करें। थोड़ी ही देर में शुद्ध घी तैयार हो जाएगा, जिसे आप छानकर स्टोर कर सकती हैं। इस ट्रिक से बनाए गए घी को कोई पहचान नहीं सकता कि ये मलाई से निकाला गया है या बाजार से खरीदा गया है। साथ ही, एक और आसान तरीका है कुकर में घी बनाना, जो तेज और सुरक्षित रहता है। मलाई से घी निकालना अगर सही तरीके से किया जाए, तो यह न तो समय लेने वाला है और न ही झंझट वाला।

फीफा का फीवर : यासिन अयारी के दो गोलों की बदौलत स्वीडन ने ट्यूनीशिया को 5-1 से रौंदा

एजेंसी

मोंटेरे : फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप-एफ मुकाबले में स्वीडन ने सोमवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए ट्यूनीशिया को 5-1 से हराकर अपने अभियान की दमदार शुरूआत की। मोंटेरे स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में यासिन अयारी दो गोल दागकर जीत के नायक बने। स्वीडन ने मैच की शुरूआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और सातवें मिनट में बढ़त हासिल कर ली। यासिन अयारी ने बॉक्स के बाहर से जोरदार शॉट लगाकर गेंद को गोल में पहुंचाया। इसके बाद 30वें मिनट में स्टार स्ट्राइकर अलेक्जेंडर इसाक ने दूसरा गोल कर स्वीडन की बढ़त को दोगुना कर दिया। पहले हाफ के अंतिम क्षणों में ट्यूनीशिया ने वापसी की उम्मीद जगाई। ओमर रेकीक ने शानदार हेडर लगाकर टीम के लिए गोल किया और स्कोर 2-1 कर दिया। हालांकि दूसरे हाफ में स्वीडन ने मुकाबले पर पूरी तरह नियंत्रण कर लिया। 59वें मिनट में विक्टर ग्योकेरेस ने तीसरा गोल कर ट्यूनीशिया की वापसी की संभावनाओं को लगभग खत्म कर दिया। इसके बाद मैच में उतरे स्थानापन्न खिलाड़ी मटियास स्वानबर्ग ने मैदान पर आने के मात्र 18 सेकंड के भीतर गोल दागकर स्वीडन की बढ़त 4-1 कर दी। इंजरी टाइम में एक बार फिर यासिन अयारी ने बॉक्स के बाहर से शानदार शॉट लगाकर अपना दूसरा और टीम का पांचवां गोल किया। इस जीत के साथ स्वीडन ने ग्रुप-एफ में तीन अंक हासिल कर शानदार शुरूआत की, जबकि ट्यूनीशिया को अपने अगले मुकाबले में वापसी की चुनौती का सामना करना होगा।

फीफा विश्व कप 2026 : डियालो के आखिरी मिनट के गोल से आइवरी कोस्ट ने इक्वाडोर को 1-0 से हराया

फिलाडेल्फिया : फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप-ई मुकाबले में आइवरी कोस्ट ने अंतिम क्षणों में शानदार वापसी करते हुए रविवार को इक्वाडोर को 1-0 से हरा दिया। मैच का एकमात्र और निर्णायक गोल अमाद डियालो ने 90वें मिनट में दागा। मुकाबले के दौरान स्टेडियम में इक्वाडोर समर्थकों का दबदबा साफ दिखाई दे रहा था। पीले और नीले रंग में रंगे दर्शकों ने पूरे मैच में अपनी टीम का जोरदार समर्थन किया, लेकिन अंत में जीत आइवरी कोस्ट के हिस्से में गई। इक्वाडोर ने शुरूआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और कई अच्छे मौके बनाए। 24वें मिनट में जॉन येबोआ का जोरदार शॉट क्रॉसबार से टकरा गया, जबकि छह मिनट बाद एलन मिंडा भी गोल करने से चूक गए और उनका प्रयास भी लकड़ी से टकराया। दूसरी ओर आइवरी कोस्ट ने भी कुछ अवसर बनाए। एली वाही का प्रयास पोस्ट से टकराया जबकि सेको फोफाना और फ्रैंक केसी ने मिडफील्ड में टीम को मजबूती दी। जब मुकाबला गोलरहित ड्रॉ की ओर बढ़ता दिख रहा था, तभी 90वें मिनट में विलफ्रेड सिंगो ने शानदार मूव बनाते हुए गेंद अमाद डियालो तक पहुंचाई। डियालो ने बॉक्स के बाहर से बेहतरीन नियंत्रण दिखाते हुए सटीक शॉट लगाया और गेंद को नेट में पहुंचाकर आइवरी कोस्ट को जीत दिला दी। हालांकि गोल डियालो ने किया, लेकिन मैच में आइवरी कोस्ट के युवा खिलाड़ी इयान डियोमांडे ने भी शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने अपनी गति और आक्रामक खेल से लगातार इक्वाडोर की रक्षा पंक्ति को परेशान किया। इस जीत के साथ आइवरी कोस्ट ने ग्रुप-ई में अपने अभियान की मजबूत शुरूआत की और अब उसके तीन अंक हो गए हैं। टीम अंक तालिका में जर्मनी के बराबर पहुंच गई है, जिसने अपने पहले मुकाबले में कुरासाओ को 7-1 से हराया था। वहीं इक्वाडोर को अब अगले मुकाबले में जीत हासिल करने का दबाव रहेगा, क्योंकि लगातार मौके बनाने के बावजूद टीम अंक हासिल नहीं कर सकी।

जर्मनी ने कुरासाओ को 7-1 से रौंदा, काई हैवर्ट्ज ने दागे दो गोल

ह्यूस्टन : फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप-ई मुकाबले में जर्मनी ने दमदार प्रदर्शन करते हुए रविवार देर रात इस टूर्नामेंट में पहली बार खेल रही कुरासाओ की टीम को 7-1 से करारी शिकस्त दी। जूलियन नागेल्समैन की टीम ने टूर्नामेंट की शुरूआत शानदार अंदाज में की और अपने आक्रामक खेल से एकतरफा जीत दर्ज की। जर्मनी की ओर से काई हैवर्ट्ज.ने दो गोल किए, जबकि फेलिक्स नेमचा, निको श्लोटरबेक, जमाल मुसियाला, नाथानियल ब्राउन और डेनिज उंडाव ने एक-एक गोल कर टीम की जीत को और बड़ी बना दिया। मुकाबले की शुरूआत जर्मनी ने तेज अंदाज में की, लेकिन कुरासाओ ने भी कुछ समय तक मुकाबला रोचक बनाए रखा। मैच के 21वें मिनट में लिवानो कोमेनेन्सिया ने गोल कर स्कोर बराबर किया और इसके साथ ही विश्व कप इतिहास में कुरासाओ का पहला गोल भी दर्ज हो गया। हालांकि इसके बाद जर्मनी ने पूरी तरह मैच पर नियंत्रण कर लिया। तेज पासिंग, लगातार हमलों और शानदार फिनिशिंग के दम पर जर्मन टीम ने कुरासाओ की रक्षा पंक्ति को पूरी तरह तोड़ दिया। पहले हाफ के बाद जर्मनी लगातार गोल करता गया और दूसरे हाफ में भी उसका दबदबा कायम रहा। काई हैवर्ट्ज.के दो गोलों के अलावा बाकी खिलाड़ियों ने भी स्कोरशीट पर नाम दर्ज कराया। इस बड़ी जीत के साथ जर्मनी ने ग्रुप-ई में मजबूत शुरूआत करते हुए अपने इरादे साफ कर दिए हैं, जबकि कुरासाओ को अपने अगले मुकाबले में वापसी की चुनौती का सामना करना होगा।

संक्षिप्त खबरें

हैंडशेक विवाद पर वहाब रियाज का बयान बोले- इससे कोई बड़ा फर्क नहीं पड़ता

नई दिल्ली : महिला टी20 विश्व कप 2026 में भारत के खिलाफ 64 रन की करारी हार झेलने के बाद पाकिस्तान महिला टीम के मुख्य कोच और पूर्व तेज गेंदबाज वहाब रियाज ने मैच के बाद भारत द्वारा हाथ न मिलाने (हैंडशेक) के मुद्दे पर अपनी प्रतिक्रिया दी। रियाज ने कहा कि उन्हें इसके पीछे की वजह नहीं पता, लेकिन ऐसी चीजों से कोई बड़ा फर्क नहीं पड़ता। बर्मिंघम के एजबेस्टन में खेले गए मुकाबले के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में जब उनसे भारत के हैंडशेक न करने को लेकर सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा कि उन्हें इसकी वजह की जानकारी नहीं है। 'मुझे नहीं पता कि हाथ न मिलाने की वजह क्या है। लेकिन अगर चीजें इसी तरह आगे बढ़नी हैं तो ऐसा ही रहने दीजिए। इससे कोई बड़ा फर्क नहीं पड़ता।' भारत और पाकिस्तान के बीच हैंडशेक को लेकर चर्चा पिछले साल एशिया कप के दौरान भी हुई थी और उसके बाद से दोनों टीमों के बीच यह मुद्दा लगातार सुर्खियों में बना हुआ है। हार के बावजूद वहाब रियाज ने माना कि उनकी टीम शुरूआती ओवरों तक मुकाबले में बनी हुई थी। उनके अनुसार पावरप्ले के बाद टीम को कुछ ओवरों तक विकेट बचाकर रन गति बनाए रखने की जरूरत थी। 'हमने पावरप्ले में अच्छा खेल दिखाया। अगले तीन-चार ओवरों में बिना विकेट गंवाए सात-आठ रन प्रति ओवर की जरूरत थी। रियाज ने कहा कि सातवें से 13वें ओवर के बीच लगातार विकेट गिरना टीम की हार की सबसे बड़ी वजह बना। 'दुर्भाग्य से सातवें से 13वें ओवर के बीच हमने लगातार पांच विकेट गंवा दिए। टी20 क्रिकेट में इतनी जल्दी विकेट गिरने के बाद वापसी करना बेहद मुश्किल हो जाता है। इससे पहले भारतीय टीम ने स्मृति मंधाना की 68 रन की शानदार पारी और ऋचा घोष की 17 गेंदों में 34 रन की विस्फोटक बल्लेबाजी की बदौलत 20 ओवर में 170/6 का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। 171 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की बल्लेबाजी भारतीय स्पिन आक्रमण के सामने बिखर गई। दीप्ति शर्मा ने घातक गेंदबाजी करते हुए 10 रन देकर 5 विकेट झटके, जबकि श्री चरणी ने तीन विकेट हासिल किए। पाकिस्तान की पूरी टीम 17 ओवर में 106 रन पर सिमट गई और भारत ने 64 रन से शानदार जीत दर्ज की। इस हार से पाकिस्तान के नेट रन रेट को भी बड़ा झटका लगा है। पाकिस्तान का अगला मुकाबला 17 जून को दक्षिण अफ्रीका से होगा, जबकि भारतीय टीम उसी दिन नीदरलैंड्स के खिलाफ मैदान में उतरेगी।

डिप्रेशन से जूझ रही थीं, क्रिकेट छोड़ने का मन बना लिया था : श्रेयंका पाटिल

बर्मिंघम : भारत की ऑफ-स्पिनर श्रेयंका पाटिल ने बताया है कि चोट के कारण खेल से दूर रहने के मुश्किल दौर में वह डिप्रेशन से जूझ रही थीं और उन्होंने क्रिकेट छोड़ने तक का मन बना लिया था। इस चोट की वजह से वह एक साल से ज्यादा समय तक खेल नहीं पाई थीं। रविवार को यहां महिला टी20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान के खिलाफ भारत की 64 रन की जीत में किफायती गेंदबाजी करने वाली इस ऑफ-स्पिनर ने इस मुश्किल दौर से निकलने और राष्ट्रीय टीम में सफल वापसी करने का श्रेय अपने मजबूत सपोर्ट सिस्टम को दिया। जुलाई 2024 में पाकिस्तान के खिलाफ एशिया कप मैच के दौरान उंगली में फ्रैक्चर होने के बाद श्रेयंका लगभग 14 महीने तक खेल से दूर रहीं। चोट की परेशानियां यहीं खत्म नहीं हुईं, उन्हें दोनों पैरों की पिंडली (शिन) में गंभीर समस्या और बाएं अंगूठे में फ्रैक्चर का भी सामना करना पड़ा। आखिरकार इस साल की शुरूआत में हढछ में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के लिए उनकी वापसी हुई। श्रेयंका ने जियोस्टार से कहा, 'अगर मैं कहूं कि मैं डिप्रेशन में नहीं थी या मैंने क्रिकेट छोड़ने के बारे में नहीं सोचा, तो यह झूठ होगा। चोट के दौर में शुरूआत में मुझे ऐसा ही महसूस हुआ था। लेकिन मेरे अंदर एक आवाज थी जो कहती थी चाहे कुछ भी हो जाए मुझे यह खेल खेलना पसंद है। मैं यहां सिर्फ इसलिए हूं क्योंकि मुझे इसे खेलना पसंद है। इसलिए, मैं उस चीज को नहीं छोड़ सकती थी जिसे करना मुझे पसंद है। मैंने हिम्मत नहीं हारी, मेरे पिता मुझसे बात करते रहे और मेरे परिवार ने पूरे समय मेरा साथ दिया। मेरे आस-पास का माहौल और मेरा मजबूत सपोर्ट सिस्टम मैं हमेशा अच्छे लोगों से घिरी रही। इसी चीज ने मुझे आगे बढ़ने की हिम्मत दी।' स्पिनर ने आगे कहा, 'अब मुझे मैदान पर वापस आकर अच्छा लग रहा है और मैं इस एहसास को खोने नहीं दूंगी।' उन्होंने तीन ओवर में सिर्फ 17 रन दिए और भारत ने कट्टर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ 170 रन के स्कोर का आसानी से बचाव किया। पावरप्ले अक्सर बल्लेबाजों के पक्ष में होता है लेकिन श्रेयंका का कहना है कि उन्हें उन हाई-प्रेशर ओवरों में गेंदबाजी करने की चुनौती पसंद है। फील्डिंग प्रतिबंधों के कारण रन बनाने के मौके बनते हैं, ऐसे में उनका ध्यान रन रोकने और विपक्षी टीम को गलती करने पर मजबूर करने पर होता है। उन्होंने कहा, 'मुझे हमेशा पावरप्ले में गेंदबाजी करना पसंद रहा है, चाहे वह मेरी राज्य की टीम के लिए हो या भारत के लिए। दबाव में बॉलिंग करना बहुत अच्छा लगता है क्योंकि मुझे यही करना पसंद है और मैंने पहले भी ऐसा सफलतापूर्वक किया है।' उन्होंने कहा, 'बाएं हाथ की बल्लेबाज के खिलाफ बॉलिंग करने में मजा आया। हमसे कुछ मौके छूटे, लेकिन दीप्ति (शर्मा) के पांच विकेट लेने से उसकी भरपाई हो गई। टूर्नामेंट की शुरूआत के लिए यह हमारे लिए एक शानदार जीत है और हमने इसे बड़े अंतर से हासिल किया।

नीरज चोपड़ा दोहा डायमंड लीग 2026 में लंबे समय बाद करेंगे वापसी

दोहा : भारत के स्टार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा शुक्रवार को दोहा डायमंड लीग 2026 से अपने एथलेटिक्स सीजन की शुरूआत करेंगे। सोमवार को जारी प्रतियोगिता की प्रवेश सूची में आयोजकों ने स्पर्धा में उनकी भागीदारी की पुष्टि की। डायमंड लीग के दोहा लेग में नीरज चोपड़ा की यह लगातार चौथी उपस्थिति होगी। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता ने 88.67 मीटर के थ्रो के साथ दोहा डायमंड लीग का 2023 एडिशन जीता था, 2024 में 88.36 मीटर के साथ दूसरे स्थान पर रहे और पिछले साल 90.23 मीटर का नेशनल रिकॉर्ड बनाया, लेकिन जर्मनी के जूलियन वेबर के पीछे दूसरे स्थान पर रहे। नीरज चोपड़ा के लिए यह 2026 एथलेटिक्स सीजन का पहला कॉम्पिटिशन होगा, जो स्विट्जरलैंड में ऑफ-सीजन ट्रेनिंग कैंप के दौरान पीठ की चोट से उबर रहे थे। भारतीय जैवलिन थ्रो स्टार को आखिरी बार सितंबर में टोक्यो में वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में एक्शन में देखा गया था। डायमंड लीग में नीरज चोपड़ा की भागीदारी की पुष्टि ऐसे समय हुई है जब उन्हें कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 के लिए भारत की 32-सदस्यीय एथलेटिक्स टीम में अस्थायी रूप से शामिल किया गया था। दोहा में पुरुषों की भला फेंक प्रतियोगिता में भारतीय एथलीट के शामिल होने से पहले से ही मजबूत फील्ड में और गुणवत्ता जुड़ गई है।

महिला हॉकी नेशंस कप 2026 : भारत की जीत के साथ शुरूआत, अमेरिका को 3-2 से हराया

एजेंसी

ऑकलैंड : भारतीय महिला हॉकी टीम ने एफआईएच हॉकी महिला नेशंस कप 2026 के अपने पहले मुकाबले में दमदार वापसी करते हुए सोमवार को अमेरिका को 3-2 से हराकर टूर्नामेंट का विजयी आगाज किया। ऑकलैंड के नॉर्थ हार्बर नेशनल हॉकी सेंटर में खेले गए पूल-ए मुकाबले में भारत ने शुरूआती झटकों के बाद शानदार खेल दिखाया। मैच की शुरूआत भारत के लिए चुनौतीपूर्ण रही। अमेरिका ने आक्रामक खेल दिखाते हुए चौथे मिनट में एशले सेसा के फील्ड गोल से बढ़त बनाई। इसके बाद सातवें मिनट में मैडलिन जिमर ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर अमेरिका को 2-0 की बढ़त दिला दी। दो गोल से पीछे होने के बाद भारतीय टीम ने धीरे-धीरे मैच पर पकड़ बनानी शुरू की। दूसरे क्वार्टर में

वापसी कर रही ड्रैग-फ्लिक विशेषज्ञ दीपिका ने 17वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर गोल कर अंतर कम किया। इसके बाद भारतीय टीम का दबाव लगातार बढ़ता गया। 24वें मिनट में भारत को एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला और दीपिका ने एक बार फिर शानदार कन्वर्जन करते हुए स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया। बराबरी के बाद भारत ने अपनी लय बरकरार रखी और हाफ टाइम से पहले ही बढ़त हासिल कर ली। 28वें मिनट में नवनीत कौर ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर भारत को 3-2 की बढ़त दिला दी। दूसरे हाफ में दोनों टीमों ने कई मौके बनाए, लेकिन दोनों ओर की रक्षापंक्ति मजबूत रही।

पूरे मैच में दोनों टीमों को छह-छह पेनल्टी कॉर्नर मिले, हालांकि कोई भी टीम आगे गोल नहीं कर सकी। भारत ने अंतिम क्षणों तक बढ़त बनाए रखी और महत्वपूर्ण तीन अंक अपने नाम किए। दो गोल करने वाली दीपिका को शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। इस जीत के साथ भारतीय टीम पूल-ए में तीन अंकों के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गई। जापान भी तीन अंकों पर है, लेकिन बेहतर गोल अंतर के कारण शीर्ष पर बना हुआ है। अब भारतीय महिला टीम अपना अगला मुकाबला 16 जून को जापान के खिलाफ खेलेगी।

आर्चरी वर्ल्ड कप में भारत का डबल गोल्ड

धीरज बोम्मादेवरा और कुमकुम अनिल मोहोड ने रचा इतिहास

एजेंसी

अंताल्या : भारतीय तीरंदाजी टीम ने आर्चरी वर्ल्ड कप स्टेज-3 में ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण पदक अपने नाम किए। भारतीय जोड़ी धीरज बोम्मादेवरा और कुमकुम अनिल मोहोड ने रिकर्व मिक्स्ड टीम स्पर्धा में विश्व नंबर-1 दक्षिण कोरिया को हराकर स्वर्ण पदक जीता, जबकि धीरज ने पुरुष व्यक्तिगत रिकर्व वर्ग में भी स्वर्ण जीतकर भारत को दोहरी सफलता दिलाई। भारतीय तीरंदाजी संघ ने उक्त जानकारी सोमवार को एक बयान में दी। रिकर्व मिक्स्ड टीम फाइनल में भारतीय जोड़ी ने शानदार खेल दिखाते हुए दक्षिण कोरिया को 5-1 से हराया। भारत ने इससे पहले डेनमार्क, अमेरिका और जर्मनी को हराकर फाइनल में जगह

बनाई थी। यह उपलब्धि भारत के लिए इसलिए भी खास रही क्योंकि 2021 के बाद पहली बार भारत ने किसी वर्ल्ड कप चरण में रिकर्व मिक्स्ड टीम स्वर्ण पदक जीता है। इसके बाद धीरज बोम्मादेवरा ने पुरुष व्यक्तिगत रिकर्व फाइनल में दक्षिण कोरिया के ली वू सियोक को 7-3 से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इसके साथ वह 2021 के बाद वर्ल्ड कप स्तर पर पुरुष रिकर्व व्यक्तिगत स्वर्ण जीतने वाले पहले भारतीय तीरंदाज बन गए। धीरज का यह प्रदर्शन भारतीय तीरंदाजी के लिए बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है क्योंकि उन्होंने टीम और व्यक्तिगत दोनों वर्गों में स्वर्ण जीतकर अपनी विश्वस्तरीय क्षमता साबित की। भारतीय तीरंदाजी संघ के अध्यक्ष अर्जुन मुंडा ने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि भारतीय तीरंदाजी के बढ़ते स्तर और खिलाड़ियों की मेहनत का परिणाम है। संघ के मानद महासचिव वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि चयन प्रक्रिया और राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर का असर अब अंतरराष्ट्रीय मंच पर साफ दिखाई दे रहा है। गौरतलब है कि आर्चरी वर्ल्ड कप स्टेज 3 का आयोजन 9 से 14 जून तक तुर्किये के अंताल्या में किया गया।

वेस्टइंडीज ने तीसरे टी-20 में श्रीलंका को 5 विकेट से हराया, सीरीज 2-1 से जीती

एजेंसी

जमैका : तेज गेंदबाज शमार जोसेफ की करियर की सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी और शेरफेन रदरफोर्ड की संयमित अर्धशतकीय पारी की बदौलत वेस्टइंडीज ने तीसरे और निर्णायक टी20 मुकाबले में सोमवार को श्रीलंका को 5 विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली। पहले बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंका की शुरूआत अच्छी रही। कमिल मिशारा और पथुम निसांका ने तेज रन बनाए और टीम ने शुरूआती ओवरों में मजबूत स्थिति बना ली। पांचवें ओवर तक स्कोर 48/1 पहुंच गया था और बड़ा स्कोर बनने की उम्मीद दिख रही थी। हालांकि इसके बाद मैच का रुख पूरी तरह बदल गया। तेज गेंदबाज शमार जोसेफ ने अपने पहले ही ओवर में दो बड़े विकेट लेकर श्रीलंका की

लय तोड़ दी। मिशारा 23 गेंदों पर 28 रन बनाकर आउट हुए और इसके बाद श्रीलंका लगातार विकेट गंवाता चला गया। मध्यक्रम में दासुन शनाका और दुनिथ वेलालागे ने पारी संभालने की कोशिश की, लेकिन शनाका के आउट होने के बाद दबाव और बढ़ गया। वेलालागे ने कुछ आक्रामक शॉट लगाकर टीम को संभालने का प्रयास किया, लेकिन अंतिम ओवर में फिर शमार जोसेफ ने तीन विकेट लेकर श्रीलंका को बड़ा स्कोर बनाने से रोक दिया। श्रीलंका की टीम 20 ओवर में 169 रन पर सिमट गई। जोसेफ ने 5 विकेट लेकर 33 रन दिए और टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपना पहला पांच विकेट हॉल दर्ज किया। 170 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरूआत धीमी रही। शुरूआती तीन ओवरों में सिर्फ 10 रन बने और कप्तान शाई होप जल्दी आउट हो गए। इसके बाद शिमरॉन हेटमायर ने तेज बल्लेबाजी करते हुए टीम को संभाला। मध्य ओवरों में श्रीलंका के स्पिनरों, खासकर वानिंदु हसरंगा, ने मैच में वापसी कराई और वेस्टइंडीज का स्कोर 10 ओवर में 64/4 हो गया। ऐसे समय में शेरफेन रदरफोर्ड ने जिम्मेदारी संभाली। उन्होंने दबाव में बल्लेबाजी करते हुए नाबाद 54 रन (40 गेंद) बनाए और टीम को जीत के करीब पहुंचाया। अंत में जेसन होल्डर ने तेजी से रन बनाते हुए मैच खत्म कर दिया। वेस्टइंडीज ने 19.4 ओवर में 170/5 बनाकर मुकाबला जीत लिया और सीरीज पर कब्जा जमा लिया।

संक्षिप्त स्कोर : श्रीलंका - 169 ऑलआउट (20 ओवर) दुनिथ वेलालागे 43 रन, शमार जोसेफ 5/33। वेस्टइंडीज - 170/5 (19.4 ओवर) शेरफेन रदरफोर्ड 54*, जेसन होल्डर 21*, वानिंदु हसरंगा 2/17।

परिणाम : वेस्टइंडीज 5 विकेट से विजयी, सीरीज 2-1 से जीती।

एक नजर

आयुर्वेद की तिगलारी और कन्नड़ पांडुलिपियों को बचाने की पहल शुरू

नयी दिल्ली : भारत की प्राचीन आयुर्वेदिक ज्ञान-संपदा को सुरक्षित रखने की पहल शुरू हुई है। इसके तहत तिगलारी और पुरानी कन्नड़ लिपि में लिखी गई आयुर्वेद की दुर्लभ पांडुलिपियों को पढ़ना और उन्हें आधुनिक लिपि में बदलने का काम शुरू किया गया है। इस दिशा में आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान केंद्रीय परिषद (सीसीआरएएस)औरकेंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से श्री वादीराजा रिसर्च फाउंडेशन के सहयोग 15 दिनों का कार्यशाला का आयोजन किया गया है। कार्यशाला का उद्देश्य उन प्राचीन आयुर्वेदिक ग्रंथों को संरक्षित करना है जो अभी तक प्रकाशित नहीं हुए हैं। प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञ युवा शोधार्थियों को इन पांडुलिपियों को पढ़ने, समझने और प्रकाशन के लिए तैयार करने में मदद करेंगे। सोमवार को सीसीआरएएस के महानिदेशक प्रो. वैद्य रबिनारायण आचार्य ने मीडिया को बताया कि भारत सरकार देश की पारंपरिक ज्ञान विरासत को सुरक्षित रखने और आगे बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। कार्यशाला में तैयार की गई पांडुलिपियों को बाद में प्रकाशित किया जाएगा, ताकि आयुर्वेद से जुड़ा यह बहुमूल्य ज्ञान अधिक से अधिक लोगों तक पहुंच सके। उल्लेखनीय है कि तिगलारी और पुरानी कन्नड़ लिपियों में लिखी आयुर्वेदिक पांडुलिपियों मुख्य रूप से कर्नाटक के तटीय क्षेत्रों में पाई जाती हैं। सीसीआरएएस और केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित यह तीसरी संयुक्त कार्यशाला है। इससे पहले ओडिशा के पुरी में करणी/देवनागरी लिपियों तथा केरल के वट्टेजुत्तु/मलयालम लिपियों पर केंद्रित कार्यशालाएं आयोजित की जा चुकी हैं। कार्यशाला के दौरान तैयार किए गए लिप्यंतरित ग्रंथों को बाद में सीसीआरएएस और केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित किया जाएगा, जिससे भारत की प्राचीन आयुर्वेदिक ज्ञान-संपदा को संरक्षित करने और व्यापक स्तर पर उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।

निर्माण कार्य ऐसा हो कि यात्रियों को कोई परेशानी न हो : अश्विनी वैष्णव

नयी दिल्ली : रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने देश के व्यस्त रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए सोमवार को अधिकारियों से कहा है कि निर्माण कार्य इस तरह किया जाए कि यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो और ट्रेन संचालन भी प्रभावित न हो। समीक्षा बैठक में मुंबई के बोरीवली, हरियाणा के अंबाला छावनी और कर्नाटक के मंगलुरु सेंट्रल रेलवे स्टेशन के विकास कार्यों पर चर्चा हुई। रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू भी बैठक में मौजूद रहे। रेल मंत्री ने कहा कि बढ़ती यात्री संख्या को देखते हुए स्टेशनों पर अतिरिक्त प्लेटफॉर्म, चौड़े फुट ओवरब्रिज (एफओबी), नए प्रवेश और निकास द्वार, बेहतर यात्री आवागमन सुविधाएं तथा मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी विकसित की जानी चाहिए। वैष्णव ने अधिकारियों को योजना के बाद के चरण में सांसदों, विधानसभा सदस्यों, स्थानीय निकाय के प्रतिनिधियों, राज्य सरकारों और दूसरे हितधारकों के साथ बातचीत करने का भी निर्देश दिया। बोरीवली स्टेशन पर भीड़ कम करने के लिए पास के कांदिवली स्टेशन का भी समानांतर विकास किया जाएगा। योजना के तहत बोरीवली में एक अतिरिक्त प्लेटफॉर्म, नए एस्केलेटर और लिफ्ट, बेहतर फुट ओवरब्रिज तथा पार्किंग सुविधाएं विकसित की जाएंगी। अंबाला छावनी स्टेशन पर दो नए प्लेटफॉर्म, 12 मीटर चौड़ा फुट ओवरब्रिज, अतिरिक्त एस्केलेटर और लिफ्ट लगाए जाएंगे।

मप्र में एग्री सौर पीवी के विकास में जर्मन कंपनी जीआईजेड करेगी सहयोग, मुख्यमंत्री की मौजूदगी में हुआ एमओयू

एजेंसी

भोपाल : मध्य प्रदेश को एग्रो सौर ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मौजूदगी में सोमवार को नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विभाग, मध्य प्रदेश ऊर्जा विकास निगम तथा जर्मन सरकार समर्थित इंडो-जर्मन एग्री वोल्टाइक सहयोग परियोजना (आईजीसीए) के मध्य मंत्रालय, भोपाल में एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर कर आदान-प्रदान किया गया।

इस अवसर पर नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला, अपर मुख्य सचिव मनु श्रीवास्तव, मध्य प्रदेश ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड के प्रबंध संचालक अमनवीर सिंह बैंस, भारत में जर्मन दूतावास के पदाधिकारी, एग्री वोल्टाइक संगठन से एलेक्जेंडर, जर्मनी की जीआईजेड कम्पनी के पदाधिकारी सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम में बताया गया कि एग्री वोल्टाइक, कृषि एवं सौर ऊर्जा के संयुक्त उपयोग को बढ़ावा देने के लिए तैयार किया गया एक संगठन है।

इसका उद्देश्य कृषि भूमि पर खेती के साथ-साथ उसी खेत में ही सौर ऊर्जा उत्पादन को प्रोत्साहित करना है, जिससे अतिरिक्त भूमि की आवश्यकता कम हो, खाद्य सुरक्षा बनी रहे तथा भूमि संबंधी विवादों से भी बचा जा सके। इस काम में जर्मन कम्पनी सरकार को सहयोग देगी। बताया गया कि यह पहल पीएम-कुसुम 2.0 सहित विभिन्न योजनाओं के अनुरूप राज्य में विशिष्ट एग्रीवोल्टाइक ढांचा विकसित करने, किसानों की आय बढ़ाने, भूमि उपयोग दक्षता सुधारने, उत्पादित ऊर्जा की सुरक्षा सुदृढ़ करने तथा जलवायु-अनुकूल ग्रामीण विकास को बढ़ावा देने में सहायक होगी। यह गैर-बाध्यकारी समझौता ज्ञापन मई 2030 तक प्रभावी रहेगा। बताया गया कि एग्री सौर पीवी के तहत सरकार किसानों को सब्सिडी देगी। इससे किसान अपनी जमीन के मालिकाना हकदार होंगे। किसान जमीन में खेती करेंगे और उसी खेत में सोलर पैनल लगाकर सौर ऊर्जा उत्पादन कर अतिरिक्त आय भी अर्जित करेंगे। यह किसानों के लिए डबल सौगात होगी। राज्य सरकार और इंडो-जर्मन एग्री वोल्टाइक सहयोग परियोजना के मध्य हुई इस परस्पर साझेदारी के अंतर्गत कम्पनी द्वारा एग्रीवोल्टाइक परियोजनाओं की पहचान, तकनीकी एवं आर्थिक मूल्यांकन, डिजाइन, वित्तीय व्यवहार्यता और क्रियान्वयन में सहयोग किया जाएगा। इसके तहत प्रदेश के किसानों, किसान उत्पादक संगठनों, ऊर्जा विकासकताओं, डिस्ट्रीब्यूशन कम्पनीज (डिस्कॉम) एवं अन्य संबंधित हितधारकों के लिए क्षमता निर्माण और जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। कम्पनी द्वारा राज्य में कृषि उत्पादकता एवं खाद्य सुरक्षा को संरक्षित रखते हुए उपयुक्त नीतिगत एवं नियामक ढांचा विकसित करने में भी सहयोग किया जाएगा।

बांग्लादेशीपीएम के सलाहकार को भारत में नहीं मिली एंट्री

एजेंसी

नयी दिल्ली : बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान के सलाहकार का भारत दौरा सुर्खियों में आ गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक तारीख रहमान के नीति मामलों के सलाहकार जाहिद उर रहमान बीते दिनों एक बैठक में हिस्सा लेने के लिए भारत पहुंचे थे, लेकिन उन्हें दिल्ली एयरपोर्ट पर रोक दिया गया। कथित तौर पर भारत के इमिग्रेशन अधिकारियों ने दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर जाहिद को करीब ढाई घंटे तक रोके रखा, जिसके बाद वे वापस ढाका लौट गए हैं। जाहिद भारत के विदेश मंत्रालय द्वारा 15 और 16 जून को आयोजित 'इंडियन ओशन रिम एसोसिएशन' के वरिष्ठ अधिकारियों की 28वीं बैठक में शामिल होने के लिए दिल्ली पहुंचे थे। हालांकि एयरपोर्ट पर इमिग्रेशन जांच के दौरान उनका नाम एक सुरक्षा संबंधी वॉचलिस्ट में आमने आ गया। इसके बाद उन्हें वहां काफी देर इंतजार करना पड़ा। बता दें कि जाहिद उर रहमान बांग्लादेश की नई सरकार का एक जाना-माना चेहरा हैं। वे पेशे से एक डॉक्टर, वरिष्ठ लेखक और राजनीतिक विश्लेषक रहे हैं। वे इससे पहले मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार के दौरान भी कुछ अहम जिम्मेदारियां संभाल चुके हैं। अब तारिक रहमान की सरकार वे नीति सलाहकार की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं।

देश में पेट्रोल, डीजल और कच्चे तेल का पर्याप्त स्टॉक, एलपीजी की सप्लाई स्थिर : सरकार

एजेंसी

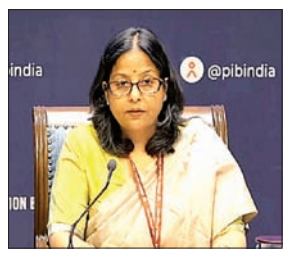

नयी दिल्ली : केंद्र सरकार ने सोमवार को कहा कि देश में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की सप्लाई स्थिर बनी हुई है। पश्चिम एशिया संकट के बावजूद रिफाइनरियां अपनी पूरी क्षमता से काम कर रही हैं। साथ ही कच्चे तेल का स्टॉक भी पर्याप्त मात्रा में बनाए रखा जा रहा है। पेट्रोलियम एवं नेचुरल गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने नई दिल्ली में अंतर-मंत्रालयी पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि देश में पेट्रोल, डीजल और घरेलू रसोई गैस की सप्लाई स्थिर बनी हुई है। रिफाइनरियां अपनी पूरी क्षमता से काम कर रही हैं और कच्चे तेल का स्टॉक भी पर्याप्त मात्रा में बनाए रखा जा रहा है।

सुजाता शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि हालांकि, कुछ रिटेल आउटलेट्स पर बिक्री में असामान्य रूप से तेजी देखी जा रही है। इसका मुख्य कारण यह है कि औद्योगिक, प्रत्यक्ष, संस्थागत और व्यावसायिक और कमर्शियल ग्राहकों ने अब रिटेल आउटलेट्स से ईंधन खरीदना शुरू कर दिया है, जिससे वहां बिक्री बढ़ गई है। मई में, 42 करोड़ डीजल की बिक्री बल्क से रिटेल आउटलेट्स पर शिफ्ट हो गई। पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के निदेशक ओपेश कुमार शर्मा ने बताया कि एलएनजी कैरियर 'दिशा' 62,370 एमटी एलएनजी कार्गो लेकर होर्मुज जलडमरूमध्य से सुरक्षित गुजर चुका है। उन्होंने कहा कि इस जहाज के 18 जून को दहेज पहुंचने की उम्मीद है। ओपेश कुमार शर्मा ने कहा कि बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय, नाविकों की भलाई सुनिश्चित करने और उन्हें हर तरह की मदद देने के लिए विदेश मंत्रालय, विदेशों में भारतीय मिशनों, शिपिंग कंपनियों और अन्य संबंधित पक्षों के साथ लगातार तालमेल बनाए हुए है।

उल्लेखनीय है कि पश्चिम एशिया में विगत 28 फरवरी से जारी युद्ध को समाप्त करने के लिए अमेरिका और ईरान के बीच आज शांति समझौते पर सहमति बनी है। इस समझौते पर स्विटजरलैंड में 19 जून को हस्ताक्षर किए जाएंगे।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का उद्घाटन लखनऊ से आई इंडिगो की पहली उड़ान

एजेंसी

गौतम बुद्ध नगर : उत्तर प्रदेश के जेवर में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर सोमवार सुबह ऐतिहासिक क्षण दर्ज किया गया। इस एयरपोर्ट पर कमर्शियल फ्लाइट का ऑपरेशन शुरू हो गया। लखनऊ के चौधरी चरण सिंह इंटरनेशनल एयरपोर्ट से इंडिगो की पहली शेड्यूल्ड कमर्शियल फ्लाइट 6ए-2278 सुबह 8:05 बजे एयरपोर्ट पर उतरी। इससे पहले केंद्रीय नागरिक उड्डयनमंत्री राम मोहन नायडू किंजरापु ने नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का उद्घाटन किया।

यहां कमर्शियल ऑपरेशन की शुरूआत लखनऊ के चौधरी चरण सिंह इंटरनेशनल एयरपोर्ट से सुबह 8:00 बजे आने वाली पहली शेड्यूल्ड इंडिगो फ़्लाइट 6ए-2278 के साथ हुई। यह फ्लाइट अपनी यात्रा जारी रखते हुए बेंगलुरु जाएगी। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू किंजरापु ने नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की पहली कमर्शियल फ्लाइट को रवाना करने से पहले केक काटा और यात्रियों को खास फ्लाइट टिकट भी दिए। नोएडा एयरपोर्ट से पहली उड़ान सुबह 8:30 पर लखनऊ के लिए रवाना हुई। इसमें एयरपोर्ट के लिए जमीन देने वाले 170 किसान और कामगार शामिल हैं। इनमें कुछ महिलाएं भी हैं। किंजरापु ने कहा, "आज बहुत खुशी का दिन है। 170 किसान यहां से लखनऊ के लिए पहली उड़ान में जा रहे हैं। बेंगलुरु के लिए भी उड़ान खड़ी है। ये फ्लाइट अपनी यात्रा जारी रखते हुए बेंगलुरु जाएगी और वहां सुबह 11:05 बजे उतरेगी। नायडू ने बताया कि 4 गंतव्य के लिए यहां से आज उड़ानें शुरू होगी।ये हमारे देश के शीर्ष 5 हवाई अड्डों में शामिल होने वाला है।" उल्लेखनीय है कि इंडिगो और आकासा एयर जैसी प्रमुख एयरलाइनों ने लखनऊ, बेंगलुरु, हैदराबाद, मुंबई और अमृतसर सहित कई शहरों के लिए अपनी उड़ानें शुरू कर दी हैं।

अमेरिका-ईरान समझौते का हिजबुल्लाह ने किया स्वागत

बेरूत : अमेरिका और ईरान के बीच हुए हालिया समझौते का लेबनानी संगठन हिजबुल्लाह ने स्वागत किया है। संगठन का कहना है कि यह पहल क्षेत्र में लंबे समय से जारी तनाव को कम करने और विभिन्न मोर्चों पर संघर्ष विराम की संभावनाओं को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकती है। हिजबुल्लाह की ओर से जारी बयान में कहा गया कि समझौते से लेबनान सहित पूरे क्षेत्र में शांति और स्थिरता की नई उम्मीद पैदा हुई है। संगठन ने स्पष्ट किया कि वह लेबनान की संप्रभुता का सम्मान किए जाने और उसके नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता मानता है। बयान में यह भी कहा गया कि लेबनान की सुरक्षा या उसके लोगों को निशाना बनाने वाली किसी भी कार्रवाई को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

ऋषि-मुनि देश की एकता के वास्तविक शिल्पकार महर्षि अगस्त्य इसके सबसे बड़े प्रतीक : उपराष्ट्रपति

एजेंसी

नयी दिल्ली : उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने कहा है कि भारत की एकता के वास्तविक शिल्पकार राजा या राजनीतिक संस्थाएं नहीं, बल्कि देश के ऋषि और मुनि रहे हैं। उन्होंने कहा कि महर्षि अगस्त्य भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक एकता के सबसे बड़े प्रतीकों में से एक हैं। उपराष्ट्रपति भवन में सोमवार को आयोजित एक समारोह में उपराष्ट्रपति अगत्थियार - द यूनिफायर पुस्तक का विमोचन किया। पुस्तक के लेखक ओ. शमा भट और डॉ. एम. एन. सुधा हैं, जबकि इसका तमिल अनुवाद प्रोफेसर कल्याणी ने किया है। पुस्तक का प्रकाशन तमिल साहित्यिक पत्रिका कलैमगल ने किया है। अपने संबोधन में उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारत की भाषाएं एक-दूसरे की प्रतिद्वंद्वी नहीं, बल्कि बहनें हैं, जिन्होंने सदियों से आपसी सम्मान और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के माध्यम से एक-दूसरे को समृद्ध किया है। उन्होंने कहा कि भारत की एकता कोई आधुनिक अवधारणा नहीं, बल्कि हजारों वर्षों पुरानी सभ्यतागत सच्चाई है। उन्होंने चिंता जताते हुए कहा कि तमिल भाषा से अनेक लोगों को लाभ मिला है, लेकिन तमिल के लिए जीवन समर्पित करने वाले विद्वानों को आज उचित पहचान नहीं मिल रही है। उन्होंने तमिल साहित्यकार यू. वी. स्वामीनाथ अय्यर के योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने तमिल साहित्य की अमूल्य धरोहर को संरक्षित करने का ऐतिहासिक कार्य किया। राधाकृष्णन ने कहा कि लेखकों ने शोध के आधार पर देश के विभिन्न हिस्सों में ऋषि अगस्त्य से जुड़ी परंपराओं और संदर्भों का व्यापक संकलन किया है तथा यह पुस्तक भारत की सांस्कृतिक एकता के संदेश को व्यापक स्तर पर पहुंचाने में सहायक होगी। उन्होंने कहा कि अगस्त्य उत्तर और दक्षिण भारत दोनों की परंपराओं में समान रूप से पूजनीय हैं और हिमालय से लेकर हिंद महासागर तक भारत की सांस्कृतिक एकता का प्रतिनिधित्व करते हैं।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने कहा कि आज जब देश की एकता, अखंडता और सांस्कृतिक पहचान पर व्यापक चर्चा हो रही है, ऐसे समय में ऋषि अगस्त्य के जीवन और योगदान को याद करना अत्यंत महत्वपूर्ण है।

संक्षिप्त खबरें

नोएडा एयरपोर्ट से 1 जुलाई से देश के 16 शहरों के लिए फ्लाइट

नयी दिल्ली : एनसीआर के लाखों-करोड़ों लोगों का वह सपना आखिर सोमवार को पूरा हो गया, जिसका इंतजार पिछले 25 सालों से था और पिछले कुछ सालों में इसकी जोरशोर से चर्चा थी। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर कॉमर्शियल फ्लाइट्स की आवाजाही की शुरूआत हो गई है। लखनऊ से इंडिगो की पहली उड़ान यहां पहुंची तो एयरपोर्ट के लिए जमीन देने वाले 172 किसानों को लेकर फ्लाइट यहां से यूपी की राजधानी रवाना हुई। अब 1 जुलाई से नोएडा एयरपोर्ट से देशभर के 16 शहरों के लिए विमानों की शुरूआत हो जाएगी। एशिया का सबसे बड़ा एयरपोर्ट बनने की दिशा में पहला और सबसे बड़ा कदम बढ़ा दिया गया है। जेवर से उड़ानें शुरू होने के साथ ही दिल्ली-एनसीआर दुनिया के उन चुनिंदा महानगरों में शामिल हो गया है जहां एक से अधिक इंटरनेशनल एयरपोर्ट हैं। केंद्रीय नागर विमानन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू ने कहा कि जो सपना एक दशक पहले असंभव प्रतीत होता था, उसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने साकार कर दिखाया। उन्होंने कहा कि यदि भारत को विकसित राष्ट्र बनना है, तो उसके पास मजबूत और आधुनिक परिवहन नेटवर्क होना आवश्यक है। प्रधानमंत्री ने 25 नवंबर 2021 को इस हवाई अड्डे की आधारशिला रखी थी और 28 मार्च 2026 को इसका उद्घाटन किया था। नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के उपाध्यक्ष क्रिस्टोफ श्नेलमैन ने कहा कि पहली विमानन कंपनी के रूप में इंडिगो का लक्ष्य एनआईए को देश के प्रमुख शहरों से जोड़ना है, जिससे यात्रियों को शुरूआत से ही अधिक विकल्प और बेहतर सुविधाएं मिल सकें। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से एक जुलाई के बाद 16 शहरों के लिए नियमित उड़ानें शुरू हो जाएंगी। यहां 3900 मीटर लंबे रनवे से रोजाना 28 विमान टेकऑफ और लैंडिंग करेंगे। शुरूआत में इंडिगो और अकासा एयर के विमान संचालित होंगे। पहले दिन लखनऊ और बेंगलुरु के लिए विशेष तो हैदराबाद और अमृतसर के लिए सामान्य उड़ानें निर्धारित थीं। इसके बाद 16 जून को इंडिगो जम्मू, जबकि अकासा एयर नवी मुंबई और बेंगलुरु की फ्लाइट शुरू करेगी। पहले दिन एयरपोर्ट के रनवे पर आठ बार विमान टेकऑफ और लैंडिंग करेगा, जबकि एक जुलाई से नवी मुंबई, बरेली, जयपुर, भोपाल समेत देश के कई अन्य शहरों के लिए सीधी उड़ान सेवा उपलब्ध हो जाएगी।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से कॉमर्शियल उड़ानों की शुरूआत, यात्रियों को मिली बड़ी सुविधा

नोएडा : उत्तर प्रदेश के जेवर में बने नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से कमर्शियल उड़ानें सोमवार से शुरू हो चुकी हैं। लखनऊ के लिए पहली फ्लाइट में उन किसानों ने सफर किया जिन्होंने एयरपोर्ट के लिए अपनी जमीन दी। नोएडा में एयरपोर्ट शुरू होने से माना जा रहा है कि दिल्ली के पालम में स्थित इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर यात्रियों का दबाव कम हो सकता है।नोएडा एयपोर्ट से फ्लाइट सर्विस शुरू होने से ताज महल के दीदार और मथुरा जाने की चाह रखने वालों का भी समय बचेगा। ऐसा इसलिए क्योंकि नोएडा एयपोर्ट से आगरा स्थित ताजमहल की दूरी लगभग 139 किलोमीटर है। खास बात यह है कि नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की युमना एक्सप्रेसवे से सीधी कनेक्टिविटी है। वहीं भगवान श्री कृष्ण के भक्त लगभग 90 मिनट में एयरपोर्ट से मथुरा पहुंच सकेंगे जबकि दिल्ली एयरपोर्ट से निकलने के बाद मिलने वाले ट्रैफिक जाम और दूरी के वजह से ऐसा संभव नहीं हो पाता। दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयपोर्ट से ताज महल पहुंचने में 4 घंटे से ज्यादा का समय लग जाता है। यानी अब हवाई सफर के जरिए ताज महल देखने आने वाले घरेलू और इंटरनेशनल यात्री दिल्ली एयरपोर्ट की बजाय नोएडा एयरपोर्ट पर उतर सकेंगे जिससे उन्हें सफर में आसानी होगी और लगभग दो घंटे की बचत होगी। हालांकि फिलाहल नोएडा एयरपोर्ट को इंटरनेशल यात्री उड़ानों के लिए मंजूरी नहीं मिली है, इसलिए सभी घरेलू उड़ानें ही होंगी। इंटरनेशनल उड़ानें भी जल्द शुरू एयरपोर्ट की सीईओ नीतू समरा ने हाल में हिंदुस्तान टाइम्स से बातचीत में बताया था कि इस साल के अंत तक इंटरनेशनल उड़ानें भी शुरू कर दी जाएंगी। उन्होंने बताया कि ह्यइस साल के आखिर तक इंटरनेशनल उड़ानें शुरू किए जाने की उम्मीद है। फिलहाल 15 जून से हम कुछ शहरों के लिए रोजाना लगभग 6 उड़ानों से शुरूआत कर रहे हैं जिसे जुलाई में बढ़ाकर 20 शहरों से जोड़ा जाएगा। एयरपोर्ट की लोकेशन बहुत अच्छी जगह पर है ग्रेटर नोएडा एयरपोर्ट पहुंचने में लगभग 25 मिनट तो नोएडा से लगभग 45 मिनट का समय लगता है। इसके अलावा एनसीआर के अन्य इलाकों जैसे गुरुग्राम, फरीदाबाद और दूसरे शहरों से भी एयरपोर्ट की अच्छी कनेक्टिविटी है। अबतक नोएडा और ग्रेटर नोएडा के लोगों को हवाई सफर के लिए दिल्ली एयरपोर्ट पर निर्भर रहना पड़ रहा था मगर अब उनके पास नोएडा में एयरपोर्ट का दूसरा विकल्प मौजूद हैं। वे अपनी सहुलियत के हिसाब से नोएडा या फिर दिल्ली एयरपोर्ट चुन सकते हैं।

ट्रक-कार की टक्कर में एक ही परिवार के 6 लोगों की मौत, एक बच्ची गंभीर रूप से घायल

बीकानेर : राजस्थान के बीकानेर जिले के डूंगरगढ़ थाना क्षेत्र में सोमवार दोपहर एक भीषण सड़क हादसा हो गया। राष्ट्रीय राजमार्ग पर सीजरल होटल के पास ट्रक और कार की आमने-सामने जोरदार टक्कर में हरियाणा के एक ही परिवार के छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक दो वर्षीय बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई है। पुलिस के अनुसार, यह दुर्घटना करीब दोपहर डेढ़ बजे हुई, जिसमें हरियाणा नंबर की कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त होकर परखच्चे उड़ गई। कार में कुल सात लोग सवार थे, जो बीकानेर के मुकाम स्थित बिश्नोई समाज के गुरु जम्भेश्वर के समाधि स्थल के दर्शन कर लौट रहे थे। सीओ निकेत पारीक ने बताया कि मृतकों में हरियाणा के फतेहाबाद जिले के मताना गांव निवासी रिटायर्ड सीनियर अकाउंटेंट ओमप्रकाश विश्नोई, उनकी पत्नी 45 वर्षीय सोरमा देवी, बेटी प्रमीला, 11 वर्षीय रोनित (पुत्र सुरेंद्र), 10 वर्षीय यशवी (पुत्री अमित) और 6 वर्षीय खुशी (पुत्री संदीप सुथार बिश्नोई) शामिल हैं। सभी की मौके पर ही मौत हो गई। इस हादसे में दो वर्षीय तनवी (पुत्री संदीप) गंभीर रूप से घायल हो गई, जिसे पहले श्रीडूंगरगढ़ के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) ले जाया गया, जहां से हालत नाजुक होने पर उसे बीकानेर के पीबीएम अस्पताल रेफर कर दिया गया। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस की मदद से कार में फंसे शवों को बाहर निकाला। सभी शवों को श्रीडूंगरगढ़ सीएचसी में रखा गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और दुर्घटना के कारणों की पड़ताल की जा रही है।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह.** 9334331934, 9570107019, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**